



क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना

सराय जोधराय ग्राम पंचायत

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार

प्रयागराज





क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना



सराय जोधराय ग्राम पंचायत

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार



प्रकाशन

पर्यावरण निदेशालय, उत्तर प्रदेश (डीओई) (DOE) एवं उत्तर प्रदेश जलवायु परिवर्तन प्राधिकरण
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार
ईमेल: doeuplko@yahoo.com वेबसाइट: upenv.upsdc.gov.in

तकनीकी सहयोग

वसुधा फाउंडेशन
गोरखपुर एनवायर्नमेंटल एक्शन ग्रुप (जीईएजी)

मार्गदर्शन

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार
श्री मनोज सिंह, आईएएस, अपर मुख्य सचिव
श्री आशीष तिवारी, आईएफएस, सचिव

जिला प्रशासन

श्री रविंद्र कुमार माँदड़, आईएएस, जिलाधिकारी (डीएम), प्रयागराज
श्री गौरव कुमार, आईएएस, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), प्रयागराज
श्री रवि शंकर द्विवेदी, जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ), प्रयागराज

वसुधा फाउंडेशन

श्री श्रीनिवास कृष्णास्वामी, सीईओ
श्री रमन मेहता, कार्यक्रम निदेशक
डॉ. एस. सतपथी, विशेषज्ञ सलाहकार

गोरखपुर एनवायर्नमेंटल एक्शन ग्रुप

डॉ. शिराज वजीह, अध्यक्ष

लेखक

वसुधा फाउंडेशन

सुश्री कृति लूथरा, सुश्री स्वाति गुप्ता, सुश्री शिविका सोलंकी, सुश्री रिनी दत्त

गोरखपुर एनवायर्नमेंटल एक्शन ग्रुप

श्री विजय कुमार पांडे एवं श्री के. के. सिंह

शोध समर्थन

वसुधा फाउंडेशन

डॉ. प्रीति सिंह, श्री नवीन कुमार, सुश्री मोनिका चक्रवर्ती, सुश्री फातिमा सैला

सराय जोधराय, ग्राम पंचायत

श्री शुभम जयसवाल, ग्राम प्रधान

क्षेत्रीय शोध समर्थन

तरूण चेतना फाउंडेशन

श्री नसीम अंसारी प्रताप, सुश्री सोनिया गुप्ता, सुश्री हुशरा बानो, सुश्री कलावती पटेल

डिज़ाइन एवं लेआउट

वसुधा फाउंडेशन

श्री ससाधर रॉय, श्री रोहिन कुमार, श्री संतोष कुमार सिंह, सुश्री स्वाति बंसल, सुश्री प्रिया कालिया



गोलाइमेड स्मार्ट
ग्राम पंचायत प्लान
द्वारा आयोजित, ब्लॉक-चरित्या
जनसह-प्रयोगकारण (उ.प्र.)
तरुण चेतना-प्रतापगढ़



रवि शंकर द्विवेदी
जिला पंचायत राज अधिकारी,
प्रयागराज

दिनांक: 11/11/2024

—: संदेश :-

“जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना” कार्ययोजना एक आवश्यक संसाधन है जिसे हमारी ग्राम पंचायत की विकास योजना (जी.पी.डी.पी.) को तैयार करने और लागू करने में सहायता करने के लिये यह रूप-रेखा तैयार की गयी है जो टिकाऊ और जलवायु अनुकूल दोनों है।

जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना व्यवहारिक रणनीतियों और समाधानों की रूपरेखा प्रस्तुत करती है जिन्हें ज़मीनी स्तर पर सम्मिलित किया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे समुदाय न केवल जलवायु अनुकूल हों अपितु टिकाऊ और आत्मनिर्भर भी हों।

ग्राम पंचायत-सराय जोधराय, विकास खण्ड-बहरिया, जनपद-प्रयागराज की यह कार्ययोजना केवल एक तकनीकी मार्गदर्शिका से कहीं अधिक है; यह प्रत्येक ग्राम पंचायत सदस्य, समुदाय के नेता और नागरिक को जलवायु अनुकूल गांवों के निर्माण में सक्रिय रूप से सम्मिलित करने का प्रयास है। यह समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है जहां किसानों, महिलाओं, युवाओं और उपेक्षित समूहों की आवाज़ सुनी जाती है और योजना प्रक्रिया में उन पर विचार किया जाता है।

आइये हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिये कार्य करें कि हमारे गांव जलवायु स्मार्ट विकास के मॉडल बनें, जो न केवल राज्य के लिये बल्कि पूरे देश के लिये उदाहरण स्थापित करें।

इसके साथ ही मैं इस क्लाइमेट स्मार्ट कार्ययोजना निर्माण के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश तकनीकी सहयोगी वसुधा फाउंडेशन नई दिल्ली, स्थानीय सहयोगी संस्था गोरखपुर एनवायरमेंट एक्शन ग्रुप (जी.ई.ए.जी.) गोरखपुर को धन्यवाद करता हूँ और आशा करता हूँ कि निर्मित कार्ययोजना ग्राम पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बनाने में सहयोगी होगी।

(रवि शंकर द्विवेदी)

ग्राम पंचायत सरायजोधराय

ग्राम प्रधान

शुभम जायसवाल

ग्राम पंचायत: सरायजोधराय

वि.ख. बहरिया, प्रयागराज



निवास :

ग्राम सरायजोधराय

तहसील फूलपुर

वि०ख०- बहरिया, प्रयागराज

मो. : 9696150140

94555 52521

Email: shubhamjaiswaloffc@gmail.com

ग्राम प्रधान

ग्राम पंचायत-सराय जोधराय, विकास खण्ड-बहरिया,
जनपद प्रयागराज, उत्तर प्रदेश.

दिनांक -----

आभार

सर्वप्रथम आप सभी को ग्राम प्रधान, सराय जोधराय जनपद-प्रयागराज की ओर से सादर नमस्कार और अभिनंदन। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप सभी स्वास्थ्य होंगे। मैं अपनी ग्राम पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बनाने की ओर हेतु बढ़ाये गये प्रथम कदम/प्रयास को आपसे साझा करते हुए रोमांचित हूँ। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियाँ हर दिन अधिक स्पष्ट होती जा रही है और हमारे समुदाय और भावी पीढ़ियों की भलाई के लिये उन पर कार्य करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस विषय की गम्भीरता को समझते हुए सभी ग्रामवासियों की सर्वसहमति से हमने अपनी ग्राम पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बनाने की प्रक्रिया को प्रारम्भ किया। सर्वप्रथम यह आवश्यक था कि ग्राम पंचायत में जलवायु परिवर्तन संबंधी समस्याओं और मुद्दों की पहचान करना, जिसके लिये सामुदायिक सहभागिता के साथ ग्राम सभा की बैठक एवं समूह केन्द्रित चर्चा के आयोजन के अतिरिक्त व्यक्तिगत चर्चा की गयी और आंकड़ों को एकत्र किया गया। आंकड़े एकत्र करने की प्रक्रिया को पंचायत में क्रियान्वित करने के लिये स्थानीय सहयोगी संस्था गोरखपुर एनवायरमेंट एक्शन ग्रुप (जी.ई.ए.जी) का तथा आंकड़ें एकत्र करने में हमारे सभी ग्रामवासियों के समर्थन और सक्रिय भागीदारी के लिये मेरा हृदय से धन्यवाद। हम सभी साथ मिलकर अपनी पंचायत में एक पर्यावरण अनुकूल वातावरण बनायेंगे, जो न केवल हमारे प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करेगा अपितु प्रत्येक ग्रामीण के जीवन की समग्र गुणवत्ता को भी बढ़ायेगा।

इसके साथ ही मैं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश और तकनीकी सहयोगी पार्टनर वसुधा फाउंडेशन, नई दिल्ली का भी मैं आभारी हूँ जिन्होंने एकत्र किये गये आंकड़ों को कार्ययोजना का स्वरूप दिया तथा मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

मैं सभी ग्रामवासियों से अपनी पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बनाने के लिये हाथ मिलाकर आगे बढ़ने का आग्रह करता हूँ। आइये हम सभी मिलकर एक सकारात्मक बदलाव की ओर आगे बढ़े और दूसरों के लिये उदाहरण स्थापित करें। धन्यवाद !

(शुभम जायसवाल)
शुभम जायसवाल (प्रधान)
ग्राम पंचायत: सराय जोधराय
वि.ख. बहरिया, प्रयागराज

(शुभम जायसवाल)
शुभम जायसवाल (प्रधान)
ग्राम पंचायत: सराय जोधराय
वि.ख. बहरिया, प्रयागराज

विषय-वस्तु

1	कार्यकारी सारांश	1
2	ग्राम पंचायत प्रोफ़ाइल	4
	▪ सराय जोधराय ग्राम पंचायत एक नज़र में	4
	▪ जलवायु परिवर्तनशीलता प्रोफ़ाइल	5
	▪ प्रमुख आर्थिक गतिविधियाँ	6
	▪ कार्यरत महिलाएं	7
	▪ कृषि	8
	▪ प्राकृतिक संसाधन	8
	▪ सराय जोधराय में सुविधाएं	9
3	कार्बन फुटप्रिंट	10
4	व्यापक मुद्दे	11
5	प्रस्तावित मुझाव	12
	1. जल निकायों का प्रबंधन और कायाकल्प	13
	2. सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	18
	3. सतत कृषि	24
	4. हरित स्थानों और जैवविविधता को बढ़ाना	29
	5. स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुँच	33
	6. सतत और उन्नत गतिशीलता	43
	7. आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना	47
6	विचारार्थ अतिरिक्त संस्तुतियों की सूची	51
7	अनुकूलन, सह-लाभ और सतत विकास लक्ष्यों से जुड़ाव	57
8	आगे की राह	64
9	अनुलग्नक	65

चित्र तालिका

चित्र 1	: सराय जोधराय ग्राम पंचायत, प्रयागराज ज़िले का भूमि उपयोग मानचित्र	5
चित्र 2	: सराय जोधराय में वार्षिक औसत अधिकतम और न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस), 1990-2014	6
चित्र 3	: सराय जोधराय में वार्षिक वर्षा (मिमी), 1990- 2014	6
चित्र 4	: सराय जोधराय में परिवारों की आय के प्राथमिक स्रोत	6
चित्र 5	: सराय जोधराय में घरेलू स्तर पर आय का वितरण	7
चित्र 6	: सराय जोधराय में राशन कार्ड वाले परिवार	7
चित्र 7	: सराय जोधराय में विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में संलग्न महिलाओं की संख्या	7
चित्र 8	: सराय जोधराय में सकल फसल क्षेत्र का फसल-वार वितरण	8
चित्र 9	: 2023 में सराय जोधराय में विभिन्न गतिविधियों का कार्बन फुटप्रिंट	10
चित्र 10	: 2023 में सराय जोधराय के कार्बन फुटप्रिंट में क्षेत्रों की हिस्सेदारी	10

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले की सराय जोधराय ग्राम पंचायत मध्य मैदानी कृषि-जलवायु क्षेत्र में स्थित है। सराय जोधराय की क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना ग्राम पंचायत (जीपी) स्तर पर जलवायु गतिविधियों/ प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने और पंचायत को वर्ष 2035 तक क्लाइमेट स्मार्ट बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। यह कार्ययोजना ग्राम पंचायत को विशिष्ट दिशा प्रदान करती है जिससे पंचायत में लचीलापन लाने, अनुकूलन क्षमता को बढ़ाने, कमजोरियों और संबंधित जोखिमों को कम करने के साथ-साथ ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, अतिरिक्त राजस्व सृजन, समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास, बेहतर स्वास्थ्य और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे अन्य सह-लाभ प्राप्त कर पाएगी।

उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, द्वारा तैयार क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत के कार्ययोजनाओं के विकास के उद्देश्य से तैयार किए गए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के मसौदे को अपनाकर इस कार्ययोजना को तैयार किया गया है। सराय जोधराय के लिए क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना (सीएसजीपीएपी) इस तरह से तैयार की गई है कि इसे सराय जोधराय की मौजूदा ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) के साथ आसानी से और प्रभावी ढंग से एकीकृत किया जा सकता है।

इस कार्ययोजना में प्रमुख जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक पहलुओं, मध्य मैदानी कृषि-जलवायु क्षेत्र से संबंधित प्रमुख मुद्दों, जलवायु परिवर्तनशीलता, ग्राम पंचायत के कार्बन फुटप्रिंट विश्लेषण और प्राकृतिक संसाधनों की वर्तमान स्थिति को सम्मिलित किया गया है। कार्ययोजना में क्षेत्रीय सर्वेक्षण, समूह केंद्रित चर्चाओं, संबंधित सरकारी विभागों और एजेंसियों के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों तथा सराय जोधराय ग्राम पंचायत के समुदाय के सदस्यों के सुझावों को भी सम्मिलित किया गया है। इससे आधार रेखा बनाने और सराय जोधराय ग्राम

दृष्टिकोण

प्राथमिक सर्वेक्षण उपकरण का विकास

सर्वेक्षण और प्राथमिक आंकड़े एकत्र करना: पंचायत में सर्वेक्षण का कार्य ग्राम प्रधान और समुदाय के सदस्यों के सहयोग से किया गया। ग्रामीण सहभागी आंकलन की गतिविधियों यथा समूह केंद्रित चर्चा, गाँव का भ्रमण (ट्रांसेक्ट वॉक), सामाजिक तथा संसाधन मानचित्रण आदि की सहायता एवं निवासियों और समुदाय के सदस्यों के सहयोग से आंकड़ें एकत्र किए गए।

आंकड़ों का विश्लेषण और योजना तैयार करना:

- ग्राम पंचायत की रूपरेखा तैयार करना: सर्वेक्षण प्रश्नावली पर प्राप्त जानकारी के आधार पर एक विस्तृत ग्राम पंचायत की रूपरेखा विकसित की गई। इस रूपरेखा में जनसांख्यिकी, जलवायु परिवर्तनशीलता, प्रमुख आर्थिक गतिविधियाँ, प्राकृतिक संसाधन और सराय जोधराय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी सम्मिलित है।
- मुख्य मुद्दों की पहचान: सर्वेक्षण प्रश्नावली और खतरा, जोखिम, नाजुकता और क्षमता विश्लेषण में प्राप्त जानकारी के माध्यम से प्रमुख जलवायु, विकासात्मक और पर्यावरणीय मुद्दों की एक विस्तृत सूची की पहचान की गई।
- अनुमानित कार्बन फुटप्रिंट: सराय जोधराय में प्रमुख गतिविधियों* के लिए कार्बन फुटप्रिंट का अनुमान लगाया गया था।
- प्रस्तावित संस्तुतियाँ: चिह्नित पर्यावरणीय और जलवायु मुद्दों के आधार पर सराय जोधराय के लिए अनुशंसाएं तैयार की गईं। इन अनुशंसाओं में मध्य मैदानी क्षेत्र की प्रचलित कृषि-जलवायु विशेषताओं को भी ध्यान में रखा गया है। इसके अतिरिक्त, सराय जोधराय की क्षेत्रवार अनुकूलन आवश्यकताओं और शमन क्षमता का निर्धारण किया गया है।

कार्ययोजना तैयार किए जाने के दौरान सहभागी दृष्टिकोण अपनाया गया। इससे जलवायु विषय पर कार्य करने के लिए समुदाय की क्षमता में वृद्धि होगी, साथ ही स्थानीय स्तर पर स्वामित्व और जवाबदेही की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

* गतिविधियों में शामिल हैं- आवासीय खाना बनाना, डीजल पंप के उपयोग से उत्पन्न उत्सर्जन, परिवहन, फसल अवशेष जलाना, पशुधन उत्सर्जन, उर्वरक उत्सर्जन, धान की खेती और घरेलू अपशिष्ट जल।

1 ग्राम पंचायत कार्ययोजना में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, शमन एवं खतरा, जोखिम, नाजुकता और क्षमता विश्लेषण (एचआरवीसीए) के पहलू सम्मिलित हैं।

पंचायत के प्रमुख मुद्दों की पहचान करने में सहयता मिली है।

जैसा कि क्षेत्रीय सर्वेक्षणों के दौरान यह बताया गया है कि इस ग्राम पंचायत में 2 राजस्व गांव और 9 मजरे और 366 परिवार हैं, जिनकी कुल आबादी 2,107² है। ग्राम पंचायत की मुख्य आर्थिक गतिविधियाँ पशुपालन और कृषि है। आधारभूत मूल्यांकन से पता चलता है कि सराय जोधराय ग्राम पंचायत का कार्बन फुटप्रिंट ~1,022 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (tCO₂e) है।

ग्राम पंचायत सराय जोधराय में तत्काल कार्यवाही हेतु पहचाने गए कुछ प्राथमिकता वाले क्षेत्र निम्न हैं:

- सुरक्षित पेयजल तक समुदाय की पहुंच में सुधार के लिए जल निकायों का कार्याकल्प और सुधार
- जलजमाव को रोकने के लिए जल निकासी व्यवस्था और सड़क के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना
- स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए कुशल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का विकास करना
- सूक्ष्म सिंचाई, कृषि वानिकी और प्राकृतिक कृषि तकनीकों जैसी सतत गतिविधियों को अपनाकर कृषि क्षेत्र को मजबूत करना
- परिवहन क्षेत्र और खाना पकाने के लिए जीवाश्म ईंधनों और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देना
- नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) और ऊर्जा दक्षता समाधानों का उपयोग करना जैसे की सोलर रूफटॉप पर सोलर ऊर्जा से चलने वाले पंप और घरों एवं सार्वजनिक उपयोगिताओं में ऊर्जा कुशल फिक्सचर आदि

संवेदनशील क्षेत्रों, समूह केन्द्रित चर्चाओं और क्षेत्र सर्वेक्षणों से उभरने वाले मुद्दों और ग्राम पंचायत में चल रही गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए, गतिविधियां प्रस्तावित की गई हैं। गतिविधियों में जल, कृषि, स्वच्छ ऊर्जा, हरित स्थानों को बढ़ाना, सतत अपशिष्ट प्रबंधन, उन्नत गतिशीलता और आजीविका और हरित उद्यमशीलता के विषयगत क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया है।

इन संस्तुतियों के अंतर्गत गतिविधियों को 3 चरणों में विभाजित किया गया है- चरण I (2024-27), चरण II (2027-30) और चरण III (2030-35)। चरणबद्ध लक्ष्यों को ग्राम पंचायतों के विवेक के अनुसार वार्षिक लक्ष्यों में वितरित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, चरणबद्ध लक्ष्य, संभावित लागत, केंद्रीय और राज्य योजनाओं का समर्थन करने के साथ-साथ सुझाई गई गतिविधियों के लिए वित्तपोषण के रास्ते भी बताए गए हैं।

सराय जोधराय के लिए क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना (सीएसजीपीएपी) इस तरह से तैयार की गई है कि इसे ग्राम पंचायत सराय जोधराय की मौजूदा ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) के साथ आसानी से और प्रभावी ढंग से एकीकृत किया जा सकता है।

क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना (सीएसजीपीएपी) निम्नलिखित द्वारा सराय जोधराय जीपीडीपी को पूरक और संपूरित करेगा:

- जलवायु परिपेक्ष के साथ मौजूदा विकास पहलों और गतिविधियों को व्यापक आधार देना।
- जीपीडीपी में प्रस्तावित विकास गतिविधियों के साथ जलवायु परिवर्तन पर चल रहे राष्ट्रीय और राज्य कार्यक्रमों का समन्वय करना।

इस कार्ययोजना में हस्तक्षेप और वार्षिक लक्ष्यों को सराय जोधराय की ग्राम पंचायत विकास योजना की योजनाबद्ध गतिविधियों के साथ जोड़ते हुए लागू किया जा सकता है। जीपीडीपी के अंतर्गत कुछ कार्यक्रमों के लिए निर्धारित मौजूदा आवंटित बजट का उपयोग इस योजना में प्रस्तावित जलवायु अनुकूलन और शमन गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) जैसी योजनाओं के माध्यम से किए गए जल निकाय कार्याकल्प से जलवायु परिवर्तन अनुकूलन लाभ भी होंगे। इसी प्रकार, ग्यारहवीं अनुसूची (जीपीडीपी के आधार) के 'गैर-पारंपरिक ऊर्जा' विषय के अंतर्गत निर्धारित धनराशि का उपयोग नवीकरणीय ऊर्जा तैनाती को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

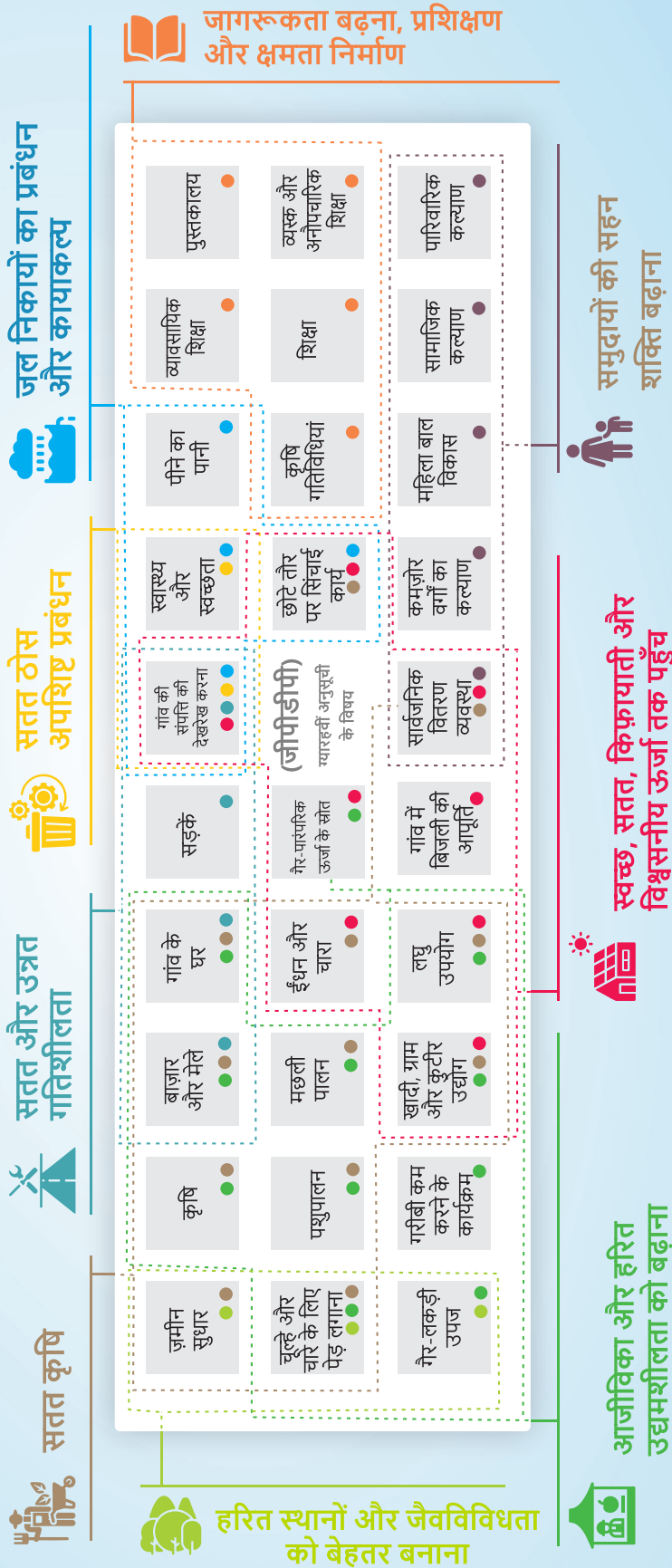
इस योजना के क्रियान्वयन के माध्यम से प्रति वर्ष 2,319 टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष (tCO₂e) से अधिक उत्सर्जन कम होने का अनुमान है और अगले 20-25 वर्षों में पृथक्करण क्षमता 1,05,600 tCO₂ तक बढ़ सकती है। तीन चरणों में इस योजना के क्रियान्वयन के लिए अनुमानित कुल लागत लगभग ₹24 करोड़ (11 वर्षों के लिए) है, जिसमें सामुदायिक निवेश, सार्वजनिक वित्त, निजी वित्त और संभावित कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंडिंग सम्मिलित है। इसमें से, आवश्यक धनराशि का 30-35 प्रतिशत (लगभग ₹8.7 करोड़) केंद्रीय और राज्य योजनाओं/मिशन/कार्यक्रमों से प्राप्त किया जा सकता है, जबकि शेष लागत सीएसआर और निजी फंड से प्राप्त की जा सकती है। उत्तर प्रदेश सरकार ने संभावित रूप से सीएसआर को सम्मिलित करने और निजी वित्त जुटाने के लिए 'पंचायत-निजी-भागीदारी' का एक अभिनव दृष्टिकोण अपनाया है।

वर्ष 2035 तक क्लाइमेट स्मार्ट और सतत ग्राम पंचायत

जलवायु संबंधी गतिविधियों को विकास कार्यों में शामिल करना













क्लाइमेट स्मार्ट गतिविधियाँ



सराय जोधराय

सराय जोधराय ग्राम पंचायत एक नज़र में†

	स्थान	बहरिया ब्लॉक, जिला प्रयागराज
	कुल क्षेत्रफल³	184.01 हेक्टेयर
	संयोजन	2 राजस्व गांव 9 मजरे
	कुल जनसंख्या⁴	2,017
	पुरुषों की संख्या	1,021
	महिलाओं की संख्या	996
	कुल परिवार⁵	366
पंचायत अवसंरचना		
	4-(पंचायत भवन, प्राथमिक विद्यालय, सामुदायिक भवन और सामान्य सेवा केंद्र)	
भूमि उपयोग⁶		
	कृषि भूमि - 135.9 हेक्टेयर	
	सार्वजनिक भूमि - 14.6 हेक्टेयर	
	अन्य भूमि - 33.5 हेक्टेयर (बस्तियाँ और जल निकाय)	

**प्राथमिक आर्थिक गतिविधि**

पशुपालन एवं कृषि

**जल संसाधन:**

24 तालाब, 38 कुएँ और 1 नहर

कृषि-जलवायु क्षेत्र⁷

- मध्य मैदानी
- जलवायु परिस्थितियाँ: गर्म ग्रीष्मकाल, ठंडी सर्दियाँ, और मध्यम वर्षा
- अधिकतम तापमान: 45 °C
- न्यूनतम तापमान: 5.5 °C
- वार्षिक वर्षा: 863 मिमी
- मिट्टी का प्रकार: जलोढ़, पीएच सामान्य से थोड़ा क्षारीय और मध्यम मात्रा में कार्बनिक पदार्थ जो गेहूँ और सब्जियों की फसलों के लिए उपयुक्त है

**जिले की समग्र संवेदनशीलता⁸**

निम्न

जिले की क्षेत्रीय संवेदनशीलता

- जल संवेदनशीलता: अधिक
- ऊर्जा संवेदनशीलता: मध्यम
- स्वास्थ्य संवेदनशीलता: मध्यम
- कृषि संवेदनशीलता: मध्यम
- आपदा प्रबंधन संवेदनशीलता: निम्न
- वन संवेदनशीलता: निम्न

† योजना की तैयारी के लिए किए गए फील्ड सर्वेक्षण से आंकड़ें (सितम्बर, 2024)

3 भुवन से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जीपी का क्षेत्रफल 1.03 वर्ग किमी है। <https://bhuvanpanchayat.nrsc.gov.in/index.html> पर उपलब्ध है

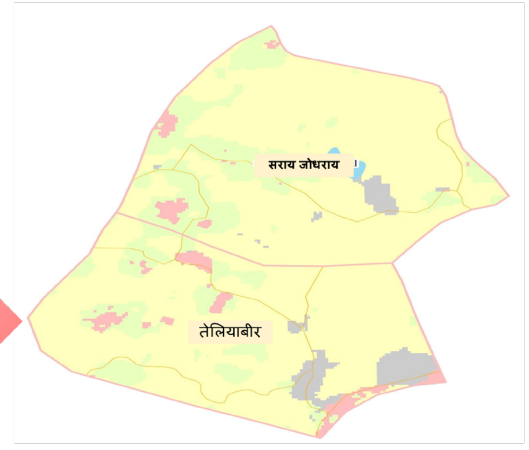
4 जनगणना 2011 आंकड़ों के अनुसार: कुल जनसंख्या- 1,250; पुरुष- 626; महिला- 624

5 330 पक्के घर और 36 कच्चे घर (क्षेत्रीय सर्वेक्षण)

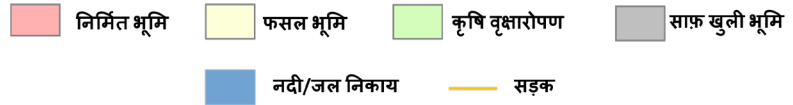
6 ग्राम प्रधान से प्राप्त जानकारी के अनुसार

7 उत्तर प्रदेश कृषि विभाग

8 उत्तर प्रदेश SAPCC 2.0



सराय जोधराय ग्राम पंचायत बहरिया ब्लॉक प्रयागराज जिला उत्तर प्रदेश राज्य



स्रोत: स्पेस बेसड इनफार्मेशन सपोर्ट फॉर डिसेंट्रलाइज्ड प्लानिंग
<https://bhuvan-panchayat3.rsc.gov.in/>

चित्र 1: सराय जोधराय ग्राम पंचायत, प्रयागराज ज़िले का भूमि-उपयोग मानचित्र

जलवायु परिवर्तनशीलता प्रोफ़ाइल

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)⁹ से प्राप्त जलवायु परिवर्तनशीलता आंकड़ों (तापमान और वर्षा) के अनुसार वर्ष 1990 की तुलना में वर्ष 2014 में वार्षिक औसत न्यूनतम तापमान में 0.14°C की वृद्धि हुई (चित्र 2)। उसी समय सीमा के दौरान, वार्षिक वर्षा में कमी प्रवृत्ति दिखाई देती है (चित्र 3 देखें)। हालाँकि, आईएमडी डेटा पंचायत स्तर पर तापमान परिवर्तनशीलता को सम्मिलित नहीं करते हैं और इसके अतिरिक्त, ऐसे दिन भी हैं जिनके लिए आंकड़ें उपलब्ध नहीं थे।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन की एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि 1991 से 2023 के बीच समग्र रूप से एशिया सम्पूर्ण विश्व की भूमि और महासागर के सापेक्ष औसत से अधिक तेजी से गर्म हुआ है और 2010-2020¹⁰ के दशक में दक्षिण एशिया के बड़े हिस्से में गर्म दिनों में स्पष्ट वृद्धि हुई है। इसी तरह के निष्कर्षों की पुष्टि जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी)¹¹ और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार (MoES)¹² के द्वारा भी की गयी है।

इसके अतिरिक्त, क्षेत्र सर्वेक्षण और समूह केन्द्रित चर्चा से मौसम परिवर्तन पर समुदायों की धारणा से पता चलता है कि वर्ष 2010-2020 के दशकों में, ग्राम पंचायत में गर्मी के दिनों की संख्या में औसतन 25 दिनों की वृद्धि देखी है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि बारिश के दिनों की संख्या में भी लगभग 30 दिन की कमी आई है (मानसून की देर से शुरुआत) और इसकी तीव्रता में भी कमी आई है।

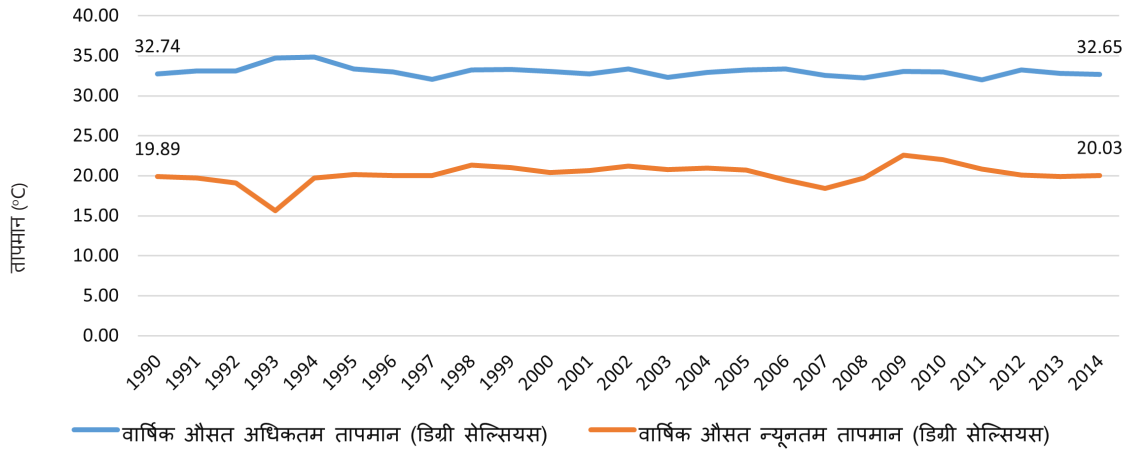
ग्राम पंचायत हेतु किए गए जलवायु परिवर्तनशीलता विश्लेषण में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) आंकड़ों के साथ-साथ ग्राम पंचायत में प्रचलित जलवायु परिवर्तनशीलता के संतुलित दृष्टिकोण को सामने लाने के लिए सामुदायिक धारणा दोनों को ध्यान में रखा गया है।

9 सराय जोधराय ग्राम पंचायत के लिए दैनिक तापमान (अधिकतम और न्यूनतम) और दैनिक वर्षा आंकड़े प्रयागराज के आईएमडी मौसम केंद्र से प्राप्त किए गए हैं

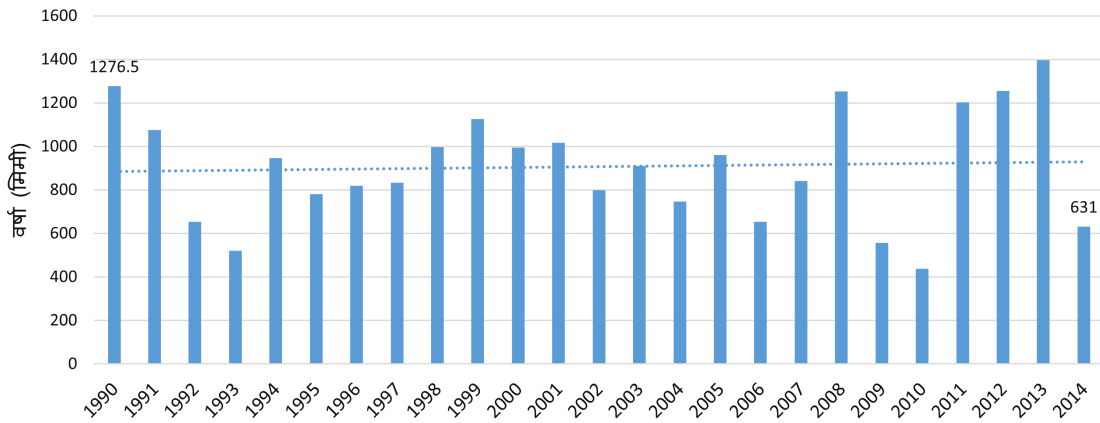
10 एशिया में जलवायु की स्थिति 2023 (wmo.int)

11 AR6 संश्लेषण रिपोर्ट: जलवायु परिवर्तन 2023 (ipcc.ch)

12 भारतीय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन का आकलन: पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES), भारत सरकार की एक रिपोर्ट | स्प्रिंगर



चित्र 2: सराय जोधराय में वार्षिक औसत अधिकतम और न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस), 1990-2014

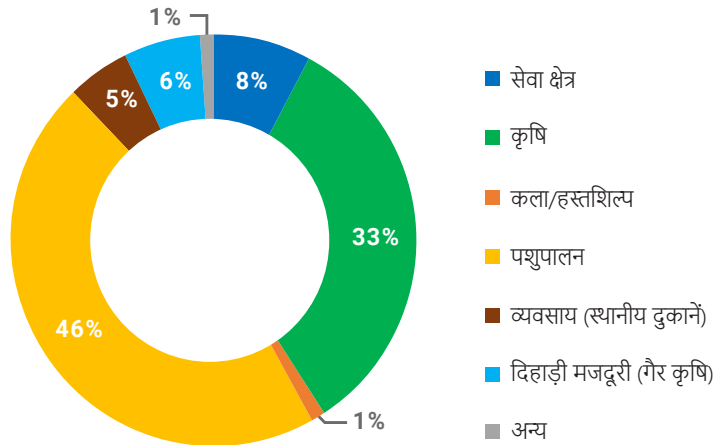


चित्र 3: सराय जोधराय में वार्षिक वर्षा (मिमी), 1990- 2014

प्रमुख आर्थिक गतिविधियाँ

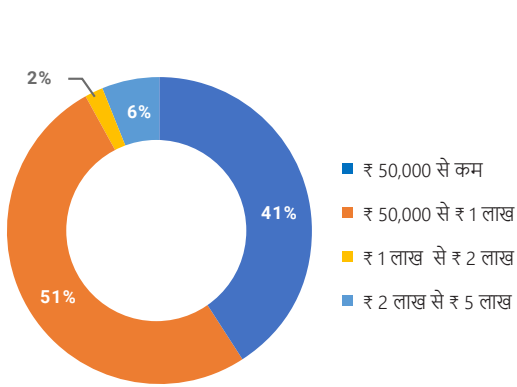
ग्राम पंचायत में अधिकांश परिवार अपनी आजीविका के लिए पशुपालन (46 प्रतिशत) पर निर्भर हैं। इसके बाद कृषि (33 प्रतिशत) और सेवा क्षेत्र (8 प्रतिशत) का स्थान आता है, जैसा कि चित्र 4 में दिखाया गया है।

प्राथमिक सर्वेक्षण से प्राप्त परिवारों की वार्षिक आय के अनुमानों से पता चला है कि 41 प्रतिशत ऐसे परिवार हैं जो प्रति वर्ष ₹50,000 से कम कमाते हैं और 51 प्रतिशत ऐसे परिवार हैं जो ₹50,000 से ₹1 लाख के बीच कमाते हैं। परिवारों का केवल एक छोटा हिस्सा (6 प्रतिशत) ही ₹2 लाख से ₹5 लाख के बीच कमाता है (चित्र 5 देखें)।

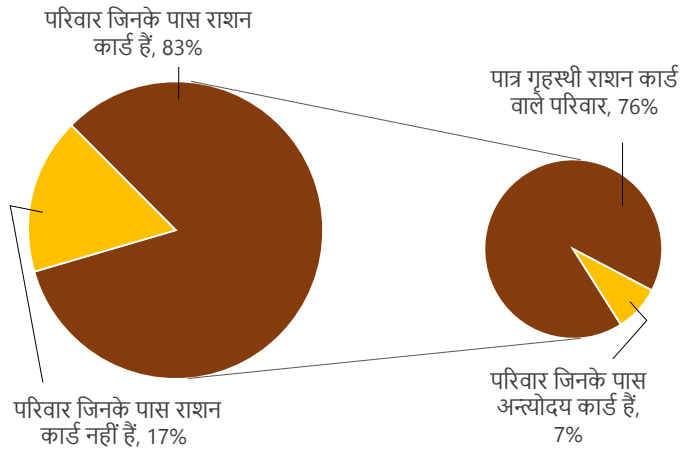


चित्र 4: सराय जोधराय में परिवारों की आय के प्राथमिक स्रोत

सर्वेक्षण के समय, 54 परिवार गरीबी रेखा के नीचे (बीपीएल) थे, जो कि ग्राम पंचायत में कुल घरों का लगभग 14.7 प्रतिशत है। राशन कार्ड के आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 83 प्रतिशत परिवार सार्वजनिक वितरण योजना से लाभ प्राप्त करते हैं, इनमें से 7 प्रतिशत परिवारों के पास अंत्योदय कार्ड¹³ है (चित्र 6 देखें)।



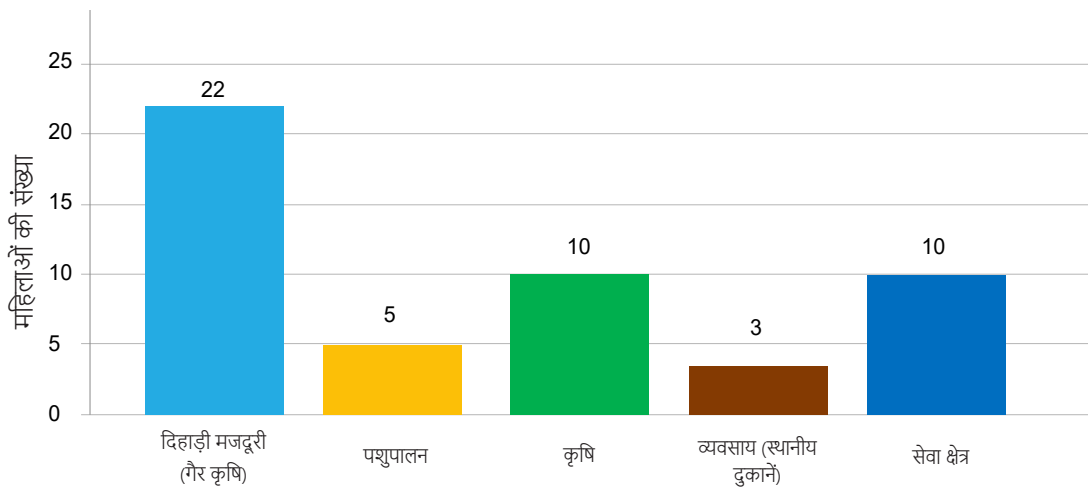
चित्र 5: सराय जोधराय में घरेलू स्तर पर आय का वितरण



चित्र 6: सराय जोधराय में राशन कार्ड वाले परिवार

कार्यरत महिलाएं

सराय जोधराय में लगभग 50 महिलाएँ कामकाजी हैं। वे ज्यादातर गैर-कृषि मजदूरी में सम्मिलित हैं (चित्र 7 देखें)। कुछ महिलाएँ कृषि, पशुपालन और व्यवसाय में भी संलग्न हैं। यहाँ 50 ऐसे परिवार हैं जिनकी मुखिया महिला¹⁴ हैं जो ग्राम पंचायत में कुल परिवारों का 13.6 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, 10 स्वयं सहायता समूह हैं जो पशुपालन में संलग्न हैं।



चित्र 7: सराय जोधराय में विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में संलग्न महिलाओं की संख्या

13 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोर्टल (https://nfsa.gov.in/portal/Ration_Card_State_Portals_AA)

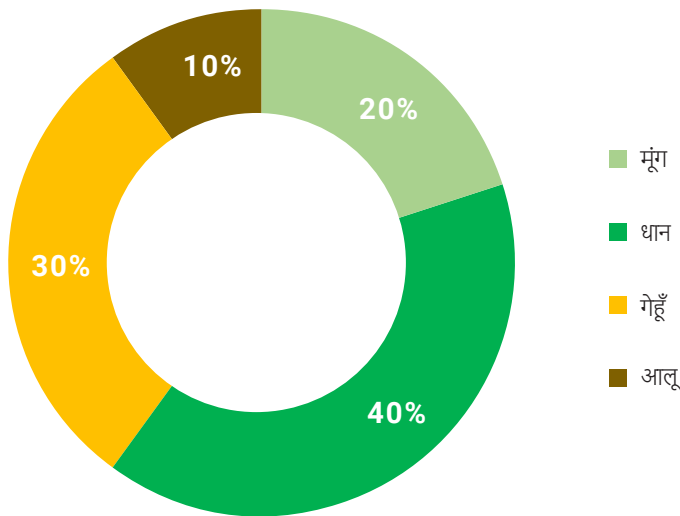
14 महिला मुखिया वाले परिवार वे परिवार हैं जिनमें केवल महिलाएं कामकाजी हैं

कृषि

ग्राम पंचायत में 33 प्रतिशत परिवार अपनी आय के लिए कृषि पर निर्भर हैं, जैसा कि चित्र 4 में देखा गया है। सराय जोधराय में शुद्ध बोया गया क्षेत्र 135.9 हेक्टेयर है जबकि सकल फसल क्षेत्र 202.2 हेक्टेयर¹⁵ है। चित्र 8 में ग्राम पंचायत में सकल फसल क्षेत्र का फसलवार वितरण दिया गया है। उगाई जाने वाली प्रमुख खरीफ फसलें धान (~6,000 किंटल) और मूंग (~4,800 किंटल) हैं। रबी की प्रमुख फसलें गेहूं (~4,800 किंटल) और आलू (~300 किंटल) हैं।

सिंचाई के मुख्य स्रोतों में वर्षा जल, भूजल और तालाब सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त, सिंचाई के लिए 12 इलेक्ट्रिक पंप और 4 डीजल पंप का उपयोग किया जाता है।

ग्राम पंचायत की लगभग 46 प्रतिशत आबादी पशुपालन में सम्मिलित है। ग्राम पंचायत में कुल पशुधन आबादी 420 (80 गाय, 168 भैंस, 172 बकरियां) और 32 मुर्गियां हैं।



चित्र 8: सराय जोधराय में सकल फसल क्षेत्र का फसल-वार वितरण

प्राकृतिक संसाधन

सराय जोधराय में 24 तालाब, 38 कुएं और एक नहर है। ग्राम पंचायत में 14.6 हेक्टेयर सार्वजनिक भूमि और 5 निजी बाग हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के माध्यम से लगभग 4.04 हेक्टेयर पर अमृत वाटिका बनाई गई है। अमृत वाटिका में लगाए गए पेड़ों में नीम, सफेदा, अशोक और अमरूद हैं, जिनकी जीवित रहने की दर 10 प्रतिशत है। अमृत महाउत्सव¹⁶ और एक पेड़ माँ के नाम¹⁷ जैसी अन्य पहलों में शीशम, सागवान, नीम और महुआ जैसे पेड़ भी लगाए गए हैं, क्षेत्र सर्वेक्षण के अनुसार जिनकी जीवित रहने की दर 20 प्रतिशत है।

15 ग्राम प्रधान के साथ कई दौर की चर्चाओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार

16 उत्तर प्रदेश में 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी ग्राम पंचायतों में वृक्षारोपण कार्य किया गया

17 भूमि के नुकसान को रोकने और नष्ट हुई भूमि के पुनर्निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से MoEFCC द्वारा देशभर में वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया

सराय जोधराय में सुविधाएं

बिजली तथा रसोई गैस (एलपीजी)

- बिजली कनेक्शन- 79% परिवार
- रसोई गैस कनेक्शन- 67% परिवार



पेयजल

- घरेलू उपयोग और ग्राम पंचायत स्तर की आपूर्ति के लिए पानी का मुख्य स्रोत-भूजल
- 3 इंडिया मार्क हैंडपंप



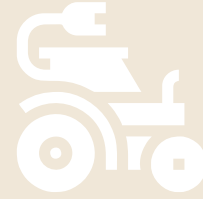
अपशिष्ट

- खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) पंचायत का दर्जा हासिल¹⁸
- घरेलू शौचालय कवरेज¹⁹ : ~46%
- सामुदायिक शौचालय (पंचायत भवन के पास)



आवागमन और बाज़ार तक पहुंच

- राज्य राजमार्ग (एनएच 96): 10 किमी
- रेलवे स्टेशन: 10 किमी
- बस स्टॉप: 4 किमी
- डाकघर: 4 किमी
- बैंक: 4 किमी
- कृषि बाजार: 15 किमी



शैक्षिक संस्थान

- प्राथमिक विद्यालय

स्वास्थ्य संस्थान

- 2 आंगनवाड़ी केंद्र

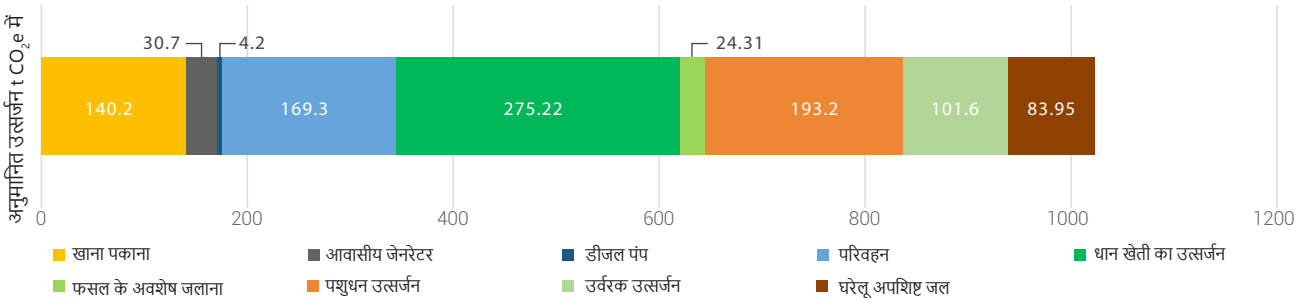
¹⁸ <https://sbm.gov.in/sbmgdashboard/StatesDashboard.aspx>

¹⁹ क्षेत्र सर्वेक्षण के अनुसार

हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों से कार्बन फुटप्रिंट (दूसरे शब्दों में, ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन) महत्वपूर्ण नहीं है, यह अभ्यास ग्राम पंचायत की पूरी आधारभूत रूपरेखा विकसित करने के लिए किया गया है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इस कार्ययोजना का उद्देश्य कार्बन न्यूट्रल ग्राम पंचायत नहीं, अपितु क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकसित करना है। हालाँकि, संस्तुतियों में उत्सर्जन में कमी के लाभ को सम्मिलित किया गया है जो कहीं न कहीं ग्राम पंचायत को कार्बन न्यूट्रल या हवा में कार्बन से होने वाले प्रदूषण को लगभग समाप्त करने में मदद करेंगे। इस बात को ध्यान में रखते हुए, इस अभ्यास में इसलिए ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) अनुमान सम्मिलित नहीं किये गए हैं।

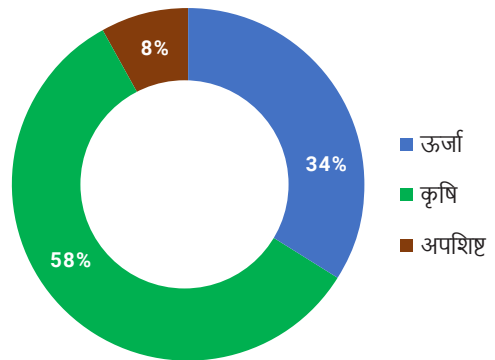
इसके अतिरिक्त, कार्बन फुटप्रिंट LIFE मिशन के सिद्धांतों के अनुरूप सतत विकास सुनिश्चित करने हेतु संस्तुतियाँ प्रदान करने में भी सहायता करता है। कुल मिलाकर, 2023 में, सराय जोधराय ग्राम पंचायत ने कई तरह की गतिविधियों से लगभग 1,022 टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष (tCO₂e) उत्सर्जित किया है (चित्र 9 देखें)।

ऊर्जा, कृषि और अपशिष्ट क्षेत्रों में घटित गतिविधियों का सराय जोधराय ग्राम पंचायत के कार्बन फुटप्रिंट में मुख्य योगदान दिया है। ऊर्जा क्षेत्र के उत्सर्जन में खाना पकाने के लिए ईंधन की लकड़ी और रसोई गैस (एलपीजी) के उपयोग, बिजली बैकअप के लिए जनरेटर का उपयोग और परिवहन के विभिन्न साधनों में जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल/डीजल) के उपयोग के कारण होता है। कृषि क्षेत्र के उत्सर्जन में धान की खेती, कृषि क्षेत्रों में उर्वरक का उपयोग, पशुधन और खाद प्रबंधन और फसल अवशेष जलाने के कारण होने वाले उत्सर्जन सम्मिलित हैं। घरेलू अपशिष्ट जल के कारण होने वाले उत्सर्जन को अपशिष्ट क्षेत्र में सम्मिलित किया गया है।



चित्र 9: 2023 में सराय जोधराय में विभिन्न गतिविधियों का कार्बन फुटप्रिंट

कृषि क्षेत्र में कुल उत्सर्जन में 58 प्रतिशत का योगदान है। इस क्षेत्र में धान की खेती से उत्सर्जन (~275 tCO₂e) सबसे बड़ा योगदानकर्ता है, इसके बाद पशुधन उत्सर्जन (~193 tCO₂e) और उर्वरक उत्सर्जन (~102 tCO₂e) का स्थान है। सराय जोधराय के कुल उत्सर्जन में ऊर्जा क्षेत्र का हिस्सा 34 प्रतिशत है। ऊर्जा क्षेत्र में परिवहन मुख्य उत्सर्जक (~169 tCO₂e) है, इसके बाद आवासीय खाना पकाने (~140 tCO₂e) का स्थान है। कुल उत्सर्जन में अपशिष्ट क्षेत्र की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत है (चित्र 10 देखें)।



चित्र 10: 2023 में सराय जोधराय के कार्बन फुटप्रिंट में क्षेत्रों की हिस्सेदारी

ग्राम पंचायत के व्यापक मुद्दों की पहचान ग्राम पंचायत के एकत्र किए आंकड़ों और पंचायत की एक बेसलाइन तैयार करने के लिए आंकड़ों के किए गए विश्लेषण, कृषि-जलवायु क्षेत्र की अंतर्निहित विशेषताओं, जिसमें ग्राम पंचायत स्थित है, के साथ-साथ क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान समुदाय के सदस्यों से प्राप्त जानकारी और समूह केन्द्रित चर्चा के आधार पर की गयी है। जहां भी संभव हो सका है, इस जानकारी की पुष्टि उपलब्ध सरकारी आंकड़ों/स्रोतों से की गई है। हालाँकि, कुछ मुद्दे पूरी तरह से समुदाय की जानकारी पर आधारित हैं क्योंकि इनके लिए ग्राम पंचायत स्तर के आंकड़ें पुष्टि के लिए उपलब्ध नहीं थे। ग्राम पंचायत में पहचाने गए मुद्दों का सारांश नीचे दिया गया है। इसके अतिरिक्त, विस्तृत मुद्दे एवं गतिविधियां अनुभाग के संबंधित विषयों में सूचीबद्ध हैं।

व्यापक मुद्दे:

- जल निकासी बुनियादी ढांचे के सीमित और रखरखाव की कमी कारण जलजमाव की समस्या
- जल निकायों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का अपर्याप्त रखरखाव
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता की कमी के कारण बिमारियों का फैलना
- मौसमी अवधि में बदलाव और अप्रत्याशित वर्षा कुछ फसलों की बुवाई और कटाई के समय को प्रभावित कर रही है, जिससे सिंचाई की ज़रूरतें भी बढ़ रही हैं
- आवासीय खाना पकाना और परिवहन ज़रूरतों को पूरा करने के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता
- जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में जागरूकता की कमी
- स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन पर केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता का अभाव

प्रत्येक विषयगत मुद्दे में कई संस्तुतियों को शामिल किया गया है, जिसमें शमन और अनुकूलन दोनों पर ध्यान केंद्रित किया गया है जो पिछले अनुभाग में पहचाने गए प्रमुख मुद्दों को संबोधित करते हैं। संस्तुतियों को चरणबद्ध लक्ष्यों और **लागत अनुमानों**²⁰ (जहाँ तक संभव हो) के साथ वर्णित किया गया है। लक्ष्यों को तीन चरणों में बांटा गया है: चरण - I (2024-25 से 2026-27); चरण - II (2027-28 से 2029-30); और चरण - III (2030-31 से 2034-35)।

प्रत्येक चरण के अंतर्गत लक्ष्यों का प्रभावी और निगरानीपूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए वार्षिक लक्ष्यों (वर्ष-दर-वर्ष लक्ष्य) में विभाजित किया जा सकता है। साल-दर-साल लक्ष्य विकसित करने के प्रारूप को 'क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना के विकास के लिए मानक संचालन प्रक्रिया' दस्तावेज़ से संदर्भ लेते हुए तैयार किया जा सकता है। मानक संचालन प्रक्रिया एक चरण-दर-चरण दृष्टिकोण है जिसका उपयोग ग्राम प्रधानों, समुदाय के सदस्यों या किसी अन्य हितधारक द्वारा अपने संबंधित ग्राम पंचायतों हेतु क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्य योजना विकसित करने के लिए किया जा सकता है।

पहचाने गए वित्तपोषण के तरीकों में केंद्रीय या राज्य योजनाएं, ग्राम पंचायत की विभिन्न टाइड और अनटाइड निधि या कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) हस्तक्षेप के माध्यम से निजी वित्त की पहचान की गई है। विस्तृत सुझाव निम्नलिखित अनुभाग में हैं।

कार्ययोजना में सुझाव निम्नलिखित विषयों पर आधारित हैं:

1. जल निकायों का प्रबंधन और कायाकल्प
2. सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
3. सतत कृषि
4. हरित स्थानों और जैवविविधता को बढ़ाना
5. स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुँच
6. सतत और उन्नत गतिशीलता
7. आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना

इसके अतिरिक्त, संस्तुतियों का हिस्सा न बनाते हुए, पंचायतों द्वारा विचार के लिए संभावित पहलों/प्रयासों/नवाचरों की एक सूची भी सूचीबद्ध की गई है। इन पहलों/प्रयासों/नवाचरों को भारत के कुछ हिस्सों में ग्राम पंचायतों द्वारा सफलतापूर्वक लागू किया गया है और इन्हें यहां दोहराया भी जा सकता है। हालाँकि, ये पहल/प्रयास/नवाचार उत्तर प्रदेश सरकार की वर्तमान में संचालित किसी भी योजना/कार्यक्रम में शामिल नहीं हैं, इसलिए इन पहलों/प्रयासों/नवाचरों के लिए धन का वहन समुदायों द्वारा या सीएसआर और निजी स्रोतों की खोज से किया जाएगा। इस कारण से इन्हें मुख्य सुझावों/संस्तुतियों में सम्मिलित नहीं किया गया है।

20 लागत का अनुमान निम्नलिखित के आधार पर लगाया गया है, जैसे: ग्राम पंचायत के मुख्य सदस्यों से प्राप्त जानकारीयां, या प्रासंगिक योजनाओं और नीतियों के अनुसार अनुमानित लागत, या आवश्यक आदानों की प्रति इकाई की अनुमानित लागत या विभिन्न विभागों की दरों की अनुसूची।



1. जल निकायों का प्रबंधन और कायाकल्प

संदर्भ एवं मुद्दे²¹

- सराय जोधराय ग्राम पंचायत मुख्य रूप से कृषि और घरेलू दोनों तरह की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जल के प्राथमिक स्रोत के रूप में भूजल पर निर्भर है।
- ग्राम पंचायत ने वर्ष 2023 और 2021 में जून से जुलाई के दौरान सूखे जैसी स्थिति का अनुभव किया है, इसलिए सराय जोधराय वाटरशेड प्रबंधन बढ़ाने की आवश्यकता है।
- ग्राम पंचायत में जलजमाव एक प्रमुख चिंता का विषय है। पिछले पाँच वर्षों (2018-2023) में, विशेष रूप से मानसून के मौसम के दौरान, सराय जोधराय में जलजमाव की समस्या का सामना करना पड़ा। जलजमाव के कारण कनेक्टिविटी प्रभावित होती है, अपशिष्ट फैलता है, स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं पैदा होती हैं, पीने का पानी प्रदूषित होता और कृषि पर भी प्रभाव पड़ता है।
- ग्राम पंचायत सराय जोधराय में जल निकासी प्रणाली अपर्याप्त है, जिसमें पहले से निर्मित कई नालियाँ कचरे और गाद से भरी हुई हैं। क्षेत्र सर्वेक्षण के अनुसार ग्राम पंचायत के कुछ क्षेत्रों में नालियाँ नहीं हैं।
- ग्राम पंचायत में कुल 24 तालाब हैं, लेकिन उनका उचित रखरखाव नहीं किया जाता है। मानसून में कुछ तालाबों में अत्यधिक पानी भर जाने से जलजमाव की स्थिति बढ़ जाती है।
- ग्राम पंचायत में कुल 38 कुएँ हैं, लेकिन इनमें से 26 का उपयोग नहीं किया जा सकता क्योंकि उनमें सिल्ट, मलबा और कचरा इकट्ठा हो गया है।
- ग्राम पंचायत में पेयजल की आपूर्ति और अन्य घरेलू जरूरतों के लिए 250 हैडपंप हैं (जिनमें से 3 इंडिया मार्क हैडपंप हैं)। कुछ हैडपंप के आसपास जलजमाव होने के कारण पानी प्रदूषित हो जाता है। इसके अतिरिक्त, इनमें से कुछ हैडपंप गर्मियों के दौरान सूख जाते हैं, जिससे पानी की कमी हो जाती है।²²

भूजल पर निर्भरता और पिछले पांच वर्षों में जलजमाव और सूखे की लगातार घटनाएं घटित होने से जल संरक्षण और भूजल संसाधनों को पुनः भरने के लिए वाटरशेड प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता है। ग्राम पंचायत सराय जोधराय में संवेदनशीलता को कम करने, लचीलापन बनाने और जल सुरक्षा में सुधार करने हेतु निम्नलिखित संस्तुतियां प्रस्तावित हैं।

21 क्षेत्र सर्वेक्षण और समूह केंद्रित चर्चा से प्राप्त जानकारी और प्रासंगिक स्रोतों द्वारा पुष्टि के अनुसार

22 क्षेत्र सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी के अनुसार



वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) संरचनाओं को बढ़ावा देना

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> सभी सरकारी भवनों/पंचायती राज संस्थान (पीआरआई) भवनों में आरडब्ल्यूएच संरचनाओं की स्थापना सभी नए भवनों में आरडब्ल्यूएच प्रणाली को सम्मिलित करना 	<ol style="list-style-type: none"> 1,000 से 1,500 वर्ग फीट के पक्के घरों में आरडब्ल्यूएच संरचनाओं की स्थापना सभी नए भवनों में आरडब्ल्यूएच प्रणाली को सम्मिलित करना 	<ol style="list-style-type: none"> 1,000 से 1,500 वर्ग फीट के पक्के घरों में आरडब्ल्यूएच संरचनाओं की स्थापना सभी नए भवनों में आरडब्ल्यूएच प्रणाली को सम्मिलित करना
लक्ष्य	सरकारी भवनों में 4 आरडब्ल्यूएच संरचनाओं की स्थापना - पंचायत भवन, प्राथमिक विद्यालय, सामुदायिक भवन और सामान्य सेवा केंद्र	21 पक्के घरों में 10 m ³ की औसत भंडारण क्षमता वाली आरडब्ल्यूएच प्रणाली स्थापित करना	75 पक्के घरों में 10 m ³ की औसत भंडारण क्षमता वाली आरडब्ल्यूएच प्रणाली स्थापित करना
अनुमानित लागत	आरडब्ल्यूएच प्रणाली (10 m ³ क्षमता की 4 आरडब्ल्यूएच संरचनाएं): ₹1,40,000 कुल लागत: ₹1,40,000	आरडब्ल्यूएच प्रणाली: 21 इकाइयों के लिए ₹7,35,000 कुल लागत: ₹7,35,000	आरडब्ल्यूएच प्रणाली: 75 इकाइयों के लिए ₹26,25,000 कुल लागत: ₹26,25,000



जल निकायों का कायाकल्प एवं संरक्षण

चरण

I
2024-25 से 2026-27

II
2027-28 से 2029-30

III
2030-31 से 2034-35

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

1. तालाबों की सफाई
2. कुओं की सफाई और मरम्मत
3. हैंडपंपों के लिए ऊंचे प्लेटफॉर्म का निर्माण
4. भूजल प्रबंधन के लिए रिचार्ज पिट का निर्माण
5. जल निकायों के आसपास ट्री गार्ड के साथ वृक्षारोपण
6. मौजूदा ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) और निर्माण कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी)²³ की निम्न हेतु क्षमता निर्माण करना:

- » जल संरक्षण में सुधार हेतु विभिन्न प्रमुख सामुदायिक समूहों के बीच जागरूकता बढ़ाना
- » विभिन्न उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु उपलब्ध जल का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ग्राम जल सुरक्षा योजना तैयार करना/अद्यतन करना

1. जल निकायों का नियमित रखरखाव किया जाना
2. जल निकायों के आसपास अतिरिक्त वृक्षारोपण का कार्य
3. उपलब्ध जल का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ग्राम जल सुरक्षा योजना का अद्यतन करना

1. जल निकायों का नियमित रखरखाव किया जाना
2. जल निकायों के आसपास अतिरिक्त वृक्षारोपण
3. उपलब्ध जल का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ग्राम जल सुरक्षा योजना का अद्यतन करना

लक्ष्य

1. 4 तालाबों के आसपास सफाई और बाउंड्री निर्माण
2. 12 कुओं की सफाई और मरम्मत
3. 7 हैंडपंपों के लिए ऊंचे प्लेटफॉर्म का निर्माण
4. 8 पुनर्भरण गड्ढों का निर्माण
5. ट्री गार्ड के साथ 1,000 वृक्षों का रोपण (जल निकायों के आसपास)

1. सभी तालाबों का रखरखाव
2. कुओं और अन्य बुनियादी ढांचे का रखरखाव
3. आवश्यकतानुसार अधिक पुनर्भरण गड्ढों का निर्माण
4. जल निकायों के आसपास ट्री गार्ड के साथ अतिरिक्त 1,000 वृक्षों का रोपण

1. सभी तालाबों का रखरखाव
2. कुओं और अन्य बुनियादी ढांचे का रखरखाव

23 वीडब्ल्यूएससी हैंडबुक, <https://phed.cg.gov.in/sites/default/files/gphandbook-0.pdf>

अनुमानित लागत²⁴

<ol style="list-style-type: none"> 1. तालाबों का कायाकल्प: ₹95,00,000 2. कुओं की सफाई और मरम्मत कार्य: ₹84,00,000 3. 7 हैंडपंपों के लिए ऊंचे प्लेटफॉर्म का निर्माण: ₹70,000 4. 8 पुनर्भरण गड्ढों का निर्माण: ₹2,00,000 5. जल निकायों के आसपास वृक्षारोपण: "हरित क्षेत्र और जैवविविधता को बढ़ाना" अनुभाग में सम्मिलित: ₹12,70,000 <p>कुल लागत: ₹1,81,70,000</p>	<ol style="list-style-type: none"> 1. 24 तालाबों के रखरखाव पर लागत: आवश्यकतानुसार 2. जल निकायों के आसपास वृक्षारोपण: "हरित क्षेत्र और जैवविविधता को बढ़ाना अनुभाग में सम्मिलित: ₹12,70,000 	<p>आवश्यकतानुसार</p>
---	--	----------------------



जल निकासी और सीवेज अवसंरचना को बढ़ाना

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> 1. नई नालियों का निर्माण 2. जलजमाव को रोकने के लिए मौजूदा नालियों की सफाई 3. जलजमाव को कम करने के लिए चयनित स्थानों पर साइफन लगाना 	<p>मौजूदा नालियों की नियमित सफाई और रखरखाव किया जाना</p>	<p>सभी बुनियादी ढांचे का नियमित रखरखाव किया जाना</p>
लक्ष्य	<ol style="list-style-type: none"> 1. लगभग 2.9 किलोमीटर नालियों का निर्माण 2. मौजूदा नालियों की सफाई 3. चयनित स्थानों पर साइफन लगाना²⁵ 	<p>मौजूदा बुनियादी ढांचे का नियमित रखरखाव</p>	<p>मौजूदा बुनियादी ढांचे का नियमित रखरखाव</p>

²⁴ एचआरवीसीए के अनुसार लागत

²⁵ स्थान विशेष विवरण के लिए एचआरवीसीए देखें

1. ~2.9 किलोमीटर नालियों का निर्माण: ₹1,01,50,000
 2. मौजूदा नालियों की सफाई: ₹1,50,000
 3. चयनित स्थानों पर साइफन लगाना: ₹14,00,000
- कुल लागत: ₹1,17,00,000

आवश्यकतानुसार

आवश्यकतानुसार

मौजूदा योजनाएं और कार्यक्रम

- जल शक्ति अभियान: 'कैच द रेन' अभियान के माध्यम से उपलब्ध कराए गए प्रावधानों और संसाधनों के माध्यम से वर्षा जल संचयन प्रणालियों का विकास किया जा सकता है।
- सिंचाई विभाग के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य वार्षिक बजट को ग्राम पंचायत स्तर के जल निकाय संरक्षण और जीर्णोद्धार गतिविधियों के लिए उपयोग किया जा सकता है।
- पीएमकेएसवाई के अंतर्गतमनरेगा और वाटरशेड विकास घटक के अंतर्गतवार्षिक बजट का उपयोग वाटरशेड विकास गतिविधियों के लिए किया जा सकता है।
- ग्राम पंचायत स्तर की स्वच्छता गतिविधियों के लिए स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) का लाभ उठाया जा सकता है।

वित्त के अन्य स्रोत

- जल निकायों और कुओं के अनुरक्षण और रखरखाव में योगदान देने के लिए कॉर्पोरेट/सीएसआर को 'जल निकाय को अपनाने' के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा वाटरशेड विकास निधि के माध्यम से वाटरशेड विकास से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सकता है।

प्रमुख विभाग

- ग्राम्य विकास विभाग
- सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
- उत्तर प्रदेश भूमि संसाधन विभाग

²⁶ एचआरवीसीए के अनुसार लागत



2. सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

संदर्भ एवं मुद्दे²⁷

- ग्राम पंचायत में सभी घरेलू गतिविधियों (घरेलू, सार्वजनिक और अर्ध-सार्वजनिक स्थान, तथा वाणिज्यिक क्षेत्र) से उत्पन्न कुल अपशिष्ट²⁸ लगभग ~160 किलोग्राम प्रतिदिन है, जिसमें 94 किलोग्राम प्रतिदिन जैव निम्नीकरणीय/जैविक अपशिष्ट और 67 किलोग्राम प्रतिदिन गैर-जैवनिम्नीकरणीय अपशिष्ट होता है।
- ग्राम पंचायत सराय जोधराय में अपशिष्ट संग्रह, पृथक्करण और प्रभावी अपशिष्ट शोधन प्रणाली की कमी के कारण ग्राम पंचायत के अंदर और बाहर जल निकायों, नालियों और खाली भूखंडों में अपशिष्ट को फेंका जाता है। इसके परिणामस्वरूप जल निकाय प्रदूषित हो जाते हैं और नालियों के जाम होने के कारण जलजमाव की समस्या हो जाती है, जिससे कई स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ़ जाते हैं।
- कृषि और पशु अपशिष्ट की बड़ी मात्रा भी अपशिष्ट प्रबंधन के मुद्दों को बढ़ाती है। ग्राम पंचायत में कुल पशुधन की संख्या 420 (8 गाय, 168 भैंस, 172 बकरियाँ) है और अनुमानित गोबर उत्पादन लगभग 3.3 टन²⁹ प्रतिदिन है जिसे सराय जोधराय में खाद, वर्मीकम्पोस्ट, प्राकृतिक उर्वरक उत्पादन और बायोगैस उत्पादन जैसे हस्तक्षेपों के माध्यम से स्थायी रूप से प्रबंधित किया जा सकता है।
- ग्राम पंचायत में ~46% घरों में व्यक्तिगत शौचालय है। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत में एक सामुदायिक शौचालय भी है।

इस पृष्ठभूमि में, ग्राम पंचायत में 100% ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने के साथ-साथ अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और आजीविका के अवसर पैदा करने के लिए निम्नलिखित समाधान प्रस्तावित हैं।

27 क्षेत्र सर्वेक्षण और समूह केंद्रित चर्चा से प्राप्त जानकारी और प्रासंगिक स्रोतों द्वारा पृष्ठ के अनुसार

28 अनुमान पद्धति के लिए अनुलग्नक IV देखें

29 अनुमानित है कि गायें प्रतिदिन 10 किलोग्राम गोबर, भैंसें प्रतिदिन 15 किलोग्राम गोबर, और बकरियाँ प्रतिदिन 150 ग्राम गोबर पैदा करती हैं



अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की स्थापना

चरण

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

लक्ष्य

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
	<ol style="list-style-type: none"> ग्राम पंचायत-स्तरीय पृथक्करण और भंडारण सुविधा की स्थापना कचरे के संग्रह और परिवहन के लिए किराए पर ली गई इलेक्ट्रिक कचरा संग्रह वैन और कर्मचारी: <ul style="list-style-type: none"> » घरों और सार्वजनिक सुविधाओं से अलग-अलग कचरे का डोर-टू-डोर संग्रह » घरों से ग्राम पंचायत-स्तरीय पृथक्करण सुविधा तक चयनित स्थानों (राशन की दुकानें, बाजार, दुकानें, चाय की दुकानें आदि) पर कूड़ेदानों की स्थापना पंचायत, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), अनौपचारिक कचरा बीनने वालों, स्थानीय स्कैप डीलरों, स्थानीय व्यवसायों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के बीच साझेदारी स्थापित करना 	<ol style="list-style-type: none"> ग्राम पंचायत स्तरीय पृथक्करण और भंडारण सुविधा का रखरखाव मौजूदा कूड़ेदानों का रखरखाव और आवश्यकता के अनुसार नए चयनित स्थानों पर अतिरिक्त कूड़ेदानों की स्थापना ग्राम पंचायत से आगे अन्य गांवों/जिलों तक साझेदारी को बढ़ाना 	<ol style="list-style-type: none"> ग्राम पंचायत स्तर पर पृथक्करण और भंडारण सुविधा का रखरखाव मौजूदा कूड़ेदानों का रखरखाव ग्राम पंचायत से आगे अन्य गांवों/जिलों तक साझेदारी को बढ़ाना
	<ol style="list-style-type: none"> प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले लगभग 161 किलोग्राम कचरे को एकत्रित करने के लिए 1 इलेक्ट्रिक कचरा वैन (क्षमता 310 किलोग्राम) का प्रावधान चयनित स्थानों पर 50 कूड़ेदानों की स्थापना 	<ol style="list-style-type: none"> आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कूड़ेदानों की स्थापना मौजूदा सुविधाओं और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का रखरखाव 	<ol style="list-style-type: none"> आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कूड़ेदानों की स्थापना मौजूदा सुविधाओं और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का रखरखाव

अनुमानित लागत

1. इलेक्ट्रिक कचरा वैन: ₹1,00,000
 2. 50 कूड़ेदान: ₹7,50,000
- कुल लागत: ₹8,50,000

आवश्यकतानुसार

आवश्यकतानुसार



बेहतर स्वच्छता प्रबंधन

चरण

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
	<ol style="list-style-type: none"> 1. दिव्यांग समुदाय के सदस्यों के लिए विशेष शौचालयों का निर्माण किया जाना 2. सामुदायिक शौचालय का निर्माण किया जाना 3. घरेलू शौचालय कवरेज को बढ़ाना 4. सभी नए निर्माणों/घरों में शौचालय का होना सुनिश्चित करना 	<ol style="list-style-type: none"> 1. अधिक सामुदायिक शौचालयों का निर्माण और मौजूदा शौचालय का रखरखाव किया जाना 2. घरेलू शौचालय कवरेज बढ़ाना 3. सभी नए निर्माण/घरों में शौचालय का होना सुनिश्चित करना 	<ol style="list-style-type: none"> 1. मौजूदा बुनियादी ढाँचे का रखरखाव किया जाना 2. सभी नए निर्माण/घरों में शौचालय का होना सुनिश्चित करना
लक्ष्य	<ol style="list-style-type: none"> 1. दिव्यांग समुदाय के सदस्यों के लिए 17 विशेष शौचालयों का निर्माण 2. 1 सामुदायिक शौचालय का निर्माण 3. 98 घरों में ट्विन-पिट शौचालयों का निर्माण <p>(शेष घर जिनमें शौचालय नहीं है)</p>	<ol style="list-style-type: none"> 1. अधिक सामुदायिक शौचालयों का निर्माण (आवश्यकतानुसार) तथा मौजूदा शौचालय का रखरखाव 2. 98 घरों में ट्विन-पिट शौचालयों का निर्माण <p>(शेष घर जिनमें शौचालय नहीं है)</p>	<p>अधिक सामुदायिक शौचालयों का निर्माण (आवश्यकतानुसार) तथा मौजूदा शौचालय का रखरखाव</p>

<ol style="list-style-type: none"> दिव्यांग समुदाय के सदस्यों के लिए 17 विशेष शौचालयों का निर्माण: ₹5,10,000 1 सामुदायिक शौचालय के निर्माण: ₹2,00,000 द्विन-पिट शौचालयों के निर्माण: ₹14,70,000-₹19,60,000 <p>कुल लागत: ₹21,80,000-₹26,70,000</p>	<p>द्विन-पिट शौचालयों के निर्माण: ₹14,70,000-₹19,60,000</p> <p>कुल लागत: ₹14,70,000-₹19,60,000</p>	<p>आवश्यकतानुसार</p>
--	--	----------------------



जैविक अपशिष्ट का सतत प्रबंधन

चरण	2024-25 से 2026-27	2027-28 से 2029-30	2030-31 से 2034-35
<p>सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ</p>	<ol style="list-style-type: none"> वर्मीकम्पोस्ट गड्डों की स्थापना करना ग्राम पंचायत में खाद मूल्य श्रृंखला स्थापित करने के लिए पंचायत और संबंधित हितधारकों के बीच साझेदारी का निर्माण करना 	<ol style="list-style-type: none"> आवश्यकतानुसार अधिक कम्पोस्ट गड्डों की स्थापना तथा मौजूदा गड्डों का नियमित रखरखाव करना भागीदारी को ग्राम पंचायत से आगे बढ़ाकर अन्य गांवों/जिलों तक ले जाना 	<ol style="list-style-type: none"> कम्पोस्ट गड्डों का नियमित रखरखाव करना भागीदारी को ग्राम पंचायत से आगे बढ़ाकर अन्य गांवों/जिलों तक ले जाना
<p>लक्ष्य</p>	<ol style="list-style-type: none"> 3 वर्मीकम्पोस्ट गड्डों की स्थापना पंचायत, समुदाय के सदस्यों और किसान समूहों के बीच साझेदारी मॉडल ("आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना" अनुभाग देखें): <ul style="list-style-type: none"> » खाद का उत्पादन और बिक्री » कृषि अपशिष्ट की बिक्री 	<ol style="list-style-type: none"> कम्पोस्ट गड्डों का रखरखाव साझेदारी को बढ़ाना 	<ol style="list-style-type: none"> कम्पोस्ट गड्डों का रखरखाव साझेदारी को बढ़ाना

30 एचआरवीसीए के अनुसार लागत

वर्मीकम्पोस्ट गट्टे: ₹54,000
कुल लागत: ₹54,000

आवश्यकतानुसार

आवश्यकतानुसार



एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध

चरण

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन: <ul style="list-style-type: none"> प्लास्टिक कचरे के पृथक्करण पर जागरूकता बढ़ाना प्लास्टिक बैंकों की स्थापना जिला स्तर पर प्लास्टिक श्रेडर इकाइयों से जोड़ने का प्रयास जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम: <ul style="list-style-type: none"> ग्राम जल और स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) छात्र और युवा समूह समुदाय के सदस्य प्लास्टिक-वैकल्पिक सामग्रियों से उत्पादों के निर्माण के लिए पंचायत की महिलाओं और एसएचजी के बीच साझेदारी मॉडल ("आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना" अनुभाग में विस्तार से समझाया गया है) 	<ol style="list-style-type: none"> नियमित जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम भागीदारी को ग्राम पंचायत से आगे बढ़ाकर अन्य गांवों/जिलों तक ले जाना 	<ol style="list-style-type: none"> नियमित जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम भागीदारी को ग्राम पंचायत से आगे बढ़ाकर अन्य गांवों/जिलों तक ले जाना

31 एचआरवीसीए के अनुसार लागत

लक्ष्य	<ol style="list-style-type: none"> चयनित स्थानों पर प्लास्टिक बैंकों की स्थापना³² एकल उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) पर पूर्ण प्रतिबंध 100-120 महिलाओं को प्लास्टिक के वैकल्पिक उत्पादों के निर्माण में सम्मिलित करना 	<ol style="list-style-type: none"> एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध बरकार रखना इस ग्राम पंचायत एवं आस-पास के गांवों में भागीदारी को बढ़ाना: <ul style="list-style-type: none"> » अतिरिक्त 200 महिलाएँ » अतिरिक्त एसएचजी, एमएसएमई और व्यक्तिगत उद्यमी 	<ol style="list-style-type: none"> एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध बरकार रखना उपभोक्ता स्तर पर प्लास्टिक का उपयोग कम होता है क्योंकि वैकल्पिक सामग्री आसानी से उपलब्ध हैं
	अनुमानित लागत ³³	प्लास्टिक बैंक: ₹1,10,000 कुल लागत: ₹1,10,000	

मौजूदा योजनाएँ और कार्यक्रम

- समुदाय-आधारित खाद बनाने की सुविधाओं के निर्माण हेतु मनरेगा का उपयोग किया जा सकता है।
- स्वच्छ भारत (ग्रामीण) मिशन के अंतर्गत अवसंरचना के विकास और प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जा सकता है।

वित्त के अन्य स्रोत

- प्लास्टिक के लिए वैकल्पिक उत्पादों, खाद बनाने की प्रक्रियाओं के उत्पादन में सम्मिलित सभी हितधारकों की जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण बढ़ाने और व्यक्तिगत स्तर पर सतत उपभोग व्यवहार को बढ़ावा देने में सीएसआर समर्थन महत्वपूर्ण होगा।
- इसके अतिरिक्त, प्लास्टिक के लिए वैकल्पिक उत्पादों, खाद बनाने की प्रक्रियाओं के उत्पादन में सम्मिलित सभी हितधारकों की जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण बढ़ाने और व्यक्तिगत स्तर पर सतत उपभोग व्यवहार को बढ़ावा देने में सीएसआर समर्थन महत्वपूर्ण होगा।
- स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (एसबीएम-जी) दिशानिर्देशों के अनुसार अपशिष्ट प्रबंधन के लिए आवश्यक अवसंरचना को विकसित करने के लिए ग्राम पंचायत के अपने संसाधनों, टाइड और अनटाइड निधियों सहित, का उपयोग किया जा सकता है।

प्रमुख विभाग

- पंचायती राज विभाग
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग
- कृषि विभाग
- उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड

³² स्थान विशिष्ट विवरण के लिए एचआरवीसीए देखें

³³ लागत एचआरवीसीए के अनुसार



3. सतत कृषि

संदर्भ एवं मुद्दे³⁴

- ग्राम पंचायत में 33 प्रतिशत परिवार कृषि पर निर्भर हैं और 46 प्रतिशत परिवार आय के स्रोत के रूप में पशुपालन पर निर्भर हैं।
- सराय जोधराय में कुल शुद्ध बोया गया क्षेत्र 135.9 हेक्टेयर है और सकल फसली क्षेत्र लगभग 202.2 हेक्टेयर है।
- खरीफ और रबी मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें धान (~81 हेक्टेयर), गेहूं (~61 हेक्टेयर), मूंग (~40 हेक्टेयर) और आलू (~20 हेक्टेयर) हैं।
- ग्राम पंचायत ने वर्ष 2023 और 2021 में जून से जुलाई के महीनों के दौरान सूखे जैसी स्थिति का अनुभव किया। सूखे से फसल की पैदावार और चारे की उपलब्धता पर भी असर पड़ता है, जिससे समुदाय की आजीविका को खतरा होता है।
- मानसून की देरी के कारण खरीफ फसलों की बुवाई का समय जून से जुलाई में बदल गया है। इसी तरह, रबी फसलों के लिए, सर्दियों में देरी के कारण बुवाई का समय नवंबर से जनवरी में बदल गया है।
- वर्ष 2023 और 2021 में, चरम मौसम की घटनाओं (सूखे जैसी स्थिति और ओलावृष्टि) के कारण फसल का नुकसान हुआ है। क्षेत्र सर्वेक्षण के अनुसार, नुकसान लगभग 2,450 किंटल उपज (गेहूं, धान और आलू) या लगभग ₹33 लाख है।
- किसान प्रति वर्ष ~100 टन यूरिया और अन्य नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों का उपयोग करते हैं, जिससे प्रति वर्ष ~102 टन CO₂e का जीएचजी उत्सर्जन होता है। किसान कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों जैसे अन्य रासायनिक आदानों पर भी निर्भर हैं। सराय जोधराय में प्राकृतिक खेती नहीं की जाती है।
- क्षेत्र सर्वेक्षण के अनुसार कृषि जल की मांग में वृद्धि हुई है, जिससे जल संरक्षण और बेहतर सिंचाई तकनीकों की आवश्यकता बढ़ जाती है।

उपर्युक्त बिंदु अनुकूलन क्षमता को बढ़ाने के लिए सतत और सूखा प्रतिरोधी कृषि पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।

34 क्षेत्र सर्वेक्षण और समूह केंद्रित चर्चा से प्राप्त जानकारी और प्रासंगिक स्रोतों द्वारा पुष्टि के अनुसार



जलवायु लचीलापन का निर्माण

चरण

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

लक्ष्य

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
	<ol style="list-style-type: none"> 1. कृषि क्षेत्रों के चारों ओर पेड़ों से मेड़बंधी का निर्माण 2. कृषि तालाबों का निर्माण 3. फसलों में आवश्यकता आधारित पोषक तत्व प्रबंधन (जैसे जैविक पुनर्चक्रण, पत्तियों पर छिड़काव के लिए पोषक तत्व, आदि)³⁵ 4. सिंचित क्षेत्रों से वाष्पीकरण से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए मल्टिप्लिंग का उपयोग 5. फसल की पानी की आवश्यकता को कम करने के लिए चावल की सूखा प्रतिरोधी किस्म को अपनाना और डाइरैक्ट सीडेड राइस को अपनाना 6. गेहूं की सूखा सहिष्णु किस्म को अपनाना 7. किसानों को फसल नुकसान से बचाने के लिए विभिन्न बीमा कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करना 	<ol style="list-style-type: none"> 1. मेड़बंधी को बढ़ाना 2. आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कृषि तालाबों का निर्माण किया जाना 3. मौजूदा कृषि तालाबों और मेड़बंधी का नियमित रखरखाव 4. जागरूकता पैदा करने की पहल जारी रखना और किसानों को फसल नुकसान से बचाने के लिए विभिन्न बीमा कार्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए सहायता प्रदान करना 	<p>मौजूदा मेड़बंधी और कृषि तालाबों का रखरखाव किया जाना</p>
	<ol style="list-style-type: none"> 1. 67.9 हेक्टेयर कृषि भूमि पर पेड़ों के साथ मेड़बंधी (कुल कृषि भूमि का 50%) 2. 5 कृषि तालाबों का निर्माण 	<ol style="list-style-type: none"> 1. 67.9 हेक्टेयर कृषि भूमि पर पेड़ों के साथ मेड़बंधी (100% कवरेज) 2. आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कृषि तालाबों का निर्माण और मौजूदा कृषि तालाबों का रखरखाव 	<p>मौजूदा मेड़बंधी और कृषि तालाबों का रखरखाव</p>

35 सूखा मैनुअल (2020), <https://vedas.sac.gov.in/static/pdf/Drought%20Manual-2020.pdf>

अनुमानित लागत

1. मेड़बंधी: ₹2,28,226
2. कृषि तालाब: ₹4,50,000
कुल लागत: ₹6,78,226

मेड़बंधी: ₹2,28,226
कुल लागत: ₹2,28,226

आवश्यकतानुसार



प्राकृतिक खेती अपनाना

चरण

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> जैविक उर्वरक, जैव-कीटनाशकों और जैव-खरपतवारनाशकों के उपयोग के माध्यम से निम्न की सहायता से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना <ul style="list-style-type: none"> » प्रशिक्षण और प्रदर्शन » प्राकृतिक/जैविक खेती प्रमाणन आरंभ » बाजार पहुंच और संपर्कों की खोज मिश्रित फसल, फसल चक्र, मल्विंग, शून्य जुताई जैसी प्रथाओं को बढ़ावा देना और इसे अपनाना कृषि-पर्यावरण प्रणाली विश्लेषण (एईएसए) को बढ़ावा देना, जो एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) रणनीतियों पर आधारित हो, विभिन्न फसलों के तहत क्षेत्र के लिए (भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार) 	<ol style="list-style-type: none"> कृषि भूमि को प्राकृतिक खेती (नर्सरी, बीज बैंक, प्रमाणीकरण तंत्र और बाजार संपर्क स्थापित करना) में परिवर्तित करना जारी रखना चरण I में क्रियान्वित गतिविधियों को बढ़ावा देना और उसे अपनाना 	100% कृषि भूमि को प्राकृतिक खेती में परिवर्तित करना
लक्ष्य	20 हेक्टेयर (15%) कृषि भूमि को प्राकृतिक खेती में परिवर्तित करना	34 हेक्टेयर (अतिरिक्त 25%) कृषि भूमि को प्राकृतिक खेती में परिवर्तित करना	82 हेक्टेयर (100% कवरेज) कृषि भूमि को प्राकृतिक खेती में परिवर्तित करना

1. प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण: ₹60,000
 2. प्राकृतिक खेती के लिए भूमि का परिवर्तन: ₹49,42,000
 3. आईपीएम प्रशिक्षण की लागत: आवश्यकतानुसार
 कुल लागत: ₹50,02,000

1. प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण: ₹60,000
 2. प्राकृतिक खेती के लिए भूमि का परिवर्तन: ₹84,01,400
 कुल लागत: ₹84,61,400

1. प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण: ₹60,000
 2. प्राकृतिक खेती के लिए भूमि का परिवर्तन: ₹2,02,62,200
 कुल लागत: ₹2,03,22,200



सतत पशुधन प्रबंधन

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
	<p>1. पशुधन प्रबंधन के लिए पशुपालन में सम्मिलित परिवारों की जागरूकता बढ़ाना और क्षमता निर्माण करना</p> <p>2. पशुधन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार के लिए समुदाय के सदस्यों को पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता/पैरा-पशु चिकित्सक प्रशिक्षण के रूप में प्रशिक्षित करना</p> <p>पशुधन से मीथेन उत्सर्जन को कम करने के लिए हस्तक्षेप हेतु "विचारार्थ अतिरिक्त संस्तुतियों की सूची" खंड को देखें</p>	<p>1. प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों का विस्तार</p> <p>2. आवश्यकतानुसार पैरा-वेट प्रशिक्षण का विस्तार करना</p>	<p>1. प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों का विस्तार</p> <p>2. आवश्यकतानुसार पैरा-वेट प्रशिक्षण का विस्तार करना</p>
	<p>1. पशुपालन में सम्मिलित परिवारों के लिए स्थायी/सतत पशुपालन पद्धतियों/प्रथाओं, रोग की रोकथाम और पशुधन स्वास्थ्य के प्रबंधन पर कार्यशालाएं आयोजित करना</p> <p>2. 2 पैरा-वेट्स का प्रशिक्षण³⁶</p>	<p>1. रोग की रोकथाम और सतत पशुपालन पद्धतियों पर अतिरिक्त कार्यशालाएं आयोजित करना</p> <p>2. पशुधन प्रबंधन के लिए निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण</p>	<p>1. रोग की रोकथाम और स्थायी/सतत पशुपालन पद्धतियों पर अतिरिक्त कार्यशालाएं आयोजित करना</p> <p>2. पशुधन प्रबंधन के लिए निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण किया जाना</p>
	<p>कार्यशाला और पैरा-पशु चिकित्सक प्रशिक्षण की लागत: आवश्यकतानुसार</p>	<p>आवश्यकतानुसार</p>	<p>आवश्यकतानुसार</p>

36 समुदाय आधारित पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की संख्या ग्राम पंचायत की आवश्यकता पर आधारित है

मौजूदा योजनाएं और कार्यक्रम

- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई), उ०प्र० बाजरा पुनरुद्धार कार्यक्रम, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना, मौसम आधारित फसल बीमा योजना, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना से धन और सब्सिडी के माध्यम से सूखा प्रबंधन और प्रूफिंग प्रक्रियाओं का समर्थन किया जा सकता है।
- सूखारोधी गतिविधियों, नर्सरी और बीज बैंकों के निर्माण को मनरेगा के माध्यम से सुव्यवस्थित किया जा सकता है।
- जैविक खेती गतिविधियों को विभिन्न योजनाओं जैसे: परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन योजना के अंतर्गत प्रदान की गई धनराशि और सब्सिडी के माध्यम से समर्थन दिया जा सकता है।
- किसानों के लिए तकनीकी और ज्ञान सहायता के साथ-साथ जैविक खेती प्रदर्शनों को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय जैविक खेती केंद्रों (एनसीओएफ और आरसीओएफ), कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग के निकटतम जैविक खेती सेल के माध्यम से सक्षम किया जा सकता है।
- प्रौद्योगिकी उन्नयन और सतत खेती के लिए किसानों और एफपीओ के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहायता के लिए कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) का उपयोग किया जा सकता है।
- कृषि रक्षा योजना विभिन्न पारिस्थितिक संसाधनों के माध्यम से कीट नियंत्रण और जैव-रसायनों के उपयोग को बढ़ावा देने में किसानों को सहायता करती है।
- राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, उत्तर प्रदेश पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजना और राष्ट्रीय गोकुल मिशन जैसी राज्य योजनाओं के माध्यम से पैरा-पशुचिकित्सक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का लाभ उठाया जा सकता है।

वित्त के अन्य स्रोत

- कटाई के बाद के नुकसान को कम करने में मदद करने के लिए कोल्ड-स्टोरेज सुविधा की संस्थापना और संचालन ("स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच" अनुभाग में उल्लिखित योजनाओं के अनुरूप) करना।
- जागरूकता बढ़ाना: जैविक खेती के तरीकों और लाभों, आवश्यक सुझाव, प्रदर्शन, सूचना और मार्गदर्शन के प्रासंगिक स्रोत, पंजीकरण प्रक्रिया, सत्यापन और प्रमाणन प्रक्रिया, बाजार लिंकेज और मौसम-आधारित सूचना सेवाओं आदि पर जानकारी।
- किसानों, एफपीओ, एसएचजी और अन्य समुदाय के सदस्यों को बीमा, विभिन्न योजनाओं के लाभ के साथ-साथ जैविक उर्वरकों को अपनाने, सूखारोधी कृषि और सतत पशुधन प्रबंधन, अंततः जैविक खेती में परिवर्तन सहित क्लाइमेट स्मार्ट कृषि गतिविधियों को लागू करने के तकनीकी पहलुओं के लिए मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रदान करना।
- इसके अतिरिक्त, सराय जोधराय में सतत कृषि में लगे किसानों, एफपीओ, एसएचजी और अन्य समुदाय के सदस्यों की क्षमता निर्माण क्षेत्र के तकनीकी विशेषज्ञों और संस्थानों, स्थानीय गैर सरकारी संगठनों, सीएसओ और कॉरपोरेट्स के सहयोग से किया जा सकता है।

प्रमुख विभाग

- कृषि विभाग
- एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र (सीआईएमपी)
- उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग
- भूमि संसाधन विभाग
- जल शक्ति विभाग
- पशुपालन विभाग
- उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूपीनेडा)
- जैविक खेती के लिए क्षेत्रीय केंद्र
- कृषि विज्ञान केंद्र, प्रयागराज



4. हरित स्थानों और जैवविविधता को बढ़ाना

संदर्भ एवं मुद्दे³⁷

- ग्राम पंचायत के अंतर्गत कोई सीमांकित वन भूमि नहीं है और सीमित हरित क्षेत्र है।
- ग्राम पंचायत में 5 निजी बाग हैं।
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत अमृत वाटिका बनाई गई है। ग्राम पंचायत में अमृत महाउत्सव और एक पेड़ माँ के नाम जैसे अन्य वृक्षारोपण पहल भी की गई। लगाए गए वृक्षों में शीशम, सागवान, आंवला, कांजी और अमरूद सम्मिलित है।

सराय जोधराय ग्राम पंचायत में हरित क्षेत्रों को बढ़ाने की क्षमता है। इससे न केवल थर्मल आराम में सुधार होगा और छाया मिलेगी बल्कि ग्राम पंचायत में कार्बन सिंक को बढ़ाने के अतिरिक्त लंबी अवधि में मिट्टी के स्वास्थ्य और जल स्तर को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी।



हरित आवरण में सुधार

चरण

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

I	II	III
2024-25 से 2026-27	2027-28 से 2029-30	2030-31 से 2034-35
1. निम्न विभिन्न पहलों के माध्यम से वार्षिक समुदाय-आधारित वृक्षारोपण गतिविधियाँ: ³⁸ <ul style="list-style-type: none"> छात्रों के लिए ग्रीन स्टीवर्डशिप कार्यक्रम³⁹ (5 छात्रों का चयन) देशी फलों के पेड़ लगाकर खाद्य वन का निर्माण 	1. मौजूदा वृक्षारोपण को संरक्षित रखना 2. बाल वन ⁴⁰ के निर्माण के साथ वृक्षारोपण गतिविधियाँ जारी रखना और उनमें वृद्धि करना 3. किसानों को कृषि वानिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना 4. आरोग्य वन की स्थापना करना	1. वृक्षारोपण गतिविधियों का विस्तार और रखरखाव- बाल वन, खाद्य वन और अन्य वृक्षारोपण 2. कृषि वानिकी पहल के अंतर्गत क्षेत्र का विस्तार

37 क्षेत्र सर्वेक्षण और समूह केंद्रित चर्चा से प्राप्त जानकारी और प्रासंगिक स्रोतों द्वारा पुष्टि के अनुसार

38 अनुलग्नक VI में सूचीबद्ध वृक्ष प्रजातियाँ

39 विद्यालय के छात्रों को वृक्षारोपण में सम्मिलित किया जाएगा और प्रत्येक कक्षा से छात्र नेता चुने जाएँगे जो अपने साथियों के साथ-साथ जीपी समुदाय को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करेंगे।

40 नए माता-पिताओं को उनके बच्चे के जन्म के अवसर पर देसी सदाबहार पेड़ों के पौधे दिए जाएँगे और उन्हें अपने बच्चे के साथ-साथ उन पौधों की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा

<p>2. आरोग्य वन का विकास - भूमि की खरीद और तैयारी, प्रजातियों का चयन और विभिन्न औषधीय जड़ी-बूटियों, झाड़ियों और पेड़ों का रोपण⁴¹</p>		<p>3. आरोग्य वन में प्राकृतिक औषधियों और पूरकों के उत्पादन के लिए इकाइयों की स्थापना (जैसा कि 'आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना' अनुभाग में बताया गया है)</p>
<p>1. सामान्य और लुप्तप्राय 1,000 पौधों का रोपण और कम से कम 65% जीवित रहने की दर (ट्री गार्ड का उपयोग करके) सुनिश्चित करना पृथक्करण क्षमता⁴²: 15-20 वर्षों में 5,600 tCO₂ से 10,000 tCO₂</p> <p>2. आरोग्य वन की स्थापना के लिए लगभग 0.1 हेक्टेयर भूमि आवंटित/चिह्नित करना</p>	<p>1. ग्राम पंचायत में सड़कों, रास्तों और जल निकायों के किनारे 1,000 से 1,500 अन्य पौधों का रोपण करना पृथक्करण क्षमता: 15-20 वर्षों में 8,400 tCO₂ से 15,000 tCO₂</p> <p>2. आरोग्य वन की स्थापना और रखरखाव किया जाना</p> <p>3. लगभग 24.2 हेक्टेयर भूमि पर कृषि- अपनाना, 2,420 पेड़⁴³ लगाना पृथक्करण क्षमता: 15-20 वर्षों में 13,552 tCO₂ से 24,200 tCO₂</p> <p>4. प्राकृतिक औषधियों और पूरकों के विनिर्माण और विपणन के लिए एफपीओ, महिला समूहों, युवा समूहों की क्षमता निर्माण</p>	<p>1. अतिरिक्त 1,500 से 2,000 पौधों का रोपण करना पृथक्करण क्षमता: 15-20 वर्षों में 11,200 tCO₂ से 20,000 tCO₂</p> <p>2. शेष 36.4 हेक्टेयर भूमि में कृषि वानिकी अपनाना और 3,640 पौधों का रोपण करना पृथक्करण क्षमता: 15-20 वर्षों में 20,384 tCO₂ से 36,400 tCO₂</p> <p>3. आरोग्य वन का रखरखाव किया जाना तथा प्राकृतिक औषधियों और पूरकों का उत्पादन जारी रखना</p>
<p>वृक्षारोपण गतिविधियाँ: ₹12,70,000 कुल लागत: ₹12,70,000</p>	<p>1. वृक्षारोपण गतिविधियाँ: ₹12,70,000 - ₹19,05,000</p> <p>2. कृषि वानिकी: ₹9,68,000 कुल लागत: ₹22,38,000- ₹28,73,000</p>	<p>1. वृक्षारोपण गतिविधियाँ: ₹19,05,000-₹25,40,000</p> <p>2. कृषि वानिकी: ₹14,56,000 कुल लागत: ₹33,61,000 - ₹39,96,000</p>

41 उपयुक्त पौधों के नाम संलग्नक VI में उल्लिखित हैं

42 सागौन की प्रजातियों के आधार पर पृथक्करण क्षमता का अनुमान

43 गेहूँ के अंतर्गत आने वाली कृषि भूमि (~ 60.7 हेक्टेयर) कृषि वानिकी के लिए अपनाई गई



जन जैवविविधता रजिस्टर

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> जन जैवविविधता रजिस्टर को अद्यतन करना जागरूकता पैदा करना 	<ol style="list-style-type: none"> जन जैवविविधता रजिस्टर को अद्यतन करना जारी रखना जागरूकता को बढ़ाना 	<ol style="list-style-type: none"> जन जैवविविधता रजिस्टर को अद्यतन करना जारी रखना जागरूकता को बढ़ाना
लक्ष्य	<ol style="list-style-type: none"> जैवविविधता प्रबंधन समिति का गठन और क्षमता वृद्धि जन जैवविविधता रजिस्टर का सहभागी अद्यतन 	जन जैवविविधता रजिस्टर का सहभागी अद्यतन जारी रखना	जन जैवविविधता रजिस्टर का सहभागी अद्यतन जारी रखना
अनुमानित लागत	जैवविविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी) का गठन और प्रशिक्षण लागत ⁴⁴ : ₹25,000		

मौजूदा योजनाएं और कार्यक्रम

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, ग्रीन इंडिया मिशन, जल जीवन मिशन और उत्तर प्रदेश राज्य वृक्षारोपण लक्ष्यों द्वारा 'भारत में वनों के बाहर पेड़' पहल के अंतर्गत प्रावधानों के माध्यम से वृक्षारोपण गतिविधियों को जोड़ा और संचालित किया जा सकता है।
- उत्तर प्रदेश राज्य प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण निधि (राज्य कैम्पा निधि) के अंतर्गत वार्षिक बजटिंग के लिए निम्न गतिविधि हेतु निर्देशित किया जा सकता है:
 - ग्राम पंचायत में वनरोपण, जैवविविधता का संवर्धन, वन्यजीव आवास में सुधार, और मिट्टी एवं जल संरक्षण गतिविधियाँ।
- वृक्षारोपण गतिविधियों को मनरेगा के साथ जोड़ा जा सकता है और स्थानीय समुदाय को 'श्रमदान' करने में भी सम्मिलित किया जा सकता है।
- सतत कृषि पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत कृषि वानिकी संबंधी उप-मिशन का लाभ उठाया जा सकता है:
 - कृषि वानिकी वृक्षारोपण के लिए प्रति हेक्टेयर ₹28,000 का लाभ उठाया जा सकता है।
 - वृक्षारोपण हेतु सहायता चार वर्षों के लिए 40:20:20:20 के वर्ष-वार अनुपात में प्राप्त की जा सकती है।
- केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्राम पंचायत में आरोग्य वन स्थापित करने में सहायक हो सकता है।
- जैवविविधता प्रबंधन समिति (बीएमसी) के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के कार्यक्रमों का उपयोग किया जा सकता है।

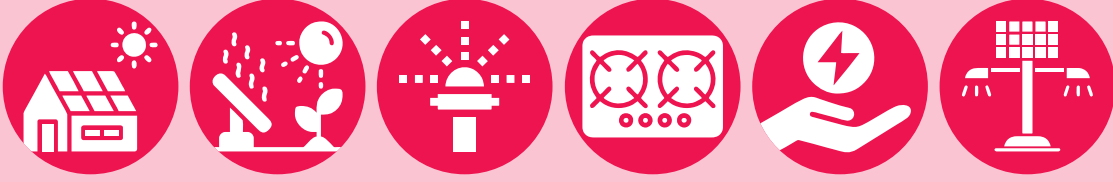
⁴⁴ जैवविविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी) के संचालन के लिए दिशानिर्देश, 2013, राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण। <http://nbaindia.org/uploaded/pdf/Guidelines%20for%20BMC.pdf>

वित्त के अन्य स्रोत

- 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत ग्राम पंचायत को आवंटित संसाधन तथा पंचायत के स्वयं की आय (ओएसआर) से एकत्र राजस्व।
- पौधों की खरीद, वृक्षारोपण अभियान का आयोजन, पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्री गार्ड के निर्माण के लिए कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड का लाभ उठाया जा सकता है। सीएसआर समर्थन का उपयोग आरोग्य वन के निर्माण और हर्बल उत्पादों के लिए उत्पादन इकाइयों की संस्थापना के लिए भी किया जा सकता है, जैसा कि 'आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना' की संस्तुतियों में वर्णित है।

प्रमुख विभाग

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
- राज्य जैवविविधता बोर्ड
- पंचायती राज विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग
- केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ



5. स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुँच

संदर्भ एवं मुद्दे⁴⁵

- ग्राम पंचायत में मात्र लगभग 79% घरों में बिजली कनेक्शन हैं, लेकिन समुदाय के सदस्यों से मिली जानकारी के अनुसार बिजली की आपूर्ति 24x7 नहीं है। समुदाय के सदस्यों से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत में प्रतिदिन औसतन 9 घंटे बिजली की कटौती होती है।
- बिजली की कटौती के कारण, पावर बैक-अप के लिए ग्राम पंचायत में 5 डीजल जनरेटर हैं और वे सालाना लगभग 12 किलोलीटर ईंधन का उपयोग करते हैं।
- ग्राम पंचायत में 4 डीजल पंप हैं जो सालाना ~15 किलोलीटर ईंधन की खपत करते हैं। इसके अतिरिक्त, सिंचाई के लिए 12 इलेक्ट्रिक पंप भी हैं।
- कई घरों में और सार्वजनिक उपयोगिताओं में कम दक्षता वाले इलेक्ट्रिकल उपकरण और फिक्स्चर्स उपयोग में हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत ने अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट (100 स्ट्रीट लाइट और 10 हाई-मास्ट सोलर एलईडी) की आवश्यकता व्यक्त की है।
- लगभग 121 परिवारों में खाना पकाने के लिए गोबर और लकड़ी का उपयोग किया जाता है। इसलिए, खाना पकाने के समाधानों में बदलाव की आवश्यकता है, जिससे न केवल कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, बल्कि घर के अंदर हवा की गुणवत्ता में सुधार जैसे सह-लाभ भी होंगे।

ग्राम पंचायत की पहचानी गई ऊर्जा संबंधी समस्याओं/चिंताओं के आधार पर, केंद्र और राज्य सरकार द्वारा हाल ही में प्रारम्भ किए गए और साथ ही चल रहे कार्यक्रमों, जैसे कि पीएम सूर्य घर बिजली मुफ्त योजना, पीएम कुसुम योजना, उ०प्र० राज्य सौर नीति 2022, के संयोजन में, सराय जोधराय में क्रियान्वयन के लिए निम्नलिखित समाधान प्रस्तावित हैं। प्रस्तावित गतिविधियों का उद्देश्य ग्राम पंचायत में समुदायों के लिए स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुँच सुनिश्चित करना है। इससे न केवल उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा बल्कि ऊर्जा के उत्पादक उपयोग के माध्यम से आय में वृद्धि करने में भी मदद मिलेगी।

45 क्षेत्र सर्वेक्षण और समूह केंद्रित चर्चा से प्राप्त जानकारी और प्रासंगिक स्रोतों द्वारा पुष्टि के अनुसार



सोलर रूफटॉप स्थापना

चरण
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट
संबंधी गतिविधियाँ

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
	सभी सरकारी भवनों: पंचायत भवन और प्राथमिक विद्यालय, सामुदायिक भवन और सामान्य सेवा केंद्र के भवनों पर सोलर पैनल लगाना	1. पक्के घरों की छतों पर सोलर पैनलों की स्थापना 2. सभी नए भवनों की छत पर सौर पैनल लगाना (चरण II के दौरान निर्मित)	1. पक्के घरों की छतों पर सोलर पैनलों की स्थापना को बढ़ाना 2. सभी नए भवनों (चरण III के दौरान निर्मित) की छतों पर सोलर पैनलों की स्थापना 3. सोलर छतों का नियमित रखरखाव किया जाना
	सोलर रूफटॉप की स्थापित क्षमता: » पंचायत भवन: (500 वर्ग मीटर छत क्षेत्र) 10 kWp » प्राथमिक विद्यालय: (300 वर्ग मीटर छत क्षेत्र) 10 kWp » सामुदायिक भवन: (600 वर्ग मीटर छत क्षेत्र) 10 kWp » सामान्य सेवा केंद्र: (300 वर्ग मीटर छत क्षेत्र) 10 kWp	165 (~50%) पक्के घरों की छतों पर सोलर पैनलों की स्थापना ⁴⁷ सोलर रूफटॉप की स्थापित क्षमता: 495 kWp कुल वार्षिक बिजली उत्पादन: ~6,62,904 kWh प्रति वर्ष (~1,816 यूनिट प्रति दिन)	165 (~50%) पक्के घरों की छतों पर सोलर पैनलों की स्थापना सोलर रूफटॉप की स्थापित क्षमता: 495 kWp कुल वार्षिक बिजली उत्पादन: ~6,62,904 kWh प्रति वर्ष (~1,816 यूनिट प्रति दिन)
	इस चरण में स्थापित कुल सोलर रूफटॉप क्षमता: 40 kWp बिजली उत्पन्न: 53,568 kWh प्रति वर्ष (~146 यूनिट प्रति दिन) जीएचजी उत्सर्जन में कमी: 44 tCO ₂ e प्रति वर्ष हाल ही में प्रारम्भ की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अति आवश्यक और महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए, कुछ परिवार भी छतों पर सोलर रूफटॉप स्थापना के इस चरण का हिस्सा बन सकते हैं	जीएचजी उत्सर्जन में कमी: लगभग 543 tCO ₂ e प्रति वर्ष ⁴⁸	जीएचजी उत्सर्जन में कमी: लगभग 543 tCO ₂ e प्रति वर्ष

लक्ष्य⁴⁶

46 पंचायत में स्थित सरकारी भवनों में सोलर रूफटॉप स्थापना की अधिकतम सीमा 10 kWh है

47 घरों का औसत क्षेत्रफल 130 वर्ग मीटर माना गया है; प्रति घर 3 kWp सोलर छत स्थापना का अनुमान

48 उत्सर्जन में होने वाली कमी से ग्राम पंचायत को कार्बन तटस्थता की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
अनुमानित लागत	कुल लागत: ₹20,00,000	लागत (प्रति kWh): ₹2,47,50,000 सांकेतिक सब्सिडी ⁴⁹ : ~40% (राज्य + सीएफए) प्रभावी लागत: ₹1,48,50,000	लागत (प्रति kWh): ₹2,47,50,000 सांकेतिक सब्सिडी: ~40% (राज्य + सीएफए) प्रभावी लागत: ₹1,48,50,000

कृषि-फोटोवोल्टिक

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	किसानों, किसान समूहों, महिला समूहों आदि के बीच जागरूकता पैदा करना	उपयुक्त कृषि भूमि के क्षेत्र भाग पर कृषि-फोटोवोल्टिक स्थापित करना (बागवानी और फलीदार फसलों के अंतर्गत)	उपयुक्त कृषि भूमि के क्षेत्र भाग पर कृषि-फोटोवोल्टिक स्थापित करना (बागवानी और फलीदार फसलों के अंतर्गत)
लक्ष्य	किसानों के बीच कृषि-फोटोवोल्टिक पहल को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान और अभिविन्यास सत्र आयोजित करना	2 हेक्टेयर में कृषि-फोटोवोल्टिक स्थापित स्थापित क्षमता: 500 kWp उत्पादित बिजली: 6,69,600 kWh प्रति वर्ष (~ 1,835 यूनिट प्रति दिन) ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से बचाव: 549 tCO ₂ e प्रति वर्ष	2 हेक्टेयर में कृषि-फोटोवोल्टिक स्थापित स्थापित क्षमता: 500 kWp उत्पादित बिजली: 6,69,600 kWh प्रति वर्ष (~ 1,835 यूनिट प्रति दिन) ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से बचाव: 549 tCO ₂ e प्रति वर्ष
अनुमानित लागत		कुल लागत: ₹5 करोड़ ⁵⁰	कुल लागत: ₹5 करोड़

49 सब्सिडी परिवर्तनशील है और समय-समय पर राज्य और केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित विभिन्न मापदंडों के अनुसार इसमें बदलाव हो सकता है। इसलिए, अनुमानित सब्सिडी राशि पिछले रुझानों और औसत पर आधारित है और मौजूदा समय में सटीक नहीं हो सकती है।

50 प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, कृषि-फोटोवोल्टिक की लागत कम होती जा रही है। हालांकि, उच्चतर पक्ष पर लागत का एक रूढ़िवादी अनुमान लगाया गया है। इसके अलावा, यह माना गया है कि किसान बागवानी और अन्य समान फसलों के लिए निर्धारित भूमि पर भी फसल चक्र का अभ्यास करते हैं। इसलिए, बागवानी के तहत उपलब्ध भूमि का केवल एक प्रतिशत ही कृषि-फोटोवोल्टिक की स्थापना के लिए ध्यान में रखा गया है।



सौर पंप

चरण	I 2024-25 to 2026-27	II 2027-28 to 2029-30	III 2030-31 to 2034-35
मुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	<p>ग्राम पंचायत में 4 डीजल पंप सेटों को सौर पंपों से बदलना</p> <p>* यदि सौर पंप व्यवहार्य न हों तो ऊर्जा कुशल पंप (ईईएसएल द्वारा किसान ऊर्जा दक्ष पंप) पर विचार किया जा सकता है</p>	<p>ग्राम पंचायत में ग्रिड से जुड़े मौजूदा 12 विद्युत पंप सेटों का सौरीकरण</p>	<p>सभी नए पंपों के उपयोग/खरीद को सौर ऊर्जा से संचालित करने के लिए प्रोत्साहित करना</p>
लक्ष्य	<p>4 डीजल पंपों को बदलना</p> <p>स्थापित क्षमता: ~22 किलोवाट</p> <p>बिजली उत्पादन क्षमता: 29,462 kWh प्रति वर्ष</p> <p>जीएचजी उत्सर्जन में कमी: 4.2 tCO₂e प्रति वर्ष</p>	<p>12 ग्रिड से जुड़े इलेक्ट्रिक पंपों को सौर पंप बनाना</p> <p>स्थापित क्षमता: ~66 किलोवाट</p> <p>बिजली उत्पादन क्षमता: 88,378 kWh प्रति वर्ष</p> <p>जीएचजी उत्सर्जन में कमी: 12.6 tCO₂e प्रति वर्ष</p>	<p>आवश्यकतानुसार क्षमता</p>
अनुमानित लागत	<p>कुल लागत: ₹12,00,000-₹20,00,000</p> <p>सब्सिडी: ~60% (राज्य + सीएफए)</p> <p>प्रभावी लागत: ₹4,80,000-₹80,00,000</p>	<p>कुल लागत: ₹36,00,000-₹60,00,000</p> <p>सब्सिडी: ~60% (राज्य + सीएफए)</p> <p>प्रभावी लागत: ₹14,40,000-₹24,00,000</p>	<p>आवश्यकतानुसार</p>



रसोई में स्वच्छ ईंधन का उपयोग

चरण
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट
संबंधी गतिविधियाँ

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
	<p>परिदृश्य 1: घरेलू बायोगैस + रसोई गैस (एलपीजी)</p> <p>परिदृश्य 2: सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + एलपीजी</p> <p>परिदृश्य 3: सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव+ उन्नत चूल्हे + रसोई गैस</p>	<p>परिदृश्य 1: घरेलू बायोगैस + रसोई गैस (एलपीजी)</p> <p>परिदृश्य 2: सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + एलपीजी</p> <p>परिदृश्य 3: सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव+ उन्नत चूल्हे + रसोई गैस</p>	<p>परिदृश्य 1: घरेलू बायोगैस + रसोई गैस (एलपीजी)</p> <p>परिदृश्य 2: सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + एलपीजी</p> <p>परिदृश्य 3: सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव+ उन्नत चूल्हे + रसोई गैस</p>
	<p>परिदृश्य 1: 30 परिवारों द्वारा बायोगैस संयंत्रों का उपयोग (25% परिवार जिनके पास मवेशी हैं) + 336 परिवारों द्वारा एलपीजी का उपयोग</p> <p>परिदृश्य 2: 20 परिवारों द्वारा सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव का उपयोग (शीर्ष आय समूहों में 100% परिवार)</p> <p>परिदृश्य 3: 20 अतिरिक्त परिवारों द्वारा सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव का उपयोग (शीर्ष आय समूहों में 25% परिवार) + 61 परिवारों द्वारा उन्नत चूल्हे का उपयोग (वर्तमान में बायोमास का उपयोग करने वाले 25% परिवार)</p>	<p>परिदृश्य 1: अतिरिक्त 30 परिवारों द्वारा बायोगैस संयंत्रों का उपयोग (अतिरिक्त 25% परिवार जिनके पास मवेशी हैं) + 306 परिवारों द्वारा एलपीजी का उपयोग</p> <p>परिदृश्य 2: शीर्ष आय वर्ग में अतिरिक्त परिवारों द्वारा सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव उपयोग</p> <p>परिदृश्य 3: 61 अतिरिक्त परिवारों द्वारा उन्नत चूल्हे का उपयोग (अतिरिक्त 25% परिवार जो वर्तमान में बायोमास का उपयोग करते हैं)</p>	<p>परिदृश्य 1: अतिरिक्त 61 परिवारों द्वारा बायोगैस संयंत्र का उपयोग (शेष 50% परिवार जिनके पास मवेशी हैं) + 245 परिवारों द्वारा एलपीजी का उपयोग</p> <p>परिदृश्य 2: 123 अतिरिक्त परिवारों द्वारा उन्नत चूल्हे का उपयोग (शेष 50% परिवार जो वर्तमान में बायोमास का उपयोग करते हैं)</p> <p>ग्राम पंचायत में रसोई गैस का निरंतर उपयोग भी सम्मिलित है</p>
लक्ष्य	ग्राम पंचायत में रसोई गैस का निरंतर उपयोग भी सम्मिलित है		
अनुमानित लागत	<p>परिदृश्य 1: बायोगैस संयंत्र: ₹15,00,000</p> <p>परिदृश्य 2: सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव: ₹9,00,000</p> <p>परिदृश्य 3: उन्नत चूल्हे: ₹10,83,000</p> <p>औसत कुल लागत: ₹11,61,000</p>	<p>परिदृश्य 1: बायोगैस संयंत्र: ₹15,00,000</p> <p>परिदृश्य 2: 1 सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव: ₹45,000</p> <p>परिदृश्य 3: उन्नत चूल्हे: ₹1,83,000</p> <p>औसत कुल लागत: ₹5,76,000</p>	<p>परिदृश्य 1: बायोगैस संयंत्र: ₹30,50,000</p> <p>परिदृश्य 2: उन्नत चूल्हे: ₹3,69,000</p> <p>औसत कुल लागत: ₹11,39,000</p>



ऊर्जा कुशल फिक्स्चर⁵¹

चरण

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

लक्ष्य

अनुमानित लागत

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
	<ol style="list-style-type: none"> सभी पीआरआई भवनों में सभी लाइट फिक्स्चर और पंखों को ऊर्जा कुशल फिक्स्चर से बदलना ग्राम पंचायत के प्रत्येक घर में कम से कम 1 सीएफएल बल्ब को एलईडी बल्ब और/या एलईडी ट्यूब लाइट से बदलना निवासियों को अन्य घरेलू उपकरणों को ऊर्जा कुशल उपकरणों (बीईई द्वारा 4-5 स्टार रेटेड) में अपग्रेड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना 	<ol style="list-style-type: none"> सीएफएल बल्बों की जगह एलईडी बल्बों का उपयोग बढ़ाना घरों में पारंपरिक पंखों की जगह ऊर्जा कुशल पंखे लगाना निवासियों को अन्य घरेलू उपकरणों को ऊर्जा कुशल उपकरणों (बीईई द्वारा 4-5 स्टार रेटिंग) में अपग्रेड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना 	<ol style="list-style-type: none"> घरों में पारंपरिक पंखों की जगह ऊर्जा कुशल पंखे लगाना सभी नए निर्माण में ऊर्जा कुशल उपकरण लगाना
	<ol style="list-style-type: none"> सभी पंचायती राज संस्थाओं/ सरकारी भवनों में 100% मौजूदा फिक्स्चर को एलईडी ट्यूब लाइट और ऊर्जा कुशल पंखों से बदलना मौजूदा 366 सीएफएल बल्बों को एलईडी बल्बों से बदलना (प्रत्येक घर में 1) और 366 ट्यूब लाइटों को एलईडी ट्यूब लाइटों से बदलना (प्रत्येक घर में 1) 	<ol style="list-style-type: none"> कम से कम 366 सीएफएल बल्ब को एलईडी बल्ब से बदलना (प्रत्येक घर में 1) 366 पारंपरिक पंखों को ऊर्जा कुशल पंखों से बदलना (प्रत्येक घर में 1) 	<p>शेष 366 (100% कवरेज) पारंपरिक पंखों को ऊर्जा कुशल पंखों से बदलना</p>
	<p>366 एलईडी बल्ब: ₹25,620</p> <p>366 एलईडी ट्यूब लाइट: ₹80,520</p> <p>कुल लागत: ₹1,06,140</p>	<p>366 एलईडी बल्ब: ₹25,620</p> <p>366 ऊर्जा कुशल पंखें: ₹4,06,260</p> <p>कुल लागत: ₹4,31,880</p>	<p>366 ऊर्जा कुशल पंखें: ₹4,06,260</p> <p>कुल लागत: ₹4,06,260</p>



सौर स्ट्रीट लाइट⁵²

51 क्षेत्र सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी और ग्राम प्रधान के साथ चर्चा के आधार पर

52 क्षेत्र सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी और ग्राम प्रधान के साथ चर्चा के आधार पर

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
दुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> सड़कों, सार्वजनिक स्थानों और अन्य प्रमुख स्थानों पर सौर एलईडी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना सड़कों, फुटपाथों, सरकारी भवनों, सार्वजनिक स्थानों, जलाशयों और अन्य प्रमुख स्थानों पर हाई-मास्ट सौर एलईडी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना 	<ol style="list-style-type: none"> नई सौर एलईडी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना अधिक हाई-मास्ट सौर एलईडी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना मौजूदा स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव और मरम्मत 	नियमित रखरखाव और आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त सौर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना
लक्ष्य	<ol style="list-style-type: none"> 50 सौर एलईडी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना 5 हाई-मास्ट सौर एलईडी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना 	<ol style="list-style-type: none"> 50 सौर एलईडी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना आवश्यकतानुसार 5 और हाई-मास्ट सौर एलईडी लाइटों की स्थापना 	<ol style="list-style-type: none"> आवश्यकतानुसार सौर एलईडी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना आवश्यकतानुसार अतिरिक्त हाई-मास्ट सौर एलईडी लाइटों की स्थापना
अनुमानित लागत	<ol style="list-style-type: none"> 50 सौर एलईडी स्ट्रीट लाइट: ₹5,00,000 5 हाई-मास्ट सौर एलईडी स्ट्रीट लाइट: ₹2,50,000 कुल लागत: ₹7,50,000	<ol style="list-style-type: none"> 50 सौर एलईडी स्ट्रीट लाइट: ₹5,00,000 5 हाई-मास्ट सौर एलईडी स्ट्रीट लाइट: ₹2,50,000 कुल लागत: ₹7,50,000	आवश्यकतानुसार

मौजूदा योजनाएं और कार्यक्रम

- उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति, 2022⁵³ प्रदान करती है:
 - » आवासीय क्षेत्र में सोलर लगाए जाने पर सब्सिडी/अनुदान: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा केंद्रीय वित्तीय सहायता के अतिरिक्त प्रति उपभोक्ता ₹15,000/किलोवाट से अधिकतम सीमा ₹30,000/- तक।
 - » संयंत्र की लागत का 3% परामर्श शुल्क के साथ स्वयं या यूपीनेडा के परामर्श से रेस्को मोड⁵⁴ में संस्थानों में सौर ऊर्जा की संस्थापना का प्रावधान।
- ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफटॉप कार्यक्रम के माध्यम से नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा केंद्रीय वित्तीय सहायता:
 - » 3 किलोवाट क्षमता तक के रूफटॉप सिस्टम के लिए 40% तक केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) दिया जाएगा। 3 किलोवाट से अधिक और 10 किलोवाट तक की क्षमता वाले रूफटॉप सिस्टम के लिए, 40% का केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए)। केवल पहले 3 किलोवाट क्षमता के लिए लागू होगा और 3 किलोवाट से ऊपर (10 किलोवाट तक) की क्षमता के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) 20% तक सीमित होगी।
 - » ग्रुप हाउसिंग सोसायटी/आवासीय कल्याण संघों (जीएचएस/आरडब्ल्यूए) के लिए सामान्य सुविधाओं को बिजली की आपूर्ति के लिए रूफटॉप संयंत्र की संस्थापना के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) सीएफए 20% तक सीमित होगी। जीएचएस/आरडब्ल्यूए हेतु सीएफए के लिए पात्र क्षमता 10 किलोवाट प्रति घर तक सीमित होगी और कुल 500 किलोवाट से अधिक नहीं होगी।
 - » गरीब परिवारों के लिए सोलर रूफटॉप की संस्थापना पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना⁵⁵ के अंतर्गत की जा सकती है। यह योजना 2 किलोवाट सिस्टम के लिए सिस्टम लागत का 60% केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) और 2 से 3 किलोवाट क्षमता के सिस्टम के लिए 40% अतिरिक्त सिस्टम लागत प्रदान करती है। केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) को 3 किलोवाट पर सीमित किया जाएगा मौजूदा बेंचमार्क कीमतों पर, अर्थात् 1 किलोवाट सिस्टम के लिए 30,000 रुपये, 2 किलोवाट सिस्टम के लिए 60,000 रुपये और 3 किलोवाट सिस्टम या उससे अधिक के लिए 78,000 रुपये की सब्सिडी होगी।
- पीएम कुसुम योजना प्रदान करती है:
 - » पीएम कुसुम योजना का घटक ए, कृषि भूमि पर 500 किलोवाट और बड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों की संस्थापना को बढ़ावा देता है।
 - » पीएम कुसुम योजना के घटक बी और सी के अंतर्गत, केंद्र और राज्य सरकार प्रत्येक पंप के आधार पर 30% की सब्सिडी प्रदान करेगी। किसानों को केवल 10% की अग्रिम लागत का भुगतान करना होगा और बाकी का भुगतान किश्तों में बैंक को किया जा सकता है।
- उ०प्र० सरकार पीएम कुसुम योजना में योगदान:
 - » घटक सी-1 के अंतर्गत : किसानों को 60% सब्सिडी (अनुसूचित जनजाति, वनटांगिया और मुसहर जाति के किसानों को 70% सब्सिडी) के साथ स्थापित ऑन-ग्रिड पंपों का सोलराइजेशन; यह एमएनआरई की पीएम कुसुम योजना के माध्यम से केंद्र सरकार से मिलने वाली सब्सिडी के अतिरिक्त है।
 - » घटक सी-2 के अंतर्गत : एमएनआरई की पीएम कुसुम योजना के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सब्सिडी के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा अलग-अलग कृषि फीडर्स का सोलराइजेशन ₹50 लाख प्रति मेगावाट की व्यवहार्यता गैप फंडिंग (वीजीएफ) प्रदान की जाती है।
- ग्राम पंचायतों में एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग परियोजनाएं:⁵⁶
 - » ईईएसएल अपनी स्वयं की लागत पर पारंपरिक स्ट्रीटलाइट्स को एलईडी स्ट्रीटलाइट्स से बदल देते हैं और 7 साल तक एलईडी बल्बों का मुफ्त बदलने और रखरखाव की सुविधा प्रदान करते हैं।

53 https://invest.up.gov.in/wp-content/uploads/2023/02/Uttar_Pradesh_Solar_Energy_Policy_2022.pdf

54 थर्ड पार्टी (RESCO मोड) (नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति कंपनी)

55 <https://pmsuryaghar.gov.in/>

56 ईईएसएल द्वारा स्ट्रीट लाइटिंग राष्ट्रीय कार्यक्रम

- » अटल ज्योति योजना और एमएनआरई सोलर स्ट्रीटलाइट कार्यक्रम में 12 वॉट एलईडी और 3 दिन के बैटरी बैकअप के साथ सोलर स्ट्रीट लाइट की संस्थापना के लिए सब्सिडी प्रदान की जाती हैं।
- ग्राम उजाला योजना:⁵⁷
 - » एलईडी बल्ब ₹10 प्रति बल्ब की किफायती कीमत पर उपलब्ध हैं।
 - » ग्रामीण ग्राहकों को काम करने वाले इंकंडेसेंट बल्बों के बदले 7-वाट और 12-वाट के एलईडी बल्ब तीन साल की वारंटी के साथ दिए जाएंगे।
- कोल्ड स्टोरेज संस्थापना के लिए सब्सिडी:
 - » परियोजना लागत के 35% की क्रेडिट लिंक्ड बैंक एंडेड सब्सिडी के रूप में सरकारी सहायता 2 योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध है
- कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग (डीएसी एंड एफडब्ल्यू) एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) लागू कर रहा है।
- राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) 'बागवानी उत्पादों के लिए कोल्ड स्टोरेज और भंडारण के निर्माण/विस्तार/आधुनिकीकरण के लिए पूंजी निवेश सब्सिडी' नाम से एक योजना लागू कर रहा है।
 - » प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना के अंतर्गत, एकीकृत कोल्ड चेन⁵⁸, मूल्य संवर्धन और संरक्षण बुनियादी ढांचे पर घटक, बुनियादी ढांचे की सुविधा के निर्माण के लिए 35% की दर से अनुदान सहायता के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त की जा सकती है। गैर-बागवानी, बागवानी, डेयरी, मांस और पोल्ट्री के वितरण की सुविधा के लिए संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला। यह योजना खेत स्तर पर कोल्ड चेन बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष जोर देने के साथ परियोजना नियोजन में लचीलेपन की अनुमति देती है।
- ईईएसएल ने कार्बन वित्तपोषण का लाभ उठाकर सौर ऊर्जा आधारित इंडक्शन कुकिंग समाधानों के लिए बाजार-आधारित हस्तक्षेप प्रारम्भ करने की योजना बनाई है
- 15वें वित्त आयोग और स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (एसबीएम-जी) के अंतर्गत गोबरधन (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से धन का लाभ उठाना।
 - » एसबीएम-जी के अंतर्गत गोबरधन योजना क्लस्टर/सामुदायिक स्तर के बायोगैस संयंत्रों की संस्थापना के लिए 2020-21 से 2024-25 की अवधि के लिए प्रति जिले ₹50 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।⁵⁹
- यूपी जैव-ऊर्जा नीति 2022⁶⁰ सरकार से उपलब्ध प्रोत्साहनों के अतिरिक्त गोबरधन योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा सीबीजी संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करती है :
 - » कंप्रेसड बायोगैस (सीबीजी) उत्पादन संयंत्र स्थापित करने पर ₹75 लाख/टन से लेकर अधिकतम ₹20 करोड़ तक का प्रोत्साहन।
 - » विकास प्राधिकरणों द्वारा लगाए गए विकास शुल्क पर छूट।
 - » 100% स्टाम्प शुल्क और विद्युत शुल्क से छूट।
- एमएनआरई ने राष्ट्रीय जैव-ऊर्जा कार्यक्रम के अंतर्गत अपशिष्ट से ऊर्जा (डब्ल्यूटीई) कार्यक्रम लागू किया:
 - » कार्यक्रम शहरी, औद्योगिक और कृषि अपशिष्ट से बायोगैस उत्पादन के लिए संयंत्रों की संस्थापना का समर्थन करता है।
 - » बायोगैस उत्पादन के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता ₹0.25 करोड़ प्रति 12000 घन मीटर/दिन है।⁶¹
- पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना एक केंद्रीय योजना है जिसका उद्देश्य भारत में उन घरों को मुफ्त बिजली प्रदान करना है, जो सोलर रूफटॉप⁶² स्थापित करने का विकल्प चुनते हैं।

57 ग्राम उजाला योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में एक करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए गए (फरवरी 2023), पीआईबी

58 जैसे कि फार्म स्तर पर प्री-कूलिंग, वजन, छंटाई, ग्रेडिंग, वैक्सिंग सुविधाएं, मल्टी प्रोडक्ट/मल्टी टेम्परेचर कोल्ड स्टोरेज, सीए स्टोरेज, पैकिंग सुविधा, आईक्यूएफ, वितरण केंद्र में ब्लास्ट फ्रीजिंग और रीफर वैन, मोबाइल कूलिंग यूनिट

59 <https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1883926>

60 <https://invest.up.gov.in/bio-energy-enterprises-promotion-programme-2022/>

61 <https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1896067>

62 <https://pmsuryaghar.gov.in/>

वित्त के अन्य स्रोत

- सोलर रूफटॉप, सोलर पंप खरीदने के लिए ऋण हेतु स्थानीय बैंकों, माइक्रोफाइनेंस संस्थानों और सहकारी बैंकों आदि के साथ गठजोड़ का पता लगाना।
- कृषि-फोटोवोल्टिक्स के लिए सौर डेवलपर्स के साथ साझेदारी का पता लगाना।
- कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) निधि का उपयोग किया जा सकता है:
 - » सूक्ष्म-वित्त संस्थानों द्वारा दिए गए रिवोल्विंग निधि मॉडल के माध्यम से योजना/कार्यक्रम सब्सिडी के अतिरिक्त सौर छतों/कृषि-फोटोवोल्टिक्स/ सौर पंपों की संस्थापना के लिए पूंजीगत लागत को कवर करना।
 - » ग्राम पंचायत में अपनाई गई विभिन्न स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के लिए ग्राम समुदाय के सदस्यों/एसएचजी सदस्यों को 'संचालन और रखरखाव' पर प्रशिक्षण प्रदान करना।
 - » रूफटॉप सोलर (उ०प्र० सौर नीति, 2022) और सौर सिंचाई (पीएम-कुसुम, उ०प्र० सोलर सिंचाई योजना) को बढ़ावा देने वाली मौजूदा सरकारी योजनाओं/कार्यक्रमों पर जागरूकता अभियान आयोजित करना।

प्रमुख विभाग

- उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा)
- उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल)
- पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
- पंचायती राज विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग
- कृषि विभाग
- शिक्षा विभाग



6. सतत और उन्नत गतिशीलता

संदर्भ एवं मुद्दे⁶³

- सराय जोधराय ग्राम पंचायत में कुल 220 आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाहन हैं; 204 दोपहिया वाहन, 9 कार, 3 ट्रैक्टर और 4 ऑटो-रिक्शा। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत में 5 ई-रिक्शा हैं।
- आईसीई वाहनों द्वारा कुल ईंधन की खपत प्रति वर्ष ~63 किलो लीटर (kl) डीजल और ~39 किलोलीटर पेट्रोल है। कुल मिलाकर, परिवहन क्षेत्र में खपत किए गए ईंधन से ~169 tCO₂e उत्सर्जन हुआ है।
- इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत में कई सड़कों के हिस्से जलजमाव के कारण क्षतिग्रस्त हैं।

इस कारण से, परिवहन बुनियादी ढांचे में सुधार और ई-मोबिलिटी समाधानों में बदलाव की आवश्यकता है।



मौजूदा सड़क के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	मौजूदा सड़कों का आरसीसी कार्य	आवश्यकतानुसार सड़क अवसंरचना का रखरखाव और मरम्मत करना	आवश्यकतानुसार सड़क अवसंरचना का निरंतर रखरखाव और मरम्मत करना
लक्ष्य ⁶⁴	मौजूदा सड़कों का आरसीसी कार्य (~2.3 किमी)	सड़कों का नियमित रखरखाव/मरम्मत करना	सड़कों का नियमित रखरखाव/मरम्मत करना

63 क्षेत्र सर्वेक्षण और समूह केंद्रित चर्चा से प्राप्त जानकारी और प्रासंगिक स्रोतों द्वारा पुष्टि के अनुसार

64 स्थान-विशिष्ट विवरण के लिए एचआरवीसीए देखें

अनुमानित लागत⁶⁵

सड़क आरसीसी कार्य: ₹1,07,55,000	आवश्यकतानुसार	आवश्यकतानुसार
कुल लागत: ₹1,07,55,000		



मध्यवर्ती सार्वजनिक परिवहन को बढ़ाना

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	ग्राम पंचायत में ऑटो-रिक्शा को ई-ऑटोरिक्शा से बदलना	अंतिम मील तक कनेक्टिविटी सुधारने के लिए अधिक ई-ऑटोरिक्शा प्रारम्भ करना	मांग के आधार पर अधिक ई-ऑटोरिक्शा खरीदना
लक्ष्य	4 ऑटो-रिक्शा को ई-ऑटोरिक्शा से बदलना	आवश्यकतानुसार अतिरिक्त ई-ऑटोरिक्शा खरीदना	आवश्यकतानुसार अतिरिक्त ई-ऑटोरिक्शा खरीदना
अनुमानित लागत	एक ई-ऑटोरिक्शा की लागत ⁶⁶ लगभग: ₹3,00,000 प्रति वाहन ₹12,000 तक की सब्सिडी उपलब्ध है प्रभावी लागत: ₹11,52,000 कम होने वाला जीएचजी उत्सर्जन ⁶⁷ : 3.5 tCO ₂ e	आवश्यकतानुसार	आवश्यकतानुसार

65 एचआरवीसीए के अनुसार लागत

66 ई-ऑटोरिक्शा की लागत ₹1,50,000 - ₹4,00,000 और उससे अधिक के बैंड में होती है, जो कॉन्फिगरेशन, बैटरी के प्रकार, आदि पर निर्भर करती है। ई-ऑटोरिक्शा की कीमत मुख्य रूप से परोपकारी संस्थाओं और अन्य फंडिंग एजेंसियों से संभावित सब्सिडी/अनुदान/सीड कैपिटल/व्यवहार्यता अंतर फंडिंग को ध्यान में रखते हुए मूल्य बैंड के मध्य में मानी जाती है।

67 समुदाय से प्राप्त जानकारी के आधार पर प्रति वाहन जीएचजी उत्सर्जन में कमी का अनुमान ~0.8 tCO₂e प्रति ऑटो लगाया गया है। डीजल ऑटोरिक्शा को ई-ऑटोरिक्शा से बदलने से यह उत्सर्जन कम होगा और ग्राम पंचायत को कार्बन न्यूट्रल बनाने में मदद करेगा और हवा में कार्बन से होने वाले प्रदूषण को समाप्त करने में सहायता करेगा



ई-वाहन और ई-ट्रैक्टर⁶⁸

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> उपयोगकर्ता समूहों (किसानों/लॉजिस्टिक मालिकों/उद्यमियों) को आईसीई वाहनों की तुलना में ई-वाहनों के दीर्घकालिक लाभों के प्रति संवेदनशील बनाकर डीजल ट्रैक्टरों और माल परिवहन वाहनों के इलेक्ट्रिक विकल्प को बढ़ावा देना ई-माल वाहक और ई-ट्रैक्टर किराए पर लेने की सुविधा स्थापित करना (आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना' खंड में विस्तार से समझाया गया है) 	आईसीई वाहनों की तुलना में ई-वाहनों के दीर्घकालिक लाभों के साथ-साथ उनके लाभ हेतु उपलब्ध योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रति विभिन्न उपयोगकर्ता समूहों को जागरूक करना जारी रखना	आईसीई वाहनों की तुलना में ई-वाहनों के दीर्घकालिक लाभों के साथ-साथ उनके लाभ हेतु उपलब्ध योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रति विभिन्न उपयोगकर्ता समूहों को जागरूक करना जारी रखना
लक्ष्य	कुल 5 ई-ट्रैक्टर और 5 ई-माल वाहक खरीदना	नियमित जागरूकता कार्यक्रम और/या पहचानी गई आवश्यकताओं के अनुसार	नियमित जागरूकता कार्यक्रम और/या पहचानी गई आवश्यकताओं के अनुसार
अनुमानित लागत	<ol style="list-style-type: none"> 5 ई-ट्रैक्टर: ₹30,00,000 5 ई-माल वाहक: ₹25,00,000 – ₹50,00,000 <p>कुल लागत: ₹55,00,000 – ₹80,00,000</p>		

68 अधिक जानकारी 'आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना' अनुभाग में पाई जा सकती है

मौजूदा योजनाएं और कार्यक्रम

- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) के सहयोग से सड़क बुनियादी ढांचे की मरम्मत और वृद्धि की जा सकती है।
- उ०प्र० इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण और गतिशीलता नीति, 2022 प्रदान करती है:
 - » खरीदारों को 100% पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स में छूट (पॉलिसी अवधि के दौरान)।
 - » 1 वर्ष की अवधि में डीलरों के माध्यम से खरीदारों को शुरुआती प्रोत्साहन⁶⁹ के रूप में (एक बार) खरीद सब्सिडी - ई-माल वाहक: प्रति वाहन ₹1,00,000 तक पूर्व-फैक्टरी लागत का 10% @; 2-व्हीलर ईवी: प्रति वाहन ₹5000 तक पूर्व-फैक्टरी लागत का 15%; 3-व्हीलर ईवी: प्रति वाहन ₹12000 तक पूर्व-फैक्टरी लागत का 15%।
- भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण चरण II (FAME II) योजना के अंतर्गत ई-रिक्शा के लिए सब्सिडी का भी लाभ उठाया जा सकता है।

वित्त के अन्य स्रोत

- ग्राम पंचायत का रिसोर्स एनवेलप और ओएसआर
- सीएसआर समर्थन के साथ बैंकों और माइक्रो-फाइनेंस संस्थानों से ऋण

प्रमुख विभाग

- अवसंरचना एवं औद्योगिक विकास विभाग
- परिवहन विभाग
- पंचायती राज विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग
- उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा)

69 सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सब्सिडी लाभार्थियों की मात्रा और संख्या दोनों के संदर्भ में समय-समय पर परिवर्तन के अधीन होती है। इसलिए, इस योजना के किसी भी खंड में उल्लिखित सब्सिडी केवल सांकेतिक है, और खरीद के समय इसकी पुष्टि की जानी चाहिए।



7. आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना

इस ग्राम पंचायत का मुख्य आधार कृषि और पशुपालन है और 79 प्रतिशत से अधिक परिवार इन गतिविधियों में संलग्न हैं। दोनों ही क्षेत्र आजीविका की असुरक्षा से भरे हुए हैं, विशेष रूप से लगातार सूखे, जलवायु परिवर्तन और पशुपालन में वर्तमान असंतुलित उत्पादन गतिविधियों के कारण। इस प्रकार, आबादी के एक बड़े हिस्से की आजीविका अनिश्चित है। वर्तमान में, उल्लिखित गतिविधियों के अतिरिक्त, ग्राम पंचायत के भीतर नौकरियों के सीमित अवसर हैं। इस कार्ययोजना में उल्लिखित संस्तुतियाँ आने वाले वर्षों में नए व्यवसायों और नौकरी के अवसरों के लिए कई रास्ते प्रदान करती हैं। इनका विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:



सतत उत्पादों के निर्माण में पूर्व से गठित एवं सक्रिय स्वयं सहायता समूहों को सम्मिलित करना

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

1. सतत उत्पादों (बैग, घरेलू सजावट, कटलरी, स्टेशनरी आइटम, फर्नीचर, आदि) के निर्माण हेतु महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को जोड़ना।
2. निम्न हेतु क्षमता निर्माण:
 - » उत्पाद श्रेणी का विविधीकरण
 - » ग्राम पंचायत के भीतर और बाहर उत्पादों का विपणन/बिक्री

निम्न का प्रारंभिक जुड़ाव:

- 100 महिलाएँ
- 10 स्वयं सहायता समूह (वर्तमान में सिलाई और सामुदायिक शौचालय रखरखाव गतिविधियों में शामिल)
- स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल का उपयोग

इस ग्राम पंचायत और आस-पास के गांवों से दीर्घकालिक जुड़ाव:

- अतिरिक्त 200 महिलाएँ
- अतिरिक्त स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और व्यक्तिगत उद्यमी

लक्ष्य



जैविक कचरे को खाद बनाकर उसे उर्वरक के रूप में बेचना

सुझाई गई जलवायु
स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

1. खाद के उत्पादन और बिक्री के लिए पंचायत, समुदाय के सदस्यों और किसान समूहों के बीच साझेदारी मॉडल
2. समुदाय के सदस्यों और किसान समूहों का क्षमता विकास
 - » खाद और वर्मीकंपोस्टिंग तकनीक
 - » ग्राम पंचायत के भीतर और बाहर खाद का विपणन और बिक्री

लक्ष्य

1. **तत्काल लक्ष्य:**
 - » घरेलू अपशिष्ट (जैविक) से उत्पादित खाद/केंचुआ खाद: 47 किग्रा प्रतिदिन; 1,403 किग्रा प्रतिमाह (वर्तमान अपशिष्ट उत्पादन के अनुसार)
2. **दीर्घकालिक लक्ष्य:**
 - » जैविक अपशिष्ट उत्पादन के अनुसार कम्पोस्ट/ वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन को बढ़ाना (जनसंख्या वृद्धि के आधार पर)



ई-माल वाहक और ई-ट्रैक्टर किराए पर लेने की सुविधा

सुझाई गई जलवायु
स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

1. ई-माल वाहक और ई-ट्रैक्टर को वाणिज्यिक किराए पर लेने की सुविधा (किराये के आधार पर) यूपी ईवी नीति 2022 और फेम-इंडिया योजना चरण- II के अंतर्गत प्रोत्साहन के माध्यम से हरित उद्यमिता के अवसर प्रस्तुत करती है।
2. ई-ट्रैक्टर और ई-माल वाहक के उपयोग के प्रति उपयोगकर्ता समूहों (किसानों/लॉजिस्टिक्स मालिकों) को संवेदनशील बनाना

लक्ष्य

1. **तत्काल लक्ष्य**
 - » 2 या 3 ई-ट्रैक्टर (अनुमानित लागत: ₹6 लाख प्रति ई-ट्रैक्टर)
 - » 2 या 3 ईवी मिनी माल परिवहन ट्रक (मिनी माल ईवी परिवहन ट्रक की अनुमानित लागत: लगभग ₹9.2 लाख)
2. **मध्यावधि लक्ष्य**

अतिरिक्त 2/3 ई-ट्रैक्टर, 2/3 इलेक्ट्रिक वाहन मिनी गुड्स ट्रांसपोर्ट ट्रक
(ध्यान दें: यह माना जा रहा है कि सराय जोधराय में 35 HP ई-ट्रैक्टर की आवश्यकता होती है जिसकी कीमत प्रायः ₹6 लाख है)



सौर ऊर्जा संचालित कोल्ड स्टोरेज के उपयोग के माध्यम से आजीविका में सुधार

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

1. फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए छोटे और मध्यम किसानों (ग्राम पंचायत और आसपास के गांवों के भीतर) को सौर ऊर्जा संचालित कोल्ड स्टोरेज में जगह किराए पर देकर उद्यमिता के अवसर उत्पन्न करना
2. फलों, सब्जियों, दूध और दूध उत्पादों के भंडारण के लिए उद्यमियों, किसान समूहों, सहकारी समितियों (जैसे पारस) और अन्य संस्थागत खरीदारों के बीच बिजनेस/व्यवसाय मॉडल/गठजोड़

लक्ष्य

5 से 10 मेट्रिक टन क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज की स्थापना (मेट्रिक टन क्षमता सब्जियों और फलों/और/या दूध उत्पादों के उत्पादन के आधार पर)

लागत: ₹8 से ₹15 लाख



प्राकृतिक औषधियों और पूरकों के उत्पादन और बिक्री के लिए आरोग्य वन

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

1. प्राकृतिक औषधियों और पूरकों के उत्पादन के लिए आरोग्य वन के विकास और रखरखाव के माध्यम से समुदायों के लिए आजीविका सृजन
2. कौशल विकास और प्रशिक्षण के लिए केंद्रीय औषधीय और सुगंधित पौधा संस्थान, लखनऊ के साथ साझेदारी करना

लक्ष्य

लगभग 0.1 हेक्टेयर भूमि पर आरोग्य वन स्थापित किया जाना



विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा (RE) स्थापनाओं का क्रियान्वयन एवं रखरखाव (O&M)

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ

1. नवीकरणीय ऊर्जा रखरखाव पर कौशल विकास के लिए समुदाय के सदस्यों विशेष रूप से स्नातकों, युवा समूहों और किसान समूहों का प्रशिक्षण और क्षमता विकास।
2. ग्राम पंचायत के भीतर सोलर और बायो-गैस स्थापना तथा संचालन एवं रखरखाव व्यवसायों की स्थापना में सीएसआर, केंद्र और राज्य सरकार की अपस्किलिंग योजनाओं से सहायता

वित्त पोषण एवं कौशल विकास

- हरित उद्यमिता और आजीविका का समर्थन करने के लिए बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों को संवेदनशील बनाना (विभिन्न क्रेडिट योजनाओं, साझेदारी/राजस्व मॉडल के माध्यम से)।
- सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों जैसे मेक इन इंडिया, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा संचालित उद्यमी विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन और अटल इनोवेशन मिशन, मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से आवश्यक कौशल विकास प्रदान किया जाता है।

इस अनुभाग में ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यान्वयन के लिए अतिरिक्त विचार के लिए संभावित संस्तुतियों की एक सूची दी गई है। इन संस्तुतियों को भारत के विभिन्न हिस्सों और भौगोलिक क्षेत्रों में सफलतापूर्वक लागू किया गया है जिनमें उत्तर प्रदेश के साथ बहुत समानताएं हो सकती हैं।

इन्हें मुख्य अनुशंसाओं में शामिल न करने का कारण यह है कि यह संस्तुतियां/परियोजनाएं उत्तर प्रदेश सरकार की किसी भी वर्तमान योजना या कार्यक्रम या केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के दायरे में नहीं आती हैं। इसलिए इन परियोजनाओं का कार्यान्वयन वैकल्पिक वित्तपोषण विकल्पों, जैसे स्व-वित्तपोषण, CSR या ऐसे अन्य स्रोतों के माध्यम से करना होगा।

यदि यह परियोजनाएं लागू की जाती हैं, तो इनके माध्यम से समुदायों की अनुकूली क्षमताओं को और मजबूत करने की संभावना हो सकती है एवं इनके परिणामस्वरूप आजीविका में वृद्धि भी हो सकती है।

1. सौर ऊर्जा संचालित कोल्ड स्टोरेज इकाई (एफपीओ, एसएचजी व किसान):

- फसल कटाई के बाद की दक्षता बढ़ाने और नुकसान को कम करने के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाली कोल्ड स्टोरेज इकाई हैं।
- यह किसानों को संकटपूर्ण बिक्री से बचने में मदद करता है और किसानों की आय में सुधार करता है।

यह गतिविधि "आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना" अनुभाग में चर्चा की गई पहलों को मजबूत करने में सहायता करेगी

सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण : 70,71,72

- हैदराबाद, तेलंगाना में कट्टनगुर फार्मर्स प्रोड्यूसर्स कंपनी लिमिटेड।
- घुम्मर किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) राजस्थान के पाली जिले की बाली तहसील के नाना गांव में स्थित है।

2. सौर निष्क्रिय डिजाइन और निष्क्रिय शीतलन:

नए निर्माण और रेट्रोफिटिंग के लिए (जहां भी संभव हो): ऊर्जा की मांग को कम करने और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए आवासीय घरों और प्रशासनिक भवनों में टिकाऊ डिजाइन के साथ स्थानीय और पारंपरिक सामग्री को बढ़ावा देना चाहिए:

- घरों में सौर ज्यामिति के अनुसार भवन का अभिविन्यास करना चाहिए।
- घरों में प्राकृतिक वायु का कुशल संचलन होना चाहिए।
- घरों में सौर चिमनी के साथ पवन टॉवर का उपयोग करना चाहिए।
- घरों में प्राकृतिक प्रकाश की व्यवस्था होनी चाहिए (पारंपरिक विद्युत उपकरण जैसे बल्ब, ट्यूबलाइट आदि के उपयोग को कम करना)।
- घरों में ऊर्जा संरक्षण गतिविधियाँ करनी चाहिए।
- जल निकाय और डिजाइन किए गए परिदृश्य (वृक्षारोपण/बागवानी)।

यह गतिविधि "स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुँच" अनुभाग में चर्चित पहलों को मजबूत करेगी।

70 https://selcofoundation.org/wp-content/uploads/2023/08/Compendium_Updated_20230922.pdf

71 <https://www.opportunityindia.com/article/empowering-women-fpo-through-solar-power-ghummar-fpo-34521>

72 <https://www.ecozensolutions.com/ecofrost/fpos-leverage-agri-infra-funds-for-ecofrost.html>

सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

राजकुमारी रत्नावती बालिका विद्यालय⁷³, थार रेगिस्तान, राजस्थान का निर्माण गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली 400 से अधिक लड़कियों के लिए किया गया है जिसमें प्रमुख रूप से निम्नलिखित उपायों का उपयोग किया गया है :

- थर्मल आराम को अधिकतम करने के लिए बिल्डिंग ओरिएंटेशन पर ध्यान दिया गया है।
- प्रकाश और पंखे चलाने के लिए स्कूल के छतों पर सौर पैनल लगाये गए हैं।
- सोलर पैनल कैनोपी और स्क्रीन स्कूल के कमरों में ज्यादा गर्मी होने से बचाते हैं।
- छत का अण्डाकार आकार शीतलता (वायुप्रवाह) उत्पन्न करता है।
- इमारत की दीवारें हवा के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करती हैं और धूप व रेत को स्कूल के कमरों में आने से रोकती हैं।
- निर्माण के लिए स्थानीय सामग्री का उपयोग किया गया है।

सोलर पैसिव कॉम्प्लेक्स, पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (PEDA), चंडीगढ़⁷⁴:

- भवन में एकीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र से 25 किलोवाट की बिजली का उत्पादन किया जाता है।
- सौर ज्यामिति के अनुसार अभिविन्यास किया गए हैं।
- भवन की छत (डिज़ाइन+सामग्री) गर्मी से रहत देने के उद्देश्य से बनाई गई।
- सौर ऊर्जा से कमरों में एयर कंडीशनर और प्रकाश की जरूरत को पूरा किया जाता है (उदाहरण के लिए, लाइट वॉल्ट, सौर चिमनी के साथ पवन टॉवर)।
- शीतलन और वायु शोधन के लिए छोटे तालाब और वृक्षारोपण (पेड़, झाड़ियाँ और घास)।

3. सौर ऊर्जा संचालित RO जल शोधन प्रणाली/ जल एटीएम कियोस्क का निर्माण:

सौर-आधारित आरओ (RO) जल शोधन प्रणाली स्वच्छ पेयजल की समस्या के लिए एक सतत और लागत प्रभावी समाधान प्रदान करती है। यह पानी के पुनः उपयोग को बढ़ावा देते हुए समुदाय को सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करता है। पेयजल की गुणवत्ता की समस्या से जूझ रही ग्राम पंचायत के लिए यह पहल लाभदायक हो सकती है।

सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

हिवरा लाहे गांव, जिला-वाशिम, राज्य-महाराष्ट्र⁷⁵:

- सीएसआर समर्थन से सौर ऊर्जा संचालित जल शोधन प्रणाली/ जल एटीएम कियोस्क (समुदाय आधारित) को स्थापित किया गया।
- समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार देखा गया।
- प्रणाली के संचालन और प्रबंधन के लिए ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को सक्षम बनाया गया।
- इसी तरह की पहल गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान आदि राज्यों में भी की गई है।

73 <https://www.avontuura.com/rajkumari-ratnavati-girls-school-diana-kellogg-architects>

74 <https://peda.gov.in/solar-passive-complex>

75 <https://yraindia.org/wp-content/uploads/2019/12/RO-plant-Success-story-in-Village-Hiwara-HDB-project.pdf>

4. सौर ऊर्जा संचालित पशु शेड का निर्माण:

पशु शेड मवेशियों को तीव्र गर्मी और शीतलहर से बचाने के लिए सौर ऊर्जा संचालित अनुकूली उपाय हैं। इस पहल में पशु शेड की छतों पर सौर ऊर्जा पैनल लगाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का शमन करने में सहायक हैं। यह सौर ऊर्जा संचालित पशु शेड बिजली की मांग की भी पूर्ति कर सकते हैं। यह ऊर्जा की मांग में कमी और निष्क्रिय शीतलन और वेंटिलेशन प्रदान करने में सहायक हैं, इसके अलावा पशु शेड अन्य ऊर्जा की जरूरत को पूरा करता है जैसे की चारे की तैयारी और शेड में संचालन करने में ऊर्जा की जरूरत। अतिरिक्त उत्पादित बिजली को ग्रिड में डाला जा सकता है जिससे किसानों को अतिरिक्त आय उत्पन्न करने का स्रोत मिल सकता है।

इस तरह के पशु बायोगैस उत्पादन और पशु अपशिष्ट (गोबर) से उर्वरक तैयार करने में भी मदद करेंगे। ये पशु शेड उचित पृथक और पशुओं को सुरक्षित स्थान प्रदान करके पशुओं में फैलने वाले रोगों के संचरण को कम करने में भी मदद का सकते हैं।

यह गतिविधि संस्तुतियों के " सतत कृषि" खंड में सतत पशुधन प्रबंधन सुझावों को मजबूत कर सकती है।

सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

जिले: लुधियाना, भटिंडा और तरनतारन, पंजाब^{76,77}

- यह परियोजना 3 जिलों में 1-2 हेक्टेयर भूमि और 5-15 डेयरी पशुओं वाले छोटे और सीमांत किसानों के 3000 परिवारों के लिए कार्यान्वित की गई।
- पशु शेड जलवायु को सुरक्षित करने और छोटे और सीमांत पशुधन किसानों की स्थायी आजीविका को बढ़ावा देते हैं।

निर्मल गुजरात अभियान⁷⁸

- गुजरात के हिममतनगर में पशु आश्रय स्थल गांवों को साफ रखने में मदद करते हैं।
- ऐसे पशु आश्रय स्थल (पशु आवास) में बायोगैस और वर्मीकम्पोस्ट उत्पन्न करने के लिए गोबर एकत्र करने में भी प्रभावी हैं। इसके अतिरिक्त ग्राम कल्याण के लिए धन जुटाने के लिए वर्मीकम्पोस्ट बेचा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, एक "अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी)⁷⁹" के तहत पशु शेड सब्सिडी योजना" है, जिसे गुजरात सरकार के पशुपालन, कृषि, किसान कल्याण और सहयोग विभाग निर्देशित द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। इस योजना के तहत, अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को 2 जानवरों के लिए मवेशी शेड के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता (या तो ₹30,000/- या मवेशी शेड की लागत का 50%, जो भी कम हो) दी जाती है।

5. कूल रूफ/ठंडी छतें

घरों, सार्वजनिक इमारतों और सरकारी भवनों की छतों को सौर-परावर्तक पेंट से रंगना।

सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

जोधपुर, भोपाल, सूरत और अहमदाबाद में झुग्गी-झोपड़ी वाले घर⁸⁰

- स्थानीय सामुदायिक कार्यकर्ताओं ने परिवारों को अपनी खुद की ठंडी छत को पेंट करने के लिए प्रशिक्षित किया।
- प्रदर्शन आउटरीच: 460 से अधिक छतें में पेंट किया गया।
- पारंपरिक छतों की तुलना में घर के अंदर का तापमान 2 - 5°C कम पाया गया।

यह गतिविधि "स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुँच" अनुभाग से जुड़ी है।

76 <https://pscst.punjab.gov.in/en/climate-resilient-livestock-production-system>

77 <https://moef.gov.in/wp-content/uploads/2017/08/Punjab.pdf>

78 <https://jayshaktiengg.com/gujarat-government-launches-solar-scheme-for-farmers/>

79 <https://www.myscheme.gov.in/schemes/csssscspssc>

80 <https://www.nrdc.org/bio/anjali-jaiswal/cool-roofs-community-led-initiatives-four-indian-cities>

6. चारे की संपूरक के उपयोग से मवेशियों से मीथेन उत्सर्जन को कम करना :

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-राष्ट्रीय पशु पोषण और फिजियोलॉजी संस्थान ने पशुधन से मीथेन उत्सर्जन को कम करने में मदद के लिए फ्रीड सप्लीमेंट (हरित धारा और टैमरिन प्लस) विकसित किए हैं।

यह गतिविधि "सतत कृषि" अनुभाग से जुड़ी है।

सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

- इन संपूरकों के उपयोग से आंत्रिय मीथेन उत्सर्जन में 17-20% तक कम हो सकता है⁸¹।
- आईसीएआर की रिपोर्ट के अनुसार इन पूरक आहार की कीमत ₹6 प्रति किलोग्राम है।

7. सौर ऊर्जा संचालित ऊर्ध्वाधर चारा उगाने वाली इकाइयों (घरेलू स्तर/ सामुदायिक स्तर) का निर्माण:

सौर ऊर्जा से संचालित, माइक्रॉक्लाइमेट-नियंत्रित, ऊर्ध्वाधर चारा उगाने वाली इकाई उपयोगकर्ताओं को प्रतिदिन एक बाल्टी से भी कम पानी के साथ ताजा चारा काटने में सक्षम बनाती है। ऐसी इकाइयाँ सूखे की स्थिति में भी पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगी।

यह गतिविधि "सतत कृषि" अनुभाग से जुड़ी है।

सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

आंध्र प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और बिहार राज्यों में ⁸²

- चारा उत्पादक इकाइयों को अपनाने से पशुधन के लिए हरे चारे की उपलब्धता में वृद्धि।
- इससे किसानों की आय में वृद्धि होती है।

8. पंचायत स्तरीय जल बजटिंग

जलवायु-अनुकूल कृषि-आधारित आजीविका के लिए जल प्रबंधन और 'जल बजटिंग'

- वार्षिक/त्रैमासिक जल बजट की गणना।
- ग्राम स्तर पर "जल की कमी" और "जल अधिशेष" की गणना।
- पानी की उपलब्धता के आधार पर वार्षिक फसल उत्पादन योजना।
- जल बर्बादी को रोकने के लिए जल ऑडिट।

यह गतिविधि कार्ययोजना के सतत कृषि और जल संसाधन प्रबंधन अनुभागों से जुड़ी है। यह पहल फसल चयन/योजना, खेत तालाब, बेहतर सिंचाई विधियों, जल पुनर्भरण आदि जैसे कई हस्तक्षेपों को सुदृढ़ बनाएगी।

81 भारतीय कृषि परिषद की रिपोर्ट के अनुसार <https://testicar.icar.gov.in/content/icar-nianp-commercializes-anti-methanogenic-feed-supplement-%E2%80%9Charit-dhara%E2%80%9D>

82 <https://india.mongabay.com/2024/04/amid-fodder-crisis-hydroponics-offers-new-hope-for-indian-farmers/>

सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

7 ग्राम पंचायतें (जीपी) और पड़ोसी बस्तियां, रंगारेड्डी और नागौरकुर्नूल जिले, तेलंगाना⁸³

- यह गतिविधि पानी की खपत की वर्तमान स्थिति व खपत को अनुकूलित करने के उपाय दोनों को पहचानने में मदद करेगी।
- इस गतिविधि के द्वारा प्रत्येक कृषि मौसम यानी खरीफ़ (मानसून), रबी (सर्दी), और ज़ैद (गर्मी) के लिए योजना बनाने में भी सहायता मिल सकती है।

9. जलवायु प्रभाव क्षेत्रों में ग्रामीण महिला उद्यमियों को सक्षम बनाना

गांवों में महिलाओं के नेतृत्व वाली जमीनी स्तर की उद्यमिता सहायता पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण:

- महिलाएं स्वच्छ/हरित प्रौद्योगिकी-आधारित उत्पाद की बिक्री करें।
- महिलाएं समुदायों को स्वच्छ-प्रौद्योगिकियों के महत्व पर शिक्षित करें।
- उदाहरण के लिए, रसोई में स्वच्छ ईंधन का उपयोग (सौर कुकस्टोव), पोर्टेबल सौर जल शोधक, एनर्जी एफ़िफ़िसिएंट लाइट, आदि।
- महिलाओं को व्यवसाय विस्तार ऋण उपलब्ध कराया जाए।
- ग्रामीण विपणन और वितरण संबंधों को सुविधाजनक बनाया जाए।

ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र में सक्षम बनाने के लिए व्यावसायिक कौशल विकास, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण।

इस पहल का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और जलवायु प्रभाव क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका और भागीदारी को मजबूत करना है। यह कार्ययोजना के आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाने वाले अनुभाग से जुड़ता है।

सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

4 राज्यों (महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात और तमिलनाडु) में 14 जिले⁸⁴

स्वयं शिक्षान प्रयोग (एसएसपी) महिलाओं को उनके ग्रामीण समुदायों में स्वच्छ ऊर्जा उद्यमियों और जलवायु परिवर्तन नेताओं के रूप में सक्षम बनाता है:

- 60,000 से अधिक ग्रामीण महिला उद्यमियों को स्वच्छ ऊर्जा, सतत कृषि, स्वास्थ्य और पोषण, और सुरक्षित पानी और स्वच्छता में सक्षम बनाया गया।
- 1,000 से अधिक महिला उद्यमियों ने स्वच्छ-ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण लिया और व्यवसाय शुरू किया।

10. सामुदायिक बीज बैंक

- सामुदायिक बीज बैंक क्षेत्र में फसल विविधीकरण और स्थिरता को बढ़ावा देंगे जबकि स्थानीय बीज प्रणालियों को मुख्यधारा में लाएंगे, तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति सुदृढ़ बनाएंगे।
- ऐसे बीज बैंक किसानों को सूखा-सहिष्णु और जलवायु परिवर्तन अनुरोधक फसलों को उगाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- किसानों के लिए सुरक्षा जाल सुनिश्चित करें, विशेष रूप से प्रतिकूल मौसम की स्थिति और भोजन की कमी के दौरान।

83 <https://wotr.org/2018/03/31/water-budgeting-in-telangana-the-need-and-the-objective-of-the-campaign/>

84 <https://unfccc.int/climate-action/momentum-for-change/women-for-results/rural-community-leaders-combatting-climate-change>

सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

सामुदायिक बीज बैंक, डंगधोरा, जोरहाट, असम (UNEP-GEF परियोजना)⁸⁵

- बीज बैंक से जुड़े किसानों को स्थानीय बाज़ार में उपलब्ध बीजों की तुलना में बेहतर गुणवत्ता वाले बीजों की कटाई, उपचार, भंडारण और गुणा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।
- बीज बैंक की पहल सहभागी फसल सुधार और ज्ञान-साझाकरण रणनीतियों को बढ़ावा देती है।
- किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीजों तक सस्ते और आसान पहुंच प्रदान की जाती है व किसानों को बाज़ार से भी जोड़ती है।
- यह बीज प्रणालियाँ व इनकी मूल्य श्रृंखलाएँ स्थिरता और खाद्य सुरक्षा दोनों की रक्षा करती हैं।

11. जैव-संसाधन केंद्र (बीआरसी) की स्थापना

जैव-इनपुट संसाधन केंद्र (बीआरसी) प्राकृतिक खेती को अपनाने की सुविधा के लिए जैव-इनपुट तैयार करते हैं और आपूर्ति करते हैं। बीआरसी से किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए जैव-इनपुट स्वयं तैयार करने की आवश्यकता नहीं रहती, क्योंकि जैव-इनपुट तैयार करना एक समय लेने वाली और श्रम-गहन गतिविधि है।

- मिट्टी के स्वास्थ्य, फसल उपज की वृद्धि, कीट या रोग प्रबंधन में सुधार के लिए उपयोगी जैविक संस्थाओं या जैविक रूप से व्युत्पन्न इनपुट का उपयोग करने वाले स्थानीय रूप से तैयार उत्पाद किसानों द्वारा खरीद के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं।
- बीआरसी क्षेत्र के किसानों की सभी जैव इनपुट आवश्यकताओं के लिए सिंगल-स्टॉप शॉप के रूप में कार्य करता है।

सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:




आंध्र प्रदेश राज्य में⁸⁶

- सतत जलवायु-अनुकूल कृषि में योगदान देता है।
- किसानों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल ढलने में मदद मिलती है क्योंकि उच्च कार्बनिक पदार्थ की मात्रा मिट्टी को बाढ़, सूखे और भूमि क्षरण प्रक्रियाओं के प्रति अधिक लचीला बनाती है।
- कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र और पैदावार में स्थिरता होने के परिणामस्वरूप जोखिम कम हो जाता है, और उत्पादन लागत भी कम हो जाती है।

85 <https://alliancebioiversityciat.org/stories/community-seed-banks-empower-farmers-address-climate-risk-india>

86 <https://www.apmas.org/pdf/csv/casestudy-1.pdf>

जल निकायों का प्रबंधन और कायाकल्प

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया ⁸⁷
<p>क. वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) संरचनाओं को बढ़ावा देना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> प्रकृति-आधारित समाधान (एनबीएस) पानी की कमी और पानी के तनाव से निपटने की क्षमता को बढ़ाता है बेहतर भूजल पुनर्भरण पानी की गुणवत्ता में वृद्धि सूखा, लू जैसी आपदाओं के प्रति लचीलापन बढ़ाना कृषि एवं पशुधन उत्पादकता में सुधार स्थानीय जैवविविधता को बढ़ावा 	<p>एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 6.1 लक्ष्य 6.3 लक्ष्य 6.4 लक्ष्य 6.5
<p>ख. जल निकायों का कायाकल्प एवं संरक्षण</p> 		<p>एसडीजी 11: स्थायी शहर और समुदाय</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 11.4
<p>ग. जल निकासी और सीवेज अवसंरचना को बढ़ाना</p> 		<p>एसडीजी 12: सतत उपभोग और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करना</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 12.2 <p>एसडीजी 13: जलवायु संबंधी कार्यवाही</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 13.1 लक्ष्य 13.2
		<p>एसडीजी 15: भूमि पर जीवन</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 15.1 लक्ष्य 15.5




87 प्रासंगिक एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों की विस्तृत सूची अनुलग्नक V में दी गई है

सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया
<p>क. अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की स्थापना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> जलभराव कम हुआ जल और भूमि प्रदूषण में कमी/स्वच्छता में सुधार 100% अपशिष्ट प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों और महामारी की घटनाओं में कमी के कारण अच्छा स्वास्थ्य और अपेक्षाकृत रोग-मुक्त वातावरण 	<p>एसडीजी 3: अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 3.3 लक्ष्य 3.9
<p>ख. बेहतर स्वच्छता प्रबंधन</p> 	<ul style="list-style-type: none"> आजीविका और आय सृजन राजस्व और लाभ सृजन सतत कृषि के लिए उन्नत इनपुट 	<p>एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 6.3 लक्ष्य 6.8 <p>एसडीजी 8: सभ्य कार्य और आर्थिक विकास</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 8.3
<p>ग. जैविक अपशिष्ट का सतत प्रबंधन</p> 		<p>एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 9.1
<p>घ. एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध</p> 		<p>एसडीजी 12: सतत उपभोग और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करें</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 12.4 लक्ष्य 12.5 लक्ष्य 12.8 <p>एसडीजी 13: जलवायु कार्यवाही</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 13.1 लक्ष्य 13.2 लक्ष्य 13.3 <p>एसडीजी 15: भूमि पर जीवन</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 15.1









सतत कृषि

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया
<p>क. जलवायु लचीलापन का निर्माण</p> 	<ul style="list-style-type: none"> कृषि उत्पादकता एवं लाभ में वृद्धि⁸⁸ मृदा स्वास्थ्य में सुधार रासायनिक आदानों के कम उपयोग के कारण पानी की गुणवत्ता में सुधार कृषि जल सुरक्षा में सुधार शीत लहर और गर्मी की लहर के दौरान पशुधन की हानि कम हुई और उत्पादकता में वृद्धि हुई वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ और उत्सर्जन में कमी आई 	<p>एसडीजी 2: शून्य भूख</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 2.3 लक्ष्य 2.4 लक्ष्य 2.ए; अनुच्छेद 10.3.ई <p>एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 6.4 लक्ष्य 13.1 <p>एसडीजी 13: जलवायु कार्यवाही</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 13.2 लक्ष्य 13.3
<p>ख. प्राकृतिक खेती अपनाना</p> 		
<p>ग. सतत पशुधन प्रबंधन</p> 		



88 पारिस्थितिकी-आपदा जोखिम में कमी

हरित स्थानों और जैवविविधता को बढ़ाना

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया
<p>क. हरित आवरण में सुधार</p> 	<ul style="list-style-type: none"> जलवायु घटनाओं/आपदाओं से प्राकृतिक बफ़र सूक्ष्म-जलवायु को विनियमित करने से हीटवेव और तीव्र गर्मी के तनाव से अनुकूलन में सहायता मिलेगी औषधीय पौधों तक पहुंच से स्वास्थ्य लाभ होगा बेहतर मृदा स्थिरता, जल संरक्षण और संबंधित कृषि लाभों के लिए प्राकृति-आधारित समाधान (एनबीएस) पशुधन उत्पादकता में सुधार कृषि वानिकी, प्राकृतिक औषधियों के उत्पादन आदि से राजस्व सृजन जैवविविधता के लिए बेहतर पर्यावरण और आवास; पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार 	<p>एसडीजी 11: स्थायी शहर और समुदाय</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 11.7 लक्ष्य 11.4 <p>एसडीजी 12: सतत उपभोग और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करना</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 12.2 <p>एसडीजी 13: जलवायु कार्यवाही</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 13.1 लक्ष्य 13.2 लक्ष्य 13.3 <p>एसडीजी 15: भूमि पर जीवन</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 15.1 लक्ष्य 15.2 लक्ष्य 15.3 लक्ष्य 15.5 लक्ष्य 15.9
<p>ख. जन जैवविविधता रजिस्टर</p> 		   

स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुँच

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया
<p>क. सोलर रूफटॉप स्थापना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> ऊर्जा सुरक्षा उष्ण से राहत आजीविका के उन्नत विकल्प अतिरिक्त राजस्व सृजन उच्च तापमान/धूप के संपर्क से राहत प्रदान करता है, जिसके परिणामस्वरूप उपज स्थिरता और उत्पादकता में वृद्धि होती है विषैले उत्सर्जन/स्थानीय वायु प्रदूषण में गिरावट पे-बैंक अवधि के बाद आर्थिक लाभ घर के अंदर वायु प्रदूषण में कमी विशेषकर महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार ईंधन की लकड़ी एकत्र करने के कठिन परिश्रम/शारीरिक श्रम को समाप्त करता है आपदाओं के दौरान ग्रिड विफलताओं से निपटने की क्षमता में वृद्धि 	<p>एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता लक्ष्य 6.4</p> <p>एसडीजी 7: सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 7.1 लक्ष्य 7.2 लक्ष्य 7.3 लक्ष्य 7.ए लक्ष्य 7.बी <p>एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 9.1 <p>एसडीजी 13: जलवायु कार्यवाही</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 13.2 लक्ष्य 13.3
<p>ख. कृषि-फोटोवोल्टिक</p> 		
<p>ग. सौर पंप</p> 		
<p>घ. रसोई में स्वच्छ ईंधन का उपयोग</p> 		
<p>ङ. ऊर्जा कुशल फिक्स्चर</p> 		
<p>च. सोलर स्ट्रीट लाइट</p> 		



सतत और उन्नत गतिशीलता

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया
<p>क. मौजूदा सड़क के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> स्थानीय वायु प्रदूषण में गिरावट से मानव और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है जोखिम वाले और संवेदनशील लोगों के लिए बेहतर पहुंच अतिरिक्त राजस्व सृजन 	<p>एसडीजी 7: सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 7.2 <p>एसडीजी 11: टिकाऊ शहर और समुदाय</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 11.2
<p>ख. मध्यवर्ती सार्वजनिक परिवहन को बढ़ाना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> वस्तुओं और सेवाओं की अंतिम-मील कनेक्टिविटी में वृद्धि जलभराव कम करने जैसे सह-लाभों के साथ सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के माध्यम से लचीलेपन में सुधार 	<p>एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 9.1 <p>एसडीजी 13: जलवायु कार्यवाही</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 13.2 लक्ष्य 13.3
<p>ग. ई-वाहनों और ई-ट्रैक्टरों</p> 		   

आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट संबंधी गतिविधियाँ	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया
<p>क. सतत उत्पादों के निर्माण में पूर्व से गठित एवं सक्रिय स्वयं सहायता समूहों को सम्मिलित करना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> जल एवं भूमि प्रदूषण में कमी स्थायी कृषि के लिए उन्नत इनपुट 100% अपशिष्ट प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों और महामारी की घटनाओं में कमी के कारण अच्छा स्वास्थ्य और अपेक्षाकृत रोग-मुक्त वातावरण 	<p>एसडीजी 5: लैंगिक समानता हासिल करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 5.5
<p>ख. जैविक कचरे से खाद बनाना और उसे उर्वरक के रूप में बेचना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> अतिरिक्त राजस्व सृजन आजीविका के उन्नत विकल्प 	<p>एसडीजी 8: सभ्य कार्य और आर्थिक विकास</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 8.3
<p>ग. ई-माल वाहक और ई-ट्रैक्टर किराये पर लेने की सुविधा</p> 	<ul style="list-style-type: none"> औषधीय पौधों तक पहुंच से स्वास्थ्य लाभ कृषिवानिकी, प्राकृतिक औषधियों के उत्पादन आदि से राजस्व सृजन। 	<p>एसडीजी 12: सतत उपभोग और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करें</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 12.2 लक्ष्य 12.4 लक्ष्य 12.5 लक्ष्य 12.8
<p>घ. सौर ऊर्जा चालित कोल्ड स्टोरेज के उपयोग के माध्यम से आजीविका में सुधार</p> 	<ul style="list-style-type: none"> जैव विविधता के लिए बेहतर पर्यावरण और आवास, पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में वृद्धि स्थानीय वायु प्रदूषण में गिरावट से मानव और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है 	<p>एसडीजी 13: जलवायु कार्यवाही</p> <ul style="list-style-type: none"> लक्ष्य 13.1 लक्ष्य 13.2 लक्ष्य 13.3
<p>ङ. प्राकृतिक औषधियों और पूरकों के उत्पादन और बिक्री के लिए आरोग्य वन</p> 	<ul style="list-style-type: none"> वस्तुओं और सेवाओं की अंतिम-मील कनेक्टिविटी में वृद्धि 	   
<p>च. विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा (RE) स्थापनाओं का क्रियान्वयन एवं रखरखाव (O&M)</p> 		

कार्यान्वयन में प्रस्तावित सुझाव/संस्तुतियों से सराय जोधराय के ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को कम करने में ही नहीं बल्कि ऊर्जा, खाद्य और जल सुरक्षा प्राप्त करने में भी सहायता होगी, जिससे ग्राम पंचायत क्लाइमेट स्मार्ट, लचीली और सतत बनेगी। इससे गांव के निवासियों की आकांक्षाएं पूरी करने के लिए ग्राम पंचायत के समग्र और निरंतर विकास को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, ये संस्तुतियां प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देते हुए जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेंगी। सराय जोधराय के लिए यह क्लाइमेट स्मार्ट कार्ययोजना ऊर्जा, कृषि निवेश, पानी, आदि पर व्यय में कमी लाकर सराय जोधराय को 'आत्मनिर्भर' बनाएगी जिससे आर्थिक विकास के नए मार्ग खुलेंगे।

इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित हस्तक्षेपों के क्रियान्वयन से जलवायु परिवर्तन पर उत्तर प्रदेश राज्य कार्ययोजना II, 2022 में परिकल्पित के अनुसार, सराय जोधराय क्लाइमेट कार्ययोजना पर राज्य के दृष्टिकोण और लक्ष्यों में भी योगदान देगा, जो बदले में, जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के लिए देश के प्रयासों को सशक्त करेगा, जिससे एनडीसी, 2015 और इसके अद्यतन संस्करण, 2022 में सूचीबद्ध योगदान और 2030 तक सतत विकास लक्ष्य भी प्राप्त होंगे।

जलवायु संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए स्थानीय स्तर पर विशेष रूप से तैयार किए गए समाधानों की आवश्यकता है, जो पर्याप्त जलवायु वित्त और क्रियान्वयन के अन्य माध्यमों की उपलब्धता से ही सफल हो सकते हैं। इसे राज्य और केंद्रीय योजनाओं के अंतर्गत समर्थित ग्राम पंचायत विकास योजना में परिकल्पित जारी गतिविधियों में न्यूनीकरण और अनुकूलन दोनों जलवायु कार्यवाही को मिलाकर और अतिरिक्त वित्तीय संसाधन जुटाकर प्राप्त किया जा सकता है। इससे सभी प्रासंगिक हितधारकों: समुदाय, सरकारी प्रशासन, निर्वाचित प्रतिनिधियों और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग में वृद्धि होगी। कार्ययोजना के क्रियान्वयन के बाद, नई अवसंरचना/प्रौद्योगिकी के कुशल प्रबंधन के रूप में निरंतर कार्यवाही सराय जोधराय को एक मॉडल क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बनना सुनिश्चित करेगी। वर्तमान योजना की सफलता से संभवतः दूसरे ग्राम पंचायत भी कुशल, लचीले और सतत बनाने की प्रक्रिया का पालन करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए, यह महत्वपूर्ण होगा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित लाइफ मिशन के समान एक संवहनीय जीवन शैली को अपनाने के लिए सामुदायिक स्वामित्व की भावना और व्यवहार परिवर्तन को प्रेरित किया जाए।

अनुलग्नक I: पृष्ठभूमि और कार्यप्रणाली

पृष्ठभूमि

उत्तर प्रदेश राज्य जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के विरुद्ध उन्नत और नवीन गतिविधियां अपना रहा है। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी और प्रेरणादायक मार्गदर्शन के तहत राज्य ने शासन के विभिन्न स्तरों पर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के विरुद्ध विस्तृत गतिविधियां प्रारंभ की हैं। इनमें से एक है 'क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत' के निर्माण के लिए कार्ययोजनाओं का निर्माण करना। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री ने इस अवधारणा की परिकल्पना जून, 2022 में की थी। उनकी इस परिकल्पना को वास्तविक रूप देने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य के 39 संवेदनशील जिलों में जलवायु अनुकूल ग्राम पंचायतों की पहचान करने के लिए एक त्वरित बहु-मानदंड मूल्यांकन संचालित किया गया⁸⁹। 5 जून, 2022 को आयोजित 'पंचायत सम्मेलन' (सीओपी) में इन चयनित ग्राम पंचायतों के नामों की घोषणा की गई और इनमें से कई पंचायतों को सम्मानित भी किया गया।

सराय जोधराय के लिए क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना⁹⁰ का विकास उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वसुधा फाउंडेशन और गोरखपुर एनवायर्नमेंटल एक्शन ग्रुप के सहयोग से किया गया है। इस कार्ययोजना का लक्ष्य ग्राम पंचायत स्तर पर जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध गतिविधियों को मुख्यधारा में सम्मिलित करने के लिए ग्राम पंचायत विशिष्ट ब्लूप्रिंट प्रदान करना है। यह न केवल स्थानीय जलवायु अभियानों को सुदृढ़ता प्रदान कर ग्राम पंचायत को जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सहनशील बनाएगा बल्कि वर्ष 2030 तक शून्य कार्बन/कार्बन तटस्थ के लक्ष्य को पूरा करने के लिए उत्सर्जनों में कमी भी लाएगा।

इस कार्ययोजना के निर्माण में भागीदारी दृष्टिकोण अपनाया गया है जो कि ऊर्ध्वगामी (बॉटम अप) योजना निर्माण की अवधारणा के अनुरूप है। इस कार्ययोजना की प्रस्तावित संस्तुतियों को व्यक्तिगत परियोजनाओं के रूप में किया जा सकता है जिन्हें पूरा करने के लिए कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी में जुटी कंपनियों, राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं, उन्नत सार्वजनिक-निजी साझेदारियों, कार्बन वित्त और निजी निवेशों से धनराशि की व्यवस्था की जा सकती है।

इसे व्यवहार्य बनाने के लक्ष्य से यह कार्ययोजना पंचायत-निजी-साझेदारी (पीपीपी) के निर्माण के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है और साथ ही, इसके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य और गैर-राज्य सक्रियकों के बीच सहयोग बढ़ाने की रूपरेखा भी प्रदान करती है।

कार्यप्रणाली

इस रिपोर्ट में मुख्य क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना के सहित भरी हुए प्रश्नावली, एचआरवीसीए (HRVCA) रिपोर्ट, ग्राम पंचायत के सामाजिक और संसाधन मानचित्र के रूप में फ़ील्ड से मिली जानकारी संलग्नक के रूप में सम्मिलित है।

क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना के विकास के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए:

- सर्वेक्षण प्रश्नावली की तैयारी: मूलभूत स्थिति को समझने और ग्राम पंचायत के आधारभूत परिदृश्य का विकास करने के लिए मुख्य हितधारकों और क्षेत्रीय विशेषज्ञों के विचारों के आधार पर एक प्रश्नावली तैयार की गई। प्रश्नावली में विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित किया गया, जैसे कि जनसांख्यिकी, सामाजिक-आर्थिक संकेतक, जलवायु परिवर्तनशीलता, जलवायु धारणा (पिछले 5 वर्ष की), ऊर्जा, कृषि

89 उत्तर प्रदेश के 39 अत्यधिक संवेदनशील जिलों की पहचान उत्तर प्रदेश जलवायु परिवर्तन पर राज्य कार्ययोजना 2.0 और डीओईएफसीसी (DoEFCC), उत्तर प्रदेश सरकार (GoUP) द्वारा विकसित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना हेतु स्कोपिंग आकलन से की गई।

90 इस आलेख में मुख्य क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना सहित निम्न आलेख संलग्नक के रूप में सम्मिलित हैं: विस्तृत कार्यप्रणाली; उत्तर सहित प्रश्नावली; खतरा, जोखिम, भेद्यता और क्षमता आकलन (एचआरवीसीए) रिपोर्ट, और ग्राम पंचायत का सामाजिक और संसाधन मानचित्र।

और पशुधन, भूमि संसाधन, स्वच्छता और स्वास्थ्य। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य ग्राम पंचायत में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की पहुंच को समझना भी था।

- हितधारकों के लिए परामर्श सत्र और क्षमता निर्माण: स्थानीय गैर-सरकारी साझेदारों, ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों के लिए परामर्श और क्षमता-निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- हितधारकों को क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना के उद्देश्यों और घटकों, इन कार्य योजनाओं के विकास और उनकी व्यक्तिगत भूमिकाओं के विषय में जानकारी प्रदान की गई।
- साथ ही, गैर सरकारी साझेदारों को मुख्य जलवायु परिवर्तन अवधारणाओं, अपनाने जाने वाली सर्वेक्षण प्रक्रियाओं और समूह केन्द्रित चर्चाओं के लिए विकसित प्रश्नावली के बारे में प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।
- क्षेत्र सर्वेक्षण: समुदाय से अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, ग्राम सभा और समूह केन्द्रित चर्चा के कुछ दौरों का आयोजन किया गया था जिसके माध्यम से प्राथमिक डेटा संग्रह किया गया।
 - » क्षेत्र सर्वेक्षण में ग्राम पंचायत का दौरा (ट्रांसेक्ट वाक) किया गया और उसके आधार पर सामाजिक और संसाधन मानचित्र तैयार किए गए।
 - » ग्राम पंचायत की विभिन्न समस्याओं को समझने के लिए खतरा, जोखिम, नाजुकता और क्षमता विश्लेषण (एचआरवीसीए) भी किया गया।
 - » सराय जोधराय ग्राम पंचायत की जलवायु संबंधित समस्याओं को और उसके विकास लक्ष्यों को समझने के लिए समूह केन्द्रित चर्चाओं का भी आयोजन किया गया।
- प्राप्त आदानों के आधार पर, ग्राम पंचायत के लिए कार्ययोजना विकसित की गई और बेसलाइन मूल्यांकन का संचालन किया गया। इसमें क्लाइमेट स्मार्ट गतिविधियों की पहचान करना सम्मिलित था जो न केवल पहचानी गई पर्यावरणीय और जलवायु संबंधी समस्याओं को संबोधित करती हैं बल्कि ग्राम पंचायत में प्रचलित कृषि-जलवायु विशेषताओं को भी ध्यान में रखती हैं। जानकारियों में कमी और उनमें अधूरेपन की पहचान की गई और ग्राम प्रधान, समुदाय और पंचायत सचिव के साथ चर्चाओं द्वारा जानकारियों को संपूर्ण किया गया।
- जानकारियों में कमी और उनमें अधूरेपन की पहचान की गई और ग्राम प्रधान, समुदाय और पंचायत सचिव के साथ चर्चाओं द्वारा जानकारियों को संपूर्ण किया गया।
- ड्राफ्ट योजना को समीक्षा के लिए ग्राम पंचायत को प्रस्तुत किया गया।
- ग्राम पंचायत से प्राप्त अपडेट को सम्मिलित करने के पश्चात, कार्ययोजना को अंतिम रूप प्रदान किया गया और समर्थन के लिए ग्राम पंचायत को प्रस्तुत किया गया।

अनुलग्नक II: प्रश्नावली



उत्तर प्रदेश क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत सर्वेक्षण प्रश्नावली

ग्रामपंचायत: सरायजोधराय

ब्लॉक: बहरिया

जिला: प्रयागराज

I. सामान्य प्रोफाइल

		संख्या (सूचनाकाराज्यस्रोत - समुदायके सदस्योंका अनुमान (1))
1	कुल भौगोलिक क्षेत्रफल	184.0146 हेक्टेयर
2	राजस्व गांवोंकी संख्या	2
	बस्तियों/मजराओंकी संख्या	9
3	ए कुल जनसंख्या	2017
	बी कुल पुरुष जनसंख्या	1021
	सी कुल महिला जनसंख्या	996
4	ए कुल घरोंकी संख्या	366
	बी बीपीएल परिवारोंकी संख्या	54
	सी पक्के मकानोंकी संख्या	330
	डी कच्चे मकानोंकी संख्या (मुख्य रूप से प्रयुक्त सामग्री बतारें)	36 (टिन का चददर, कच्चे गारे से ईट की जुड़ाई, खपरैल, बरसाती)
5	ग्रामपंचायतके क्षेत्रफलवार कुल घरोंका विवरण (वर्ग फुट)	
	1. 500 वर्ग फीट से कम	270
	2. 500 से 1000 वर्ग फीट	75
	3. 1000 से 2000 वर्ग फीट	21
	4. 2000 से 4000 वर्ग फीट	0
	5. 4000 वर्ग फीट से अधिक	0

II. सामाजिक-आर्थिक

6	घरेलू आयका स्तर	
	निम्नलिखित आय श्रेणियोंके अंतर्गत परिवारोंकी संख्या (वार्षिक आय)	
	₹ 50,000 से कम	151
	₹ 50,000 से ₹ 1 लाख	188
	1 लाख से 2 लाख	5





	2लाखसे5लाख	22
	5 लाखसेअधिक	0
7	ग्राम पंचायत में आय के स्रोत	कुलघरोंकीसंख्या
	सेवाक्षेत्र (उदाहरण: शिक्षण, बैंक, सरकारीनौकरी, आदि)	30
	लघु/कुटीरउद्योग	0
	कृषि*	121
	कला/हस्तशिल्प	4 कुम्हारी कला
	पशुपालन	168
	व्यवसाय (स्थानीयदुकानों)	19
	उद्यमशीलता	0
	मजदूरी (गैर-कृषि)	22
	अन्य	3
	* अतिरिक्तजानकारी (बताएंकिव्यापारपरिवारएकसेअधिकप्रकारकीकृषिगतिविधियोंमें लगेहुएहैं - भूमिमालिक, किरायेदार, ठेकाकिसान, मजदूरीमजदूर)	Nil

8	पलायन	
ए	पिछले 5 वर्षोंमेंपलायनकरनेवालेपरिवारों/व्यक्तियोंकीसंख्या (विवरण दें)	2
बी	किस स्थान को पलायन किया है (अन्य गांव, निकटवर्ती कस्बे, राज्य के प्रमुख शहरी केंद्र, देश के प्रमुख महानगर)	शोभनाथ-लुधियाना (साईकिल क० में मजदूर) जमुनाप्रसाद दादपुर (राईस मिल मालिक)
सी	पलायन करने का मुख्य कारण क्या है ?	रोजगार
डी	पिछले 5 सालों में कितने परिवार आपके GP में आए हैं? परिवारों की संख्या जो वापस आए है ? नए परिवारों की संख्या यदि कोई आए है ? इसका मुख्य कारण क्या है?	0
9	महिलाओंकीस्थिति	
ए	महिलामुख्यावालेपरिवारोंकीसंख्या (अर्थातमहिलाएंमुख्य/एकमात्रकमानेवालीहैं)	50
बी	कार्यरत महिलाओं के व्यवसाय का विवरण	महिलाओं की संख्या
	सेवा/नौकरी (उदाहरण: शिक्षण, बैंक, सरकारीनौकरी, आदि)	10
	लघु/कुटीरउद्योग	0
	कृषि	10





	कला/हस्तशिल्प	0
	पशुपालन	5
	व्यवसाय (स्थानीयदुकानें)	3
	मजदूरी (गैर-कृषि)	22
	अन्य	0

10	समुदायआधारितसंगठन	
ए	ग्रामपंचायतमेंस्वयंसहायतासमूहोंकीकुलसंख्या	10
	सदस्योंकीकुलसंख्या	120
	महिलाओंकीसंख्या	120
	समूह द्वारा की जाने वाली गतिविधियों का विवरण	0
	समूह का खाता बैंक से लिंक किया गया है या नहीं	हां
बी	एफपीओ की कुल संख्या	0
	एफ.पी.ओ. सदस्यों की कुल संख्या	0
सी	अन्य सीबीओ (समुदाय आधारित संगठन)	0
	नाम तथा सदस्यों की कुल संख्या	0
11	लोगों की संख्या जिनके पास सक्रिय बैंक खाते हैं	1500
12	ई- बैंकिंग/डिजिटलभुगतानऐप्स/यूपीआईकाउपयोगकरनेवालेलोगोंकीसंख्या	300
13	निकटवर्तीकृषि -मंडी/खरीदकेन्द्रतथाग्रामपंचायतसेउनकीदूरी	15km-(करनई पुर)
14	पंचायत में निर्मित सरकारी/गैर-सरकारी शैक्षिक संरचनाएँ	
	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक स्कूलों
	हाई स्कूल/इंटरमिडिएट	कॉलेज/व्यावसायिक/आईटीआई/कौशल संस्थान आदि
	भवनों की संख्या	कुल छत क्षेत्र (मी ² या फीट ²)
	भवनों की संख्या	कुल छत क्षेत्र (मी ² या फीट ²)
	भवनों की संख्या	कुल छत क्षेत्र (मी ² या फीट ²)
	भवनों की संख्या	कुल छत क्षेत्र (मी ² या फीट ²)
	01	300ft
	0	0
	0	0
	0	0
	0	0

15	राज्य/राष्ट्रीयराजमार्गोंतकपहुंच		
	राजमार्गकानाम	ग्राम पंचायत सेदूरी	संपर्कसड़ककीस्थिति अच्छा (1)खराब (2)गरीब (3)बहुतखराब (4)
	राज्यराजमार्ग (1)	लखनऊ-बनारस राजमार्ग	15km खराब-2
	राष्ट्रीयराजमार्ग (2)	अयोध्या - प्रयागराज	16km अच्छा -1





III. भूमिसंसाधनों पर जानकारी

16	ग्रामपंचायतमें भूमि उपयोग	
ए	ग्राम पंचायतके भीतर वनक्षेत्र (हेक्टेयरमें)	0
बी	उपलब्ध सार्वजनिक भूमि (एकड़में)	14.6122 हेक्टेयर
सी	सार्वजनिक भूमिका कितना हिस्सा अतिक्रमित है?	0
डी	ग्रामपंचायतमें कृषि भूमि (एकड़में)	135.990 हेक्टेयर
ई	जीपीमें कोई भी खनन गतिविधि	नहीं
ए फ	खनन गतिविधि किस प्रकार की है?	रेत/खनिज/अन्य
	अतिरिक्त जानकारी	

17	जल निकायों का विवरण	
	विवरण	संख्या
1	कितने तालाब हैं?	24
2	कितनी झीलें हैं?	0
3	कितने अमृत सरोवर हैं?	0
4	कितने कुएँ?	38
5	क्या जल निकाय के आसपास की भूमि पर अतिक्रमण है? - विवरण	हां (5 तालाब पर)
6	क्या जल निकायों पर कोई अतिक्रमण है?	नहीं

18	पेयजल आपूर्ति का विवरण	
ए	ग्रामपंचायतमें पीने के पानी का मुख्य स्रोत क्या है? नहर (1) वर्षाजल (2) भूजल (3) सतहीजल - तालाब/झील (4) अन्य (5)	5-अन्य (छोटा हैंड पम्प), भूजल (3)
बी	क्या उपरोक्त स्रोत मौसमी है या बारहमासी?	बारहमासी
सी	घरों में पानी की आपूर्ति कैसे की जाती है? (कई विकल्प चुन सकते हैं) पाइप द्वारा जलापूर्ति (1) ग्रामपंचायतके भीतर सामान्य संग्रहण बिंदु (2) महिलाओं/बच्चों द्वारा दूर से लाया जाना (3) हैंडपंप (4)	4 हैंडपंप





	वेल्स (5) अन्य (6) -विवरण दें *यदि 3 है, तो प्रतिदिन तय की गई औसत दूरी कितनी है?	
डी	पाइपसेजलापूर्तिवाले घरों की संख्या?	0
ई	क्या प्रवाह दर कम, अधिक या संतोषजनक है?	0
ए फ	पाइपसेजलापूर्ति की समयावधि 24*7 (1) काफी नियमित (2) अनियमित (3)	0
जी	ग्रामपंचायत में सिंचाई के लिए पानी का मुख्य स्रोत क्या है? नहर (1) वर्षा जल (2) भूजल : ट्यूबवेल (3 ए); कुआँ (3 बी); तालाब/झीलें (4) अन्य (5)	नहर (1), वर्षा जल (2), ट्यूबवेल (3 ए), कुआँ (3 बी)
ए च	क्या उपरोक्त स्रोत मौसमी है या बारहमासी?	मौसमी
में	सिंचाई के लिए पम्पों की संख्या: सिंचाई के लिए उपयोग किये जाने वाले डीजल पंपों की संख्या सिंचाई के लिए उपयोग किये जाने वाले विद्युत पंपों की संख्या उपयोग होने वाले पम्पसेट कितने हॉर्स पावर के हैं ? (एचपी में)	16 4 डीजल 12 विद्युत चालित 5 HP
जे	अतिरिक्त जानकारी (उदाहरणार्थ, क्या घरों, कृषि एवं संबंधित गतिविधियों, उद्योगों के लिए जल आपूर्ति पर्याप्त है ; क्या पिछले कुछ वर्षों में भूजल, नदी या नहर से पानी की उपलब्धता बढी है, घटी है या वही रही है? क्या शुष्क या गर्मी के मौसम में पानी की टंकियों का उपयोग बढ जाता है?	नहीं घटी है NA





IV. जलवायु संबंधी जानकारी

तापमान एवं वर्षा में बड़े परिवर्तन				
19	गर्मी			
ए	पारंपरिक ग्रीष्म महीने	4 महीने (मार्च, अप्रैल, मई, जून)		
बी	ग्रीष्म ऋतु के तापमान में कोई परिवर्तन आया है क्या ? (पिछले 5 वर्षों में)	गर्म दिनों की संख्या में वृद्धि <input type="checkbox"/> V <input type="checkbox"/>	गर्म दिनों की संख्या में कमी <input type="checkbox"/>	गर्म दिनों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>
सी	कितने दिनों का अंतर आया है ?	25 दिन		
डी	अतिरिक्त जानकारी (गर्मी के महीनों में कोई भी देखा गया बदलाव)	गर्मी के महीनों में जल स्तर में भारी गिरावट		
20	सर्दी			
ए	पारंपरिक सर्दियों के महीने	4 महीने (नवम्बर, दिसंबर, जनवरी, फरवरी)		
बी	सर्दियों के तापमान में कोई परिवर्तन आया है क्या ? (पिछले 5 वर्षों में)	ठंडे दिनों की संख्या में वृद्धि <input type="checkbox"/>	ठंडे दिनों की संख्या में कमी <input type="checkbox"/> V <input type="checkbox"/>	ठंडे दिनों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>
सी	कितने दिनों का अंतर आया है ?	01 माह की कमी		
डी	अतिरिक्त जानकारी (सर्दियों के महीनों में कोई भी देखा गया बदलाव)	कभी कभी तापमान बहुत ज्यादा गिर जाता है		
21	मानसून			
ए	पारंपरिक मानसून महीने	3 महीने (जुलाई, अगस्त, सितम्बर)		
बी	मानसून ऋतु के तापमान में कोई परिवर्तन आया है क्या ? (पिछले 5 वर्षों में)	बरसात के दिनों की संख्या में वृद्धि <input type="checkbox"/>	बरसात के दिनों की संख्या में कमी <input type="checkbox"/> V <input type="checkbox"/>	बारिश के दिनों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>
सी	कितने दिनों का अंतर आया है ?	30 दिन		
डी	अतिरिक्त जानकारी (मानसून के महीनों में कोई परिवर्तन/वर्षा की तीव्रता में कोई परिवर्तन)	जल की मात्रा कभी अधिक कभी कम		
22	कुल वर्षा			
ए	क्या गैर-मानसून मौसम में वर्षा में कोई परिवर्तन हुआ है (पिछले 5 वर्षों में)	बरसात के दिनों की संख्या में वृद्धि <input type="checkbox"/>	बरसात के दिनों की संख्या में कमी <input type="checkbox"/> V <input type="checkbox"/>	बारिश के दिनों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>
बी	ग्रीष्म ऋतु की वर्षा में परिवर्तन देखा गया	बरसात के दिनों की संख्या में वृद्धि <input type="checkbox"/>	बरसात के दिनों की संख्या में कमी <input type="checkbox"/> V <input type="checkbox"/>	बारिश के दिनों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>
सी	दिनों की संख्या	15 दिन		
डी	शीत ऋतु की वर्षा में परिवर्तन देखा गया	बरसात के दिनों की संख्या	बरसात के दिनों की संख्या	बारिश के दिनों की संख्या में



		मेंवृद्धि	मेंकमी	कोईपरिवर्तननहीं
		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
ई	दिनोंकीसंख्या		25 दिन	
ए फ	वर्षाकीतीव्रताकेबारेमेंअतिरिक्तजानकारी	वर्षा जल की मात्रा कम		





चरममौसमकीघटनाएँ							
23	सूखा						
ए	सूखेकीघटना	2023 <input type="checkbox"/> V	2022 <input type="checkbox"/>	2021 <input type="checkbox"/> V	2020 <input type="checkbox"/>	2019 <input type="checkbox"/>	2018 <input type="checkbox"/>
बी	कौनसेमहीनोंमेंसूखापड़ा?	जून		जुलाई			
डी	सूखेकीआवृत्ति: सूखेकीघटनाओंकीघटना (पिछले 5 वर्षोंमें)	बढ़ाहुआ है					
ई	अतिरिक्तजानकारी (i) कोईभीबड़ीपुरानीघटना; (ii) कोईभीस्वास्थ्यप्रभाव	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			
24	पानीकीबाढ़						
ए	बाढ़कीघटना	2023 <input type="checkbox"/>	2022 <input type="checkbox"/>	2021 <input type="checkbox"/>	2020 <input type="checkbox"/>	2019 <input type="checkbox"/>	2018 <input type="checkbox"/>
बी	बाढ़किनमहीनोंमेंआई?						
डी	बाढ़कीआवृत्ति: सूखेकीघटनाएं (पिछले 5 वर्षोंमें)		बढ़ाहुआ <input type="checkbox"/>	मेंकमी <input type="checkbox"/>	कोईपरिवर्तननहींहोताहै <input type="checkbox"/> V		
ई	अतिरिक्तजानकारी (i) कोईभीबड़ीपुरानीघटना; (ii) कोईभीस्वास्थ्यप्रभाव	1980 में भयंकर बाढ़ आई थी, जिसमें मेन सड़क 02 जगह काट कर पानी निकाला गया था.					
25	इसकेविनाशओलावृष्टि						
ए	ओलावृष्टिकीघटना	2023 <input type="checkbox"/>	2022 <input type="checkbox"/>	2021 <input type="checkbox"/> V	2020 <input type="checkbox"/>	2019 <input type="checkbox"/>	2018 <input type="checkbox"/>
बी	ओलावृष्टिकिसमहीनेमेंदेखीगई?			दिसम्बर			
डी	ओलावृष्टिकीआवृत्ति: ओलावृष्टिकीघटनाएं (पिछले 5 वर्षोंमें)		<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/> V		
25	जलभराव						
ए	जलभरावकीघटना	2023 <input type="checkbox"/> V	2022 <input type="checkbox"/> V	2021 <input type="checkbox"/> V	2020 <input type="checkbox"/> V	2019 <input type="checkbox"/> V	2018 <input type="checkbox"/> V
बी	जलभरावकिनमहीनोंमेंदेखागया?	जुलाई अगस्त	जुलाई अगस्त	जुलाई अगस्त	जुलाई अगस्त	जुलाई अगस्त	जुलाई अगस्त
डी	जलभरावकीआवृत्ति: जलभरावकीघटनाएं (पिछले 5 वर्षोंमें)	वृद्धि					
ई	ग्रामपंचायतकेजलभरावसेप्रभावितक्षेत्र (एकड़याहेक्टेयरमेंक्षेत्रफल)	60 हेक्टेयर					
26	कीट/फसलरोग						
ए	कीटों/रोगोंकाप्रकोप	2023	2022	2021	2020	2019	2018



		<input type="checkbox"/> V	<input type="checkbox"/> V	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
बी	कीट/रोगकिसमहीनेदेखेगए?	अगस्त से सितम्बर	सितम्बर व अक्टूबर				
	कौनसेकीट/रोगदेखेगए?	माहो					
सी	कीटों/रोगोंकाप्रबंधनकैसेकियागया? (सरकारीसहायता, निजीसहायता, आदि)		निजी सहायता से				
डी	कीटों/रोगोंकी आवृत्ति: कीट/रोगप्रकरणोंकीघटना (पिछले 5 वर्षोंमें)	कीट व्याधियों में वृद्धि					
	अतिरिक्तजानकारी						

कृषि एवं संबंधित गतिविधियों पर प्रभाव (पिछले 5 वर्षों में)						
27	फसलहानि					
ए	घटनाकावर्ष	नुकसानकामौसम खरीफ (1) रबी (2) जायद/ अन्यसमय (3)	फसलकानाम	हानिकाकारण (बीमारी, चरमघटना - गर्मी, सर्दी, बारिश, ओले, मिट्टीआदि)	अनुमानितहानि मात्रा (क्विंटल)	आयमेंपरिणामी हानि (औसतरु. में)
	2023	खरीफ(1)	धान	सुखा	400	876000
	2022	रवि (2)	गेहूँ आलू	ओला	750	1896000
	2021	खरीफ(1)रबी(2)	गेहूँ, आलू, धान	ओला, सूखा	1300	3078600
बी	क्याआपफसलबीमाकेबारेमेंजानते हैं?	हाँ	नहीं			
		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/> V			
	अतिरिक्तजानकारी (फसलबीमाकरानेवालेव्यक्तिकौनहैं - बड़ेभूस्वामी, छोटेवमध्यमकिसानआदि)फसलबीमाप्राप्तकरनेवालेव्यक्तियोंका संतुष्टिस्तरक्याहै?					

28	फसलपैटर्नमेंपरिवर्तन
----	----------------------





		खरीफ:	रबी:	जायद/ अन्यमौसम:	
ए	पंचायत में उगाई जाने वाली फसलों के नाम	धान	आलू गेहू सरसों मटर	मूंग, उर्द	
	फसलों की बुआई के बी समय में आया परिवर्तन	पारंपरिक बुआई का समय	पिछले 5 वर्षों में बुवाई के समय में क्या परिवर्तन देखा गया?	नई बुआई का समय	परिवर्तन के लिए कारण
	खरीफ:	20 मई से 30 जून तक	असमय बरसात से उत्पादन और क्षेत्रफल में कमी	20 जून से 31 जुलाई तक	देर से बरसात / तापमान में वृद्धि
	रबी:	15 नवम्बर से 31 दिसंबर तक	ठण्ड पड़ने की अवधि कम होने व ओला पड़ने से उत्पादन की गुणवत्ता व उत्पादन में कमी	15 नवम्बर से 15 जनवरी	धान की कटाई देर से देर से / ठण्ड देर से शुरू
	जैद/ अन्यमौसम:	मार्च व अप्रैल माह में	कम क्षेत्रफल में बुवाई	10 फरवरी व 15 मार्च तक	तापमान वृद्धि से खरीफ की फसल जल्द कटना
	खरीफ और रबी मौसम डी के दौरान सिंचाई आवृत्ति में देखे गए परिवर्तन	जलस्तर का लगातार घटता क्रम और सिंचाई के अवसरों में कमी			
	अतिरिक्त जानकारी सौ (जो भी फसल नष्ट हो गई हो)				

29	पशुधन/ पशुपालन					
ए	ग्राम पंचायत में प्रचलित पशुधन एवं पशुपालन प्रथाएँ डेयरी (1) मुर्गीपालन (2) मत्स्यपालन/जलकृषि (3) सूअरपालन (4) मधुमक्खीपालन (5) अन्य - निर्दिष्ट करें (6)		डेयरी-1 मुर्गीपालन- 2 अन्य -6 गाय भैंस			
बी	मौसम परिवर्तन का डेयरी पर प्रभाव	पशुखोया गाय (1) भैंस (2) ✓ अन्य (3)	खोए गए पशुओं की संख्या (प्रत्येक पशु के लिए निर्दिष्ट करें)	हानिकारक कारण (तापमान, बाढ़, रोग, आयु, दुर्घटनाएं आदि)	हानिकारक मौसम	उत्पादकता में कोई परिवर्तन देखा गया? वृद्धि (1) कमी (2) कोई परिवर्तन नहीं (3)
	2023					
	2022	भैंस (2)	1	बीमारी	गर्मी	3
	2021					



	2020					
	2019	भैंस (2)	3	बीमारी	गर्मी	3
	2018					
	अतिरिक्तजानकारी					
सी	पोल्ट्रीपरप्रभाव	खोयाहुआजानवर मुर्गी (1) बत्तख (2) अन्य (3)	खोएगएपशुओंकीसं ख्या (प्रत्येकपशुकेलिएनि र्दिष्टकरें)	हानिकाकारण	हानिकामौसम	उत्पादकतामेंकोई परिवर्तनदेखागया ? वृद्धि (1) कमी (2) कोईपरिवर्तननहीं (3)
	2023	0				
	2022	0				
	2021	0				
	2020	0				
	2019	0				
	2018	0				
	अतिरिक्तजानकारी	0				
डी	बकरियोंऔरभेड़ोंपर प्रभाव	खोयाहुआपशु बकरियां (1) ✓ भेड़ (2)	खोएगएपशुओंकीसं ख्या (प्रत्येकपशुकेलिएनि र्दिष्टकरें)	हानिकाकारण	हानिकामौसम	उत्पादकतामेंकोई परिवर्तनदेखागया ? वृद्धि (1) कमी (2) कोईपरिवर्तननहीं (3)
	2023					
	2022					
	2021					
	2020	12 बकरियां	12 बकरियां	बीमारी	ठंडी	3
	2019					
	2018					
	अतिरिक्तजानकारी					
डी	अन्यजानवरोंपरप्र भाव	पशुखोगया (पशुबताएं) गाय (1)	खोएगएपशुओंकीसं ख्या (प्रत्येकपशुकेलिएनि र्दिष्टकरें)	हानिकाकारण	हानिकामौसम	उत्पादकतामेंकोई परिवर्तनदेखागया ? वृद्धि (1) कमी (2) कोईपरिवर्तननहीं (3)
	2023	1	2 गाय	अज्ञात बीमारी	गर्मी	3
	2022					
	2021					
	2020					
	2019	1	1 गाय	अज्ञात बीमारी	ठंडी	3



	2018	1	1 गाय	अज्ञात बीमारी	ठंडी	3
	अतिरिक्तजानकारी					





V. कृषि एवं पशुधन

30 ए उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें और उनसे संबंधित जानकारी

प्रश्न संख्या	फसल उत्पादन						उर्वरक का उपयोग			कीटनाशक का उपयोग			खरपतवारनाशक का उपयोग	
	फसल का नाम (कृषि भूमि पर उगाई जाने वाली फसलें, बागवानी, पशुपक्षि आदि शामिल हैं)	मौसम	क्षेत्रफल (एकड़)	उपज (क्विंटल/एकड़)	प्रयुक्त उर्वरक प्रकार	उपयोग की गई औसत मात्रा (किलोग्राम/एकड़)	पिछले 5 वर्षों में उर्वरक उपयोग की मात्रा बड़ी है, घटी है, कोई परिवर्तन नहीं हुआ है	प्रयुक्त कीटनाशक प्रकार	उपयोग की गई औसत मात्रा (किलोग्राम/एकड़)	प्रयुक्त खरपतवारनाशक प्रकार	उपयोग की गई औसत मात्रा (किलोग्राम/एकड़)	प्रयुक्त खरपतवारनाशक प्रकार	उपयोग की गई औसत मात्रा (किलोग्राम/एकड़)	
	धान	वर्षा	200	6000	यूरिया	240	बढ़ी है	एम्बिसन	150 ml / एकड़	नामिनी गोल्ड	150 ml / एकड़			
	गहूँ	शीत	200	4800	डीएपी	200	बढ़ी है	पीपीपी	5 Kg / एकड़	2 फोरडी	750 ग्राम / एकड़			
	मुंग उद	गर्मी	100	300	डीएपी	50	बढ़ी है	कोरोजिन	20 ml / एकड़	पेंडा मेथिलीन	1.500 लीटर / एकड़			
	आलू	शीत	200	4800	डीएपी	200	बढ़ी है	पर्याडान	6 kg / एकड़	पेंडा मेथिलीन	1.500 लीटर / एकड़			
	क्यागाम पंचायत में फसल जलाने की प्रथा है?	हाँ <input type="checkbox"/> नहीं <input type="checkbox"/>	विभिन्न फसल क्षेत्रों में अंतर्गत जलाया गया क्षेत्र (एकड़):	15	क्या यह प्रतिहा सिकप्रथारही है? <input type="checkbox"/> (हाँ/नहीं/√)	यदि नहीं, तो इसकी शुरुआत कब हुई? 2018 से	क्या आप फसल अवशेष प्रबंधन की योजनाओं से अवगत हैं? <input type="checkbox"/> (हाँ/नहीं/√)							



सी	क्या ग्राम पंचायत में प्राकृतिक खेती जाती है?	हाँ <input type="checkbox"/>	नहीं <input type="checkbox"/>	वह क्षेत्र जहाँ विभिन्न फसलों की प्राकृतिक खेती होती है ?	प्राकृतिक खेती कब शुरू की गई ? (वर्ष और फसलें)	क्या कोई प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन आयोजित किया गया ? नहीं	क्या प्राकृतिक खेती के लिए कोई योजना या संस्थागत सहायता उपलब्ध कराई गई है ? नहीं
----	---	------------------------------	-------------------------------	---	---	--	--



31 कृषिवानिकी, सामाजिकवानिकी, बंजरभूमिविकास और अन्य वृक्षारोपण गतिविधियाँ

वृक्षारोपण गतिविधि का प्रकार	कवर किया गया क्षेत्र	जगह	योजना का उपयोग:	रोपित प्रजातियाँ	आरंभ की तिथि	% सफलता	कृषि - वानिकी गतिविधिका उपयोग करने या उससे लाभ उठाने के अवसर/पहुंच
वृहद् वृक्षारोपण	10 एकड़	पंचायत भवन	राष्ट्रीय कृषिवानिकी मिशन (1) एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम (2) वर्षा आधारित शिक्षण कार्यक्रम (3) मनरेगा (4) वृक्षारोपण जन आंदोलन (5) अन्य (6) - विवरण दें	नीम, महुआ	15\7\2022	10%	नहीं
अमृत महोत्सव	10 एकड़	चारागाह तालाब	वर्षा आधारित कार्यक्रम मनरेगा	सीसम, सागौन	12\7\2023	20%	नहीं
एक पेड़ माँ के नाम	10 एकड़	चारागाह तालाब	मनरेगा	अर्जुन	13\7\2024	25%	नहीं



VI. स्वच्छता एवं स्वास्थ्य

32 जलकी गुणवत्ता (पेयजलयाधरोर्म आपूर्तिकिये जानेवाले जलकी) हैण्ड पम्प							
ए	आपूर्तिकिये जानेवाले जलकी गुणवत्ता कैसी है?	उपयुक्त	अनुपयुक्त				
		<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>				
बी	पानी का स्वाद कैसा है?	कड़वा	नमकीन	सामान्य			
		<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			
सी	आपूर्तिकिये जानेवाले जलमें क्या सामान्य प्रदूषक हैं?	लवण	गंदगी	रंगबिगाड़ना	कीचड़/रेत	गंध	
	यदि हाँ तो कौन से हैं ?			पानी पीला होना			
डी	जलको शुद्ध करनेके लिए आप कौनसी विधि अपनाते हैं?	उबलना	पानीशुद्ध करनेवाला यंत्र	आयोडीन (फिटकरी) कायोग	सौरशुद्धि करण	मिट्टीके बर्तननिस्पंदन	अन्य (कृपयानिदिष्टकरें)
		<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/> कुछ नहीं

33 ठोस अपशिष्ट उत्पादन/अपशिष्ट प्रबंधन							
ए	आपके घरसे प्रतिदिन उत्पन्न होनेवाला औसत अपशिष्ट।	3 किलो					
बी	आपकी पंचायतमें अपशिष्ट का संग्रहण कैसे किया जाता है?	नहीं					
सी	अपशिष्ट संग्रहण कितनी बार होता है?	<input type="checkbox"/> दैनिक	<input type="checkbox"/> साप्ताहिक	<input type="checkbox"/> वैकल्पिक दिन (जब मन करे)			
डी	कचरा संग्रहणके लिए प्रतिघर कितना शुल्क दिया जाता है?			कुछ नहीं			
ई	क्या पंचायत में आरआरसी सेंटर (संसाधन पुनर्प्राप्तिकेंद्र) है?	हाँ	नहीं				
ए	क्या आपके इलाकेमें कोई ऐसी जगह है जहाँ कचरा फेंका जा सके? अगर हाँ, तो कृपया उस जगह का स्थान या पंचायत से दूरी बताएँ।	हाँ	नहीं	पंचायत से दूरी मिया बाकी के पास पंचायत भवन से 500 मी 0 दूर			
जी	क्या पंचायत क्षेत्रमें कोई सामान्य कूड़ेदान रखे गए हैं?	हाँ	नहीं				



ए	क्या घरेलू कचरे को सूखे और गीले कचरे की श्रेणी में अलग किया जाता है?	हाँ	नहीं <input type="checkbox"/>				
में	घरेलू स्तर पर अपशिष्ट कानिपटान कैसे किया जाता है?	पुनर्चक्रण	खाद	कृमिखाद	निपटान/डंपिंग	जलाना	अन्य (विवरण दें)
		<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>	तालाब में फेंकना
जे	सामुदायिक स्तर पर अपशिष्ट कानिपटान कैसे किया जाता है?	पुनर्चक्रण	खाद	कृमिखाद	निपटान/डंपिंग	जलाना	अन्य (विवरण दें)
		<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>	तालाब में फेंकना
34 ओडीएफ स्थिति							
ए	क्या आपका गांव ओडीएफ/ओडीएफ+ घोषित है?	<input type="checkbox"/> हाँ	<input type="checkbox"/> नहीं				
बी	स्वयं केशौचालय वाले घरों की संख्या	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			170	
सी	सामुदायिक शौचालयों की संख्या	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			प्रमुख स्थान पंचायत भवन के पास-01	
डी	क्या शौचालय का उपयोग किया जा रहा है? (हाँ/नहीं)	नहीं					
ई	यदि शौचालयों का उपयोग नहीं किया जा रहा है, तो क्यों? (सफाई का अभाव, रखरखाव का अभाव, बहुत दूर होना आदि)	जीर्ण-शीर्ण / सफाई व रखरखाव का अभाव					

35 अपशिष्ट						
ए	अपशिष्ट जल के स्रोत क्या हैं?	घरेलू <input type="checkbox"/>	वाणिज्यिक <input type="checkbox"/>	औद्योगिक <input type="checkbox"/>	कृषि पदार्थियाँ <input type="checkbox"/>	सीवेज <input type="checkbox"/>
बी	उत्पन्न अपशिष्ट जल की मात्रा (प्रति दिन लीटर में अनुमानित)	30 ली	0	0	60 Lt	
सी	गांव में अपशिष्ट जल उपचार सुविधा, यदि कोई हो	नहीं	0	0	0	
डी	अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण या पुनः उपयोग प्रथाएँ, यदि कोई हों	नहीं	0	0	0	
ई	ग्राम पंचायत में सोख गड्डों की संख्या	0	0	0	0	

36 स्वास्थ्य सुविधाएं				
	स्वास्थ्य सेवा केन्द्रों की उपलब्धता	हाँ	नहीं	उपलब्ध क्षेत्र (मी ²)
ए	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	0
बी	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	0
सी	स्वास्थ्य उप-केंद्र	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	0
डी	आंगनवाड़ी	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	0





VII. ऊर्जा

37																																					
ए	आपकीग्रामपंचायतमेंकुलकितनेघरोंमेंबिजलीपहुंचीहै? 361																																				
बी	प्रतिपरिवारक्षेत्रवारफिक्सचरकीऔसतसंख्या																																				
	<table border="1"><thead><tr><th>घर का क्षेत्रफल</th><th>ट्यूबलाइट की संख्या</th><th>एल ई डी की संख्या</th><th>सी एफ अल की संख्या</th><th>इंकन्डेस्केंट लैम्प की संख्या</th><th>पंखो की संख्या</th></tr></thead><tbody><tr><td>500 वर्ग फीट से काम</td><td>0</td><td>01</td><td>01</td><td>0</td><td>01</td></tr><tr><td>500 से 1000 वर्ग फीट</td><td>0</td><td>02</td><td>01</td><td>1</td><td>02</td></tr><tr><td>1000 से 2000 वर्ग फीट</td><td>1</td><td>03</td><td>03</td><td>2</td><td>03</td></tr><tr><td>2000 से 4000 वर्ग फीट</td><td>0</td><td>0</td><td>0</td><td>0</td><td>0</td></tr><tr><td>4000 वर्ग फीट से अधिक</td><td>0</td><td>0</td><td>0</td><td>0</td><td>0</td></tr></tbody></table>	घर का क्षेत्रफल	ट्यूबलाइट की संख्या	एल ई डी की संख्या	सी एफ अल की संख्या	इंकन्डेस्केंट लैम्प की संख्या	पंखो की संख्या	500 वर्ग फीट से काम	0	01	01	0	01	500 से 1000 वर्ग फीट	0	02	01	1	02	1000 से 2000 वर्ग फीट	1	03	03	2	03	2000 से 4000 वर्ग फीट	0	0	0	0	0	4000 वर्ग फीट से अधिक	0	0	0	0	0
घर का क्षेत्रफल	ट्यूबलाइट की संख्या	एल ई डी की संख्या	सी एफ अल की संख्या	इंकन्डेस्केंट लैम्प की संख्या	पंखो की संख्या																																
500 वर्ग फीट से काम	0	01	01	0	01																																
500 से 1000 वर्ग फीट	0	02	01	1	02																																
1000 से 2000 वर्ग फीट	1	03	03	2	03																																
2000 से 4000 वर्ग फीट	0	0	0	0	0																																
4000 वर्ग फीट से अधिक	0	0	0	0	0																																
सी	क्यापंचायत की सभी सरकारीइमारतेंविद्युतीकृतहैं?हैं																																				
डी	सभी सरकारी इमारतोंजैसेपंचायतभवन, सामुदायिकभवनआदिकाछतक्षेत्रफल (वर्गफुट) 900 वर्ग फुट																																				
ई	ग्रामपंचायतमेंस्ट्रीटलाइटोंकीसंख्याकितनीहै? 05																																				
ए फ	ग्रामपंचायतमेंसौरस्ट्रीटलाइटोंकीसंख्याकितनीहै? 08																																				
जी	ग्रामपंचायतमेंस्ट्रीटलाइट/हाईमास्टस्ट्रीटलाइटकीअतिरिक्तआवश्यकता- 17																																				

38 बिजलीकटौतीकीआवृत्ति	
ए	दिनमेंकुछबार <input type="checkbox"/> V
	दिनमेंएकबार <input type="checkbox"/>
	कोईबिजलीकटौतीनहीं <input type="checkbox"/>
बी	प्रतिदिनकितनेघंटेबिजलीगुलरहतीहै? 9 घंटे

39	बिजलीकटौतीकेदौरानउपयोगहोने वाले उपकरणों का विवरण	संख्या
	डीजलजनरेटर	05
	सौर	0
	इमरजेंसीलाइट	150
	इन्वर्टर	10



अन्यसाधन (निर्दिष्टकरें)	0
--------------------------	---

40 ऊर्जाकानवीकरणीयस्रोत			
	ए क्यागांवमेंनिम्नलिखितकीकोईस्थापनाएहैं?	स्थापनाओंकीसंख्या	कुलस्थापितक्षमता (किलोवाट)
	घरोंमेंसौरछतकीस्थापना	0	
	स्कूलोंमेंसौरछतकीस्थापना	0	
	अस्पतालोंमेंसौरछतकीस्थापना	0	
	ग्रामपंचायतभवनोंमेंसौरछतस्थापना	0	
	अन्यसौरछतस्थापनाएँ	0	
	सौरस्ट्रीटलाइट	0	
	बायोगैस	0	
	विकेन्द्रीकृतनवीकरणीयऊर्जा / मिनीग्रिड?	0	
	क्याआपसौरऊर्जास्थापनाकेलिएउपलब्धसब्सिडीकेबारेमेंजानतेहैं? (कुछयोजनाओं/कार्यक्रमोंकेबारेमेंबताएँ)	रूप टॉप सोलर के बारे में	

41	खानापकानेकेलिएउपयोग होने वाले ईंधनका विवरण	घरोंकीसंख्या	प्रतिपरिवारऔसतउपयोगमात्रा (किया/माह)
	पारंपरिकबायोमास (गायकागोबर/ईंधनलकड़ी)	121	100 किलो
	बायोगैस	0	
	रसोईगैस	245	14 किलो
	बिजली	0	0
	सौर	0	0
	अन्य (कोयला, केरोसिन, चारकोलआदि)	0	0

42 वाहनसंख्या				
	वाहनकाप्रकार	पंचायतमेंवाहनोंकीसंख्या (लगभग)	प्रयुक्तईंधनकाप्रकार	औसतयात्रादूरी (किमी/दिन)
ए	जीप	0		
बी	कारें	9	डीजल	60km
सी	दोपहियावाहन	204	पेट्रोल	30km
डी	ईवीएस	0		0
ई	ऑटो	4	डीजल	50km
ए फ	ई-रिक्शा	5	बैटरी	25km





जी	अन्य			
----	------	--	--	--

43	कृषिमशीनरी	पंचायत/मैमशीनोंकीसंख्या	प्रयुक्तईंधनकाप्रकार	औसतयात्रादूरी (किमी/दिन)
ए	ट्रैक्टर	3	डीजल	15km(केवल रवि खरीब के कटाई के दिनों में)
बी	फसलकाटनेकीमशीन	5	डीजल	10km(केवल रवि खरीब के कटाई के दिनों में)
सी	अन्य, कृपयानिर्दिष्टकरें)	0		

44	उद्योग/इंडस्ट्रीज			
	उद्योगकाप्रकार	संख्या	ऊर्जाकास्रोत ग्रिडबिजली (1) डीजलजनरेटर (2) नवीकरणीयऊर्जा (3)	ऊर्जाकीखपत प्रतिमाहप्रयुक्तबिजली (किलोवाटघंटा) प्रयुक्तईंधन (लीटर/दिन)
	00	0	0	0
	00	0	0	0



अनुलग्नक III: एचआरवीसीए रिपोर्ट



क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना

Climate Smart Gram Panchayat Plan 2024

ग्राम पंचायत-सराय जोधराय
ब्लाक-बहरिया, तहसील-फूलपुर,
जनपद-प्रयागराज (उ०प्र०)



क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत

विकास योजना

सराय जोधराय ग्राम पंचायत एक दृष्टि में-

ग्राम पंचायत	सराय जोधराय
विकास खण्ड	बहरिया
जिला	प्रयागराज
ग्राम प्रधान का नाम	श्री शुभम जायसवाल
राजस्व ग्राम की संख्या	2
टोले की संख्या	9
कुल जनसंख्या	2017
कुल पुरुषों की जनसंख्या	1021
कुल महिलाओं की जनसंख्या	996
कुल 6-14 आयुवर्ग के बच्चों की संख्या	386
कुल दिव्यांग जनों की संख्या	15
कुल परिवार की संख्या	366
गरीबी रेखा में जीवन यापन करने वाले परिवारों की संख्या	54
जनसंख्या विभाजन (परिवार)	सामान्य 62, पि0जाति-206, अनु0जाति-98
भौगोलिक क्षेत्रफल	184.0146 Hct.
साक्षरता दर	72%
पक्के घरों की संख्या	330
कच्चे घरों की संख्या	36
कुल कूओं की संख्या	38

जोखिम, खतरा, नाजुकता एवं क्षमता विश्लेषण

“जलवायु परिवर्तनशीलता - प्रवृत्ति/ परिवर्तन, मुख्य चुनौतियां, झटके एवं तनाव”

ग्राम पंचायत सराय जोधराय में पूरे वर्ष भर में गर्मी, सर्दी व बरसात का प्रभाव रहता है, जिसमें सूखा सामान्यतया जून व जुलाई में पड़ता है, वही आंधी तूफान मई से अगस्त तक रहता है। लू का प्रकोप अप्रैल अन्तिम सप्ताह से दूसरे सप्ताह तक बना रहता है और शीतलहर दिसम्बर से जनवरी तक चलता रहता है। जहां 15 साल पहले धान में तीन पानी से काम चल जाता था वही अब धान लगाने के बाद कभी पहले या बाद में बरसात न होने के कारण 5 बार सिंचाई करना पड़ता है। ग्राम पंचायत के कुल 366 घर में 250 परिवार के पास खुद का हैण्डपम्प है। जो 250 हैण्डपम्प है वे सभी 6 नम्बर वाले छोटे हैण्डपम्प हैं, जिसका जल बहुंत पहले प्रदूषित घोषित कर दिया गया है। गर्मी के दिनों में भूजल स्तर नीचे चले जाने से ज्यादातर हैण्डपम्प पानी देना बन्द कर देते हैं। कुल 38 कुओं में से 12 कुओं का जल अभी भी पिया जाता है। कुओं से जल प्राप्त करने के लिये अधिक श्रम करना पड़ता है तथा इनके जल को प्रदूषण-मुक्त करने के लिए ग्रामवासियों के पास कोई व्यवस्था नहीं है।

आपदा- खतरा जोखिम प्रोफाइल से सम्बन्धित सूचनायें निम्नवत है-

गांव को प्रभावित करने वाली आपदाओं की पहचान करना एवं प्राथमिकीकरण-

समुदाय के साथ आपदाओं के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा व बातचीत की गई, जिनसे उनके प्रभाव को एवं इसमें उत्पन्न समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। इसमें सराय जोधराय ग्राम पंचायत की मुख्य आपदा बाढ़ और सूखा है। इससे खेती, आजीविका, पेयजल एवं स्वास्थ्य तथा साफ-सफाई आदि में जोखिम की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

आपदा का इतिहास एवं क्षति—

आपदा का इतिहास एवं उनसे हुई क्षति पर सराय जोधराय के समुदाय के साथ उन आपदाओं के बारे में विचार विमर्श किया गया, जिनका व्यापक प्रभाव समुदाय एवं संसाधनों पर पड़ा है। ग्रामवासियों से मिली जानकारी के अनुसार सराय जोधराय गाँव में वर्ष 1980 में बाढ़ के समय इस ग्रामसभा का इतना विकास नहीं हुआ था। अतः दो जगहों पर मुख्य मार्ग को दो जगह से काटकर बाढ़ के पानी को निकालना पड़ा था। वर्ष 2021 में ओलावृष्टि के कारण 10 हेक्टेयर आलू, 20 हेक्टेयर सरसों, 05 हेक्टेयर मटर और करीब 40 हेक्टेयर गेहूँ नष्ट हो गयी थी। इसी प्रकार सूखा की घटना 2021 व 2023 में हुई थी, जिससे किसानों का लगभग 47 हेक्टेयर धान पूरी तरह खराब हो गया था।

आपदा की पहचान एवं प्राथमिकीकरण के आधार पर निम्न आपदायें सराय जोधराय ग्राम पंचायत को निम्न रूप से प्रभावित करती हैं—

Month	Jan	Feb	Mar	April	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
सूखा												
ओलावृष्टि												
आंधी तूफान												
शीतलहर												
जल जमाव												
लू												

ग्राम पंचायत सराय जोधराय में आपदा का ऐतिहासिक मानचित्रण व मौसमी कैलेण्डर बनाने तथा समुदाय के साथ चर्चा के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि यहाँ पिछले कुछ वर्षों के दौरान कम दिनों में अधिक वर्षा हुई है। इसी प्रकार तापमान चरम पर पहुँचने से मौसम में अधिक परिवर्तन देखने को मिल रहा है

सराय जोधराय में ओलावृष्टि 2021 में पड़ा एवं सूखा 2021 व 2023 में पड़ा था। जल जमाव यहाँ की प्रमुख समस्या है, जो प्रत्येक वर्ष समुदाय की खेती, मजदूरी एवं आवागमन को पूरी तरह प्रभावित करती है। साथ ही मई जून में अत्यधिक गर्मी का पड़ना, सामान्यतया

मानसून के दिनों जून-जुलाई माह में वर्षा का न होना, कम होना आदि सूखा पड़ने के संकेत विगत कई वर्षों से देखने को मिल रही है, जिसका दूरगामी प्रभाव सिंचाई, पेयजल, खाद्यान्न उत्पादन एवं पशुपालन और चारे आदि पर पड़ रहा है। जहाँ धान में पिछले 15 वर्षों में तीन बार पानी देना पड़ता था जबकि अब पाँच बार पानी देना पड़ता है। खरीफ की फसल प्रभावित हो रही है, वही दूसरी तरफ रबी की फसल भी ओलावृष्टि के कारण 95 एकड़ में लगभग 40% तक प्रभावित हुई है। इन सब के बावजूद पुरानी सोच के 20% लोग अभी भी पराली जलाते हैं, जिससे स्थानीय पर्यावरण को काफी नुकसान होता है।

जलवायु परिवर्तन जनित आपदा के आकलन तथा उपरोक्त आपदाओं के आधार पर होने वाले नुकसान का आकलन-

ग्राम सभा जोधराय में संभावित जोखिम, समुदाय एवं संसाधनों पर पड़ने वाले अनुमानित प्रभाव एवं उनसे प्रभावित समुदाय व संसाधन आदि की विस्तृत जानकारी स्थानीय लोगों से चर्चा के उपरांत प्राप्त किया गया, इस पूरी प्रक्रिया में समुदाय के सभी वर्गों, महिला, पुरुष, किशोरी सामान्य दलित एवं वंचित समुदाय की सक्रिय भागीदारी रही है।

आपदाओं का ग्राम सभा सराय जोधराय के पर्यावरण और आधारभूत संरचना के साथ साथ मानव जीवन, आजीविका एवं स्वास्थ्य आदि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। ओलावृष्टि, सूखा व जलजमाव यहाँ की प्रमुख आपदायें हैं। राजस्व गाव तेलिया वीर में पानी का निकास न होने के कारण ठाकुर यादव बस्ती, ब्राह्मण बस्ती व सरोज बस्ती के करीब 55 घर प्रभावित होते हैं। इसी प्रकार सराय जोधराय में यादव बस्ती, गुप्ता बस्ती एवं दलित बस्ती करीब 80 घर वर्षा अधिक होने पर जुलाई से सितम्बर माह के बीच प्रभावित रहते हैं। जिसमें सबसे खराब स्थिति सराय जोधराय की दलित बस्ती में तब और हो जाती है, जब बस्ती से सटे हुए तालाब का गन्दा पानी उनके घरों में आने लगता है।

ग्राम पंचायत सराय जोधराय में जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उसका विवरण निम्नवत -

खतरा एवं जोखिम विश्लेषण से प्राप्त सूचनाएं-

क्रम	आपदा / खतरा	संभावित जोखिम के क्षेत्र	संभावित जोखिम प्रभावित क्षेत्र			
			जोखिम	आबादी	घर	संसाधन
1	सूखा	पेयजल	जल स्तर का नीचे जाना	पूरा गांव	166	250 इण्डिया मार्का हैण्डपम्प का जल

			पेयजल की कमी का संकट			स्तर नीचे चला जाता है। 12 कूआँ
		कृषि	पैदावार कम होना सिंचाई की लागत का अधिक होना	पूरा गांव	363	135.990 हे0
		पशुपालन	जानवरो को चारा का संकट, तापमान बढ़ने से बीमारियां दूध का उत्पादन कम होना	गाय-51 भैस-168 बकरी-76	168 परिवार	295 जानवर प्रभावित हुए
2	बाढ़/जल जमाव	पेयजल	पेयजल का दूषित होने से जल जनित बीमारियों का प्रकोप	दलित, सरोज, गुप्ता, मिश्रा एवं यादव बस्ती	124 परिवार	15 हैण्ड का पानी प्रदूषित
		स्वच्छता	ठोस अपशिष्ट का बहकर फैल जाना	दलित, सरोज, गुप्ता, मिश्रा एवं यादव बस्ती	104 परिवार	खडन्जा, इण्टरलॉकिंग का न होना एवं 104 परिवारो को शौचालय की दिक्कत
		स्वास्थ्य	जल जनित बीमारियां, टायफाइड आदि का होना	दलित, सरोज, गुप्ता, मिश्रा एवं यादव बस्ती	124 परिवार	लगभग 55 लोग बीमारियों से प्रभावित
		शिक्षा	आवागमन बाधित होने से कक्षा 6 से 8 के 80 से 90 बच्चों के लिये विद्यालय की दूरी का अधिक होना विद्यालय में उपस्थिति कम होना, ड्राप-आउट	दलित, सरोज, गुप्ता, मिश्रा एवं यादव बस्ती	124 परिवार	घर और रास्ते पर जल भराव के कारण आवागमन बाधित होता है।
3	लू	स्वास्थ्य	मानव और पशुओ को लू लगना स्वास्थ्य खराब होना	पूरा गांव	20 परिवार	20 घर में स्वास्थ्य सेवाओं का बाधित होना, एवं पेयजल स्रोतों का सूख जाना, चारा का

4	शीतलहर	स्वास्थ्य	मानव एवं जानवरों को ठण्ड लगना	श्वास की बीमारी में वृद्धि	366 घर	सूख जाना शीतलहर के प्रकोप से मानव स्वास्थ्य की हानि, 221 वृद्धजन बुरी तरह प्रभावित
		कृषि	शीतलहर से फसलों को नुकसान	363 परिवार	—	135.990 हे० खेत
		पशुपालन	पशु क्षति	पूरा गांव	168 पशुपालक	प्रत्येक वर्ष 8 बकरी, 2 गाय और 2 भैंस प्रभावित

आजीविका के संसाधनों पर आपदा का प्रभाव—

सराय जोधराय ग्राम पंचायत की आजीविका का मुख्य साधन कृषि, कृषिगत मजदूरी पशुपालन, हस्तकला व छोटी दुकानें हैं, जिससे ग्रामीण अपना जीवन यापन करते हैं। आजीविका के साधन आपदा से सर्वाधिक प्रभावित होते हैं।

विस्तृत विवरण हेतु संलग्न संख्या-05 देखें

नाजुकता विश्लेषण— ग्राम पंचायत सराय जोधराय आपदाओं का बार-बार सामना करने से प्रभावित समुदाय सामाजिक, आर्थिक रूप से कमजोर हो जाता है। समुदाय ग्राम पंचायत की आपदा की दृष्टि से सुरक्षित बनाने की दिशा में नाजुक समुदाय, नाजुक संसाधन, नाजुक स्थल का जानना अति आवश्यक है। इसे जानने को लिए समुदाय के साथ आशा, आगनवाडी कार्यकर्त्री, सफाई कर्मी, पंचायत सहायक, वार्ड मेम्बर आदि की मदद से नाजुक वर्ग एवं स्थल की जानकारी ली गयी, जिसमें दोनो राजस्व ग्राम सराय जोधराय और तेलियाबीर के 09 पुरवे सरोज बस्ती, दलित बस्ती, गुप्ता बस्ती, मिश्रा बस्ती, यादव बस्ती, पाल बस्ती, सिंह बस्ती, मुस्लिम बस्ती, यादव बस्ती द्वितीय में फोकस ग्रुप चर्चा के माध्यम से आपदा के कारण प्रभावित होने वाले ग्राम पंचायत में स्थित संसाधनों एवं आंकड़ों की जानकारी प्राप्त की गई।

1- सूखा—

ग्राम सभा सराय जोधराय में समुदाय के साथ चर्चा से यह निकल कर आया कि मौसम के बदलाव के कारण ग्राम पंचायत में सूखा व जल भराव दोनो बड़ी समस्यायें हैं परन्तु सूखे से

पूरा गांव प्रभावित होता है जबकि जल भराव से सभी किसान प्रभावित होती है अगर भारी जल वर्षा हुई तो राजस्व ग्राम तेलिया वीर और जोधराय का दलित बस्ती सर्वाधिक प्रभावित होती है। इसी प्रकार इस ग्राम पंचायत की एक और प्रमुख समस्या सूखा भी है। समुदाय के साथ चर्चा से यह तथ्य निकलकर आया कि सूखा इस ग्राम पंचायत की प्रमुख समस्या है। आज से 18 वर्ष पहले बरसात मई माह से सितम्बर माह तक होती थी। किन्तु विगत 7-8 वर्षों से बरसात के मौसम में जून में बारिश हुई ही नहीं। जुलाई माह में 1-2 बार बारिश होती है। कभी कभी तो अतिवृष्टि की संभावना हो जाती है और बाद में सूखे की स्थिति बनी रहती है।

सूखे की स्थिति में निम्नलिखित गतिविधियां और वृद्धि कर रही है—

- खेतों में केवल रासायनिक खाद का प्रयोग किया जाता है, जैविक खाद का प्रयोग लगभग शून्य के बराबर है।
- वृक्षारोपण का अभाव है। सड़क के किनारे खेतों के मेड़ों पर कृषि व सामाजिक वनिकी का अभाव है।
- गांव के खेत में मेड़बन्दी जैसी जल संरक्षण गतिविधियों की कमी है। गांव में चारागाह के आस-पास मेड़बन्दी की गई है। बारिश में किसान मेड़बन्दी करते हैं।
- गांव में कुल 38 कुएं हैं, जो भूमिगत जल का स्तर बढ़ाने का कार्य कर सकते हैं परन्तु इसमें से केवल 12 कुओं का पानी साफ है या सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए 12 कुएं का उपयोग किया जाता है। बाकी कुएं पाट दिये जा रहे हैं या पटने की स्थिति में आ गये हैं। इसमें खरपतवार, मिट्टी एवं कूड़े-करकट आदि भरा पड़ा है। परिणाम स्वरूप इन कुओं के साथ साथ आस-पास के तालाबों की भी जल धारण क्षमता प्रभावित हो रही है।
- गांव में कुछ स्थानों पर बाग-बगीचा है, परन्तु सड़क के किनारे व तालाब के किनारों पर वानिकी / वृक्षारोपण का अभाव दिखता है।
- 15 प्रतिशत बड़े किसान पराली भी जला रहे हैं, जिससे भी पर्यावरण को काफी नुकसान हो रहा है। 8 से 10 बड़े किसान हैं जो मशीन से कटाई कराते हैं, उन्ही के खेतों में पराली जलाने का कार्य होता है।

सूखा का समुदाय पर प्रभाव—

- सूखे से यहाँ का पेयजल प्रभावित हुआ है। माह मई व जून के दिनों में 6 नम्बर वाले सभी 250 हैण्डपम्प का जलस्तर नीचे चला जाता है। यहाँ तक कि गांव में लगे 03 सरकारी इण्डियामार्का हैण्डपम्प भी पानी कम देने लगते हैं।
- सूखा के प्रभाव से खरीफ की फसल की सिंचाई लागत बढ़ जाती है। भूमि में जलस्तर कम होने के कारण जो दो बार सिंचाई से काम चल जाता था उसके स्थान 5 बार सिंचाई करानी पड़ती है, जिससे सिंचाई लागत बढ़ने से किसान प्रभावित होते हैं। अर्थात् किसानों

की सिचाई लागत बढ़ रही है। 2021 में सूखा पड़ने से 47 हे0 धान व मक्के की फसल खराब हो गई थी।

- सूखे के प्रभाव से जानवरों को चारे का संकट उत्पन्न हो जाता है और दुग्ध उत्पादन में कमी हो जाती है।

2-जल भराव-

जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप ग्राम पंचायत सराय जोधराय में बारिश के मौसम में जहाँ दोनों राजस्व ग्राम सराय जोधराय और तेलिया वीर के 09 पुरवों सरोज बस्ती, दलित बस्ती, गुप्ता बस्ती, ब्राह्मण बस्ती, यादव बस्ती, पाल बस्ती, ठाकुर बस्ती, मुस्लिम बस्ती और पटेल बस्ती में **फोकस ग्रुप चर्चा** के माध्यम से आपदा के कारण प्रभावित होने वाले ग्राम पंचायत में लोगों की स्थिति और संसाधनों एवं आंकड़ों की जानकारी प्राप्त की गई। **फोकस ग्रुप चर्चा** में निकल कर आया कि नाली की उपयुक्त गहराई व साफ-सफाई न होने के कारण सराय जोधराय व अन्य जगहों पर पानी भरने से गन्दगी इत्यादि हमेशा बनी रहती है। जिसका मुख्य कारण सराय जोधराय ग्राम पंचायत में एक अदद बड़े नाले की आवश्यकता है। जल भराव की समस्या को दूर करने के लिये कुल 09 पुरवों में 12 छोटी नाली की आवश्यकता है। तेलियावीर, सरोज बस्ती, सराय जोधराय, पटेल बस्ती में तालाब पर अतिक्रमण के कारण भी जल भराव की समस्या उत्पन्न होती है, जिसे दूर करने की आवश्यकता है।

समुदाय पर जल भराव का प्रभाव-

- ग्राम पंचायत सराय जोधराय में जल भराव जून से लेकर अगस्त सितम्बर तक बनी रहती है।
- ग्राम पंचायत सराय जोधराय के 9 पुरवे में नाली न होने के कारण जल जमाव होता है। जिससे इस समस्या को लगभग 12 नाली निर्माण से दूर किया जा सकता है।
- जल भराव की समस्या के कारण रास्ता प्रभावित होता है, जिससे ग्राम पंचायत के छोटे बच्चे, जो कक्षा 6 से 8 में पढ़ते हैं उन्हें विद्यालय जाने में समस्या का सामना करना पड़ता है। इससे सर्व शिक्षा अभियान जैसी योजना भी प्रभावित होती है।
- ग्राम पंचायत के 15 दिव्यांगजनों को भी जल जमाव से प्रभावित होना पड़ता है।
- 170 परिवार ऐसे हैं, जिनके पास प्रत्यक्ष रूप से शौचालय नहीं है, जिसके कारण वे लोग खेतों, सड़कों आदि का प्रयोग शौचालय के रूप में करते हैं, जिससे जल भराव के समय मल-मूत्र से तरह-तरह की बीमारियां उत्पन्न होने का खतरा बना रहता है और पेयजल स्रोत भी दूषित हो जाते हैं।

3. लू लगना-

सराय जोधराय ग्राम सभा मे गांव को प्रभावित करने वाली आपदा में गर्मियों के दिनों में अप्रैल से जुलाई के प्रथम सप्ताह तक लू की स्थिति बनी रहती है। गर्म हवायें चलती है जिससे जन-जीवन अस्त-व्यस्त रहता है। इससे समुदाय के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मानव एवं पशुओं पर इसका विशेष प्रभाव पड़ता है। पशुओं के चारे एवं पेयजल की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। 366 परिवार में से 143 परिवार ऐसे हैं, जिसमें महिलायें घर में और पुरुष बाहर मजदूरी का कार्य करते हैं। लू चलने के कारण उनकी अजीविका भी कम हो जाती है।

4. शीतलहर—

सराय जोधराय ग्राम पंचायत में ग्राम वासियों से चर्चा में निकलकर आया कि जहाँ पहले शीतलहर दिसम्बर माह से 15 जनवरी तक ही रहती है। शीतलहर मानव एवं पशुओं के साथ-साथ कृषि को भी प्रभावित करता है। शीतलहर और बीमारी से प्रत्येक वर्ष करीब 5 से 8 जानवरों की मृत्यु हो जाती है। जिसमें बकरियों की संख्या अधिक होती है। गाय और भैसों के दूध देने में कमी आ जाती है। शीतलहर का प्रकोप आलू, दलहन, तिलहन पर भी पड़ता है। ग्राम पंचायत में जलावन हेतु लकड़ी की समस्या उत्पन्न होती है। सबसे बड़ी समस्या आजीविका की है। शीत लहर से ग्राम पंचायत के सभी 366 परिवारों के साथ साथ 168 परिवारों पर ज्यादा प्रभाव पड़ता है, जो दिहाड़ी मजदूर हैं। इन मजदूर परिवारों के जीवन-यापन का घोर संकट उत्पन्न हो जाता है।

उपरोक्त के अतिरिक्त गांव में समुदाय के व्यवहार परिवर्तन एवं ढांचागत कमियाँ हैं, जो निम्नवार हैं—

- सराय जोधराय में 366 परिवारों में से 247 परिवार पशुपालन का कार्य करते हैं, जिसमें गाय को 51 परिवारों ने पाला है भैस 168 परिवारों ने पाला है बकरी 76 परिवारों ने पाला है एवं मुर्गी पालन 3 परिवारों ने किया है। किन्तु गोबर का प्रयोग जैविक खाद एवं कम्पोस्ट खाद बनाने हेतु नहीं करते हैं। ज्यादातर लोग इसका ढेर लगाकर कण्डे के रूप में या सीधा खेतों में फेकवा दिया करते हैं।
- कृषि गत गतिविधियों कीटनाशक, खरपतवार नाशक एवं रसायनिक खादों का प्रयोग किया जाता है। गांव में गीला एवं सूखा कचरा इकठठा होकर गलियों एवं खड़न्जों पर किनारे पड़ा रहता है। 4 कूड़ेदान गांव में लगा है, जिसकी नियमित सफाई व उठाई नहीं होती है।
- मानसून के दिनों में जल जनित बीमारियों की शंका बनी रहती है। जिससे दोनो राजस्व ग्राम सराय जोधराय और तेलिया वीर के 09 पुरवे सरोज बस्ती, दलित बस्ती, गुप्ता बस्ती, मिश्रा बस्ती, यादव बस्ती, पाल बस्ती, सिंह बस्ती, मुस्लिम बस्ती, यादव बस्ती द्वितीय ज्यादा प्रभावित होती है।

- गांव में समुदाय आधारित संस्थाओं की कमी है। सामुदायिक अनाज बैंक/युवा मण्डल दल/महिला मण्डल/धार्मिक मण्डल/फार्मस प्रोड्यूसर कम्पनी आदि सामाजिक संगठनों की कमी है। 10 महिला समूह बने हैं। समूह में व्यक्तिगत लाभ व व्यक्तिगत सोच की प्रधानता दिखती है। इस कारण आपदा के समय समुदाय को सरकारी एवं बाहरी सहायता पर निर्भर रहना पड़ता है।
- लोगो में जानकारी एवं जागरूकता का आभाव है। जिसके फलस्वरूप लोगों को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी न होने के कारण लाभ से वंचित रह जाते हैं। जिससे समुदाय की नाजुकता बढ़ जाती है। लोग पशुपालन तो करते हैं परन्तु इन्हें पशु बीमा, फसल बीमा, आदि की जानकारी नहीं है।
- समुदाय स्तर पर सहकारी समितियाँ क्रियाशील नहीं हैं। विद्यालय प्रबन्धन समिति, ग्राम स्वास्थ्य-स्वच्छता एवं पोषण समिति और पंचायत की सभी समितियों में जागरूकता की कमी है।
- इसी प्रकार कृषि परामर्श, मौसम पूर्वानुमान आदि चेतावनी तंत्र का आभाव है, जो यहाँ के लोगों की नाजुकता में और वृद्धि करता है।
- ग्राम पंचायत में 366 घरों में 90 घरों के पास पक्का सुविधाजनक शौचालय उपलब्ध है। 80 घरों के पास सरकारी शौचालय जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। जिनका प्रयोग न के बराबर होता है। 170 परिवार बाहर खेत आदि में जाने को मजबूर है, क्योंकि उनके पास शौचालय नहीं है। इससे ग्राम पंचायत में गन्दगी का अम्बार लगा रहता है।
- गांव का पंचायत भवन भी जीर्ण शीर्ण अवस्था में है, जिसके मरम्मत की आवश्यकता है।
- ग्राम पंचायत में **सामुदायिक शौचालय** बना है, किन्तु वह भी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। गन्दगी व साफ सफाई के अभाव में समुदाय के लोग भी सार्वजनिक शौचालय के उपयोग के लिये जागरूक नहीं है।
- प्राथमिक विद्यालय में 81 बच्चे नामित है किन्तु बच्चों की उपस्थिति न के बराबर होती है। केवल सरकारी लाभ के समय ही बच्चों की पूरी उपस्थिति स्कूल में देखी जा सकती है।
- आंगनबाड़ी केन्द्र ग्राम पंचायत के स्कूल में ही चलता है। किन्तु आंगनबाड़ी में भी बच्चों की उपस्थिति न के बराबर होती है।
- कार्यवाहक ए0एन0एम0 द्वारा वी0एच0एस0एन0सी0 द्वितीय शनिवार को होती है, किन्तु अभी एयनयम0 बदलने के कारण गर्भवती महिलाओं का नियमित टीकाकरण और ए0एन0सी0/पी0एन0सी0 जांच नहीं हो पा रही है।

4. क्षमता विश्लेषण-

आपदाओं के सम्बन्ध में गांव को क्लाइमेट स्मार्ट बनाने की दृष्टि से गांव स्वयं में कितना सक्षम है, इसकी जानकारी हेतु समग्र ग्राम पंचायत की क्षमता का आकलन किया

गया। जिसमें पता चला कि जलवायु परिवर्तन एवं उससे उत्पन्न होने वाली आपदाओं एवं खतरों से गांव के साथ आस-पास उपलब्ध संसाधन भी प्रभावित होते हैं। यह संसाधन पर्यावरणीय एवं मानव संसाधन के रूप में उपलब्ध होते हैं। इनकी पहचान होने से आपदा से निपटने में आसानी होती है और ये संसाधन भी मददगार साबित होते हैं।

ग्राम पंचायत सराय जोधराय, करनईपुर दांदूपुर मार्ग के पश्चिम की तरफ स्थित है। जो जिला मुख्यालय प्रयागराज से 50 किमी दूर है। जहां एक मात्र प्राथमिक विद्यालय एवं पंचायत भवन अमृत वाटिका चारागाह 24 तालाब एवं ओपेन जिम है। यह गांव जिले का सीमावर्ती होने के कारण काफी पिछड़ा व सुविधा विहीन है। यहां के ग्रामवासियों को अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। अच्छा जीवन यापन करने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, आजीविका, यातायात साधनों की जरूरत होती है, जिसके लिये ग्रामवासियों को संघर्ष करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत के रास्ते सुविधा जनक नहीं है। प्राथमिक विद्यालय में 83 बच्चें है लेकिन गांव के छोर पर बना होने के कारण बच्चों की उपस्थित कम रहती है। आजीविका के लिये 40 प्रतिशत ग्रामवासी कृषि के साथ-साथ मजदूरी का भी कार्य करते है। ग्राम पंचायत का 3 परिवार ऐसा है जो केवल मजदूरी पर ही आश्रित रहता है। स्वास्थ्य जांच के लिये गर्भवती महिलाओं को ए0एन0एम0 के नियमित न आने पर 07 किमी दूर करनई जाना पड़ता है। किशोरियों के लिये 6 से 8 तक का विद्यालय दूसरी ग्राम पंचायत सराय जीतराय पूरे भावा में है। जिसके लिये 4 किमी दूर जाना पड़ता है, जिससे बालिकाएं ड्राप आउट हो जाती है। इसके अलावा रास्ते में सराय जोधराय से तिलई बाजार मुख्य मार्ग के बीच बाग वाली जगह पर सुनसान होने से छेड़छाड़ की घटनाओं की डर से ड्राप आउट हो जाने के कारण किशोरियां उच्च शिक्षा से वंचित हो रही है। ग्राम पंचायत की 06 समितियों को क्रियाशील करने की आवश्यकता है। ग्राम पंचायत में 38 कूएं हैं, जिसमें 12 कूओं का पानी पीने योग्य है। शेष कूएं जिसकी मरम्मत कराकर उसे सुसज्जित किया जा सकता है। इससे उसका पानी दैनिक जीवन के उपयोग में लाया जा सकता है। 26 कूएं पट गये है या पानी गंदा है, जिसका जल पीने योग्य नहीं है। इन कूओं का प्रयोग सोकपिट बनाकर जल संचय के लिये किया जा सकता है। ग्राम पंचायत में पानी की टंकी बन रही है, लेकिन वह दो ठेकेदारों के विवाद में अधूरी पड़ी है। गांव में 250 परिवार 6 नम्बर वाले हैण्डपम्प का पानी पी रहे हैं। 40-50 परिवार दूसरे के नल पर आश्रित हैं। गांव के 11 परिवार ऐसे मिले जो समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये अधिक से अधिक सरकारी लाभ/योजनाओं से जोड़ने की आवश्यकता है। ग्राम पंचायत में 74 विधवा महिलायें मिली, जिसमें से 9 की पेंशन लगना अति आवश्यक है। गांव में उच्च शिक्षित व नौकरी पेशा 10 महिलायें मिली। ग्राम पंचायत सराय जोधराय में 221 वृद्धों की संख्या है। 183 किशोरी है। सारी लड़कियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और मिशन शक्ति योजना के बावजूद 183 लड़कियों को अपनी उच्च शिक्षा को प्राप्त करने के लिये प्रतिदिन संघर्ष करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत में खड़न्जा, नाला, सौर ऊर्जा आदि का आभाव है। ऐसी स्थिति में ग्राम सभा में 15 सदस्य दिव्यांगजन हैं। जिसमें से 12 सदस्य

चलने-फिरने में अक्षम है। जिनकों अपनी मूलभूत जरूरत शौचालय इत्यादि के लिये प्रतिदिन समस्या का सामना करना पड़ता है। प्रत्येक दिव्यांगजन के लिये शौचालय की व्यवस्था नितान्त आवश्यक है। ग्राम पंचायत में 366 परिवारों में से 22 परिवार खुशहाल व सम्पन्न है। जो कि मात्र ग्राम पंचायत की आबादी का 6 प्रतिशत ही है। ग्राम सभा में कुल तालाबों की संख्या 24 है। जिसमें से 4 तालाबों के कुछ हिस्सों पर ग्राम पंचायत के ही दबंग व्यक्ति द्वारा अतिक्रमण किया गया है। जिसकी पहचान विवाद के डर से ग्रामवासियों के द्वारा नहीं बताई गयी। ग्राम पंचायत में करीब 20 ऐसे परिवार है, जो अपने पड़ोसी के यहां से तार खींच कर काम चलाऊ बिजली का कनेक्शन लिये हुए हैं। ग्राम पंचायत की मुख्य समस्या में विद्युत पोल का न होना भी है। करीब 200 मीटर की दूरी तक लोग लाइट का तार निजी बल्ली या बांस के सहारे अपने घर तक ले गये हैं।

सुविधा संसाधन मानचित्र से लिए गये आंकड़े तथा तथ्य-

सराय जोधराय में विशेषकर संसाधनों के संदर्भ किये गये क्षमता आकलन को तीन भागों में विभक्त किया गया है। जिसमें गांव में उपलब्ध भौतिक एवं पर्यावरणीय संसाधनों को सामाजिक मानचित्रण एवं सुविधा मानचित्र पर अंकित किया गया। जबकि मानव संसाधन के बारे में समुदाय के साथ फोकस ग्रुप चर्चा करके सूचनायें प्राप्त की गईं, जो निम्न प्रारूप में दर्ज की गयी हैं-

विवरण	संख्या	सम्पर्क व्यक्ति का नाम	मोबाइल नं०	गांव की दूरी
प्रा०वि० सराय जोधराय	01	आकृति गोयल	9721024434	1 किमी
पंचायत भवन	01	शुभम जायसवाल	9696150140	500 मीटर
आंगनबाड़ी केन्द्र	01	गीता सिंह, सुमित्रा मिश्रा	6306158734 9580281197	1 किमी
सरकारी राशन की दुकान	01	नीतू सिंह	7521868075	700 मीटर
पुलिस थाना- मऊआइमा	01	मऊआइमा	5335.233482	16 किमी
विकास खण्ड बहरिया	01	खण्ड विकास अधिकारी	9454464539	15 किमी
तहसील-फूलपुर	01	तहसीलदार	9454417824	25 किमी
जिला प्रयागराज	01	जिलाधिकारी	9454417517	48 किमी
प्रा० स्वा० केन्द्र- करनईपुर	01	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र		7 किमी
तिलई मोड़ तेलियावीर बाजार	01	मुख्य बाजार		3 किमी
कृषि क्रय केन्द्र	01	तिलई मोड़		3 किमी

जिला न्यायालय	01	प्रयागराज		48 किमी
जिला चिकित्सालय	01	प्रयागराज		48 किमी
बिजली घर	01	बहरिया		15 किमी

भौतिक संसाधनों की उपलब्धता एवं गांव से उनकी दूरी—

क्रमांक	संसाधन	संख्या	विवरण/नाम	दूरी
पर्यावरणीय संसाधन:-				
1	तालाब	24	7 तालाब तेलियावीर, 17 तालाब सराय जोधराय	4 किमी0
2	कूआ	38	12 कुएं तेलियावीर, 26 कूएं सराय जोधराय में	4 किमी0
3	नाली	01	80 मीटर नाली सराय जोधराय	0.1 किमी0
4	बाग	05	04 बाग तेलियावीर 01 बाग सराय जोधराय	4 किमी0
5	नहर	1	पूरब से पश्चिम 1.5 किमी0	1.5 किमी0
6	कृषिगत क्षेत्र	135.990 हे0	—	2.5 किमी0
7	खुला क्षेत्र/ सामुदायिक भूमि	184.0146 हे0	—	3 किमी0

उपलब्ध मानव संसाधन संख्या -

मानव संसाधन				
1	ग्राम प्रधान	01	शुभम जायसवाल	9696150140
2	प्रधानाध्यापक		आकृति गोयल (प्र0अ0)	972102443
3			प्रमोद कुमार वर्मा (स0अ0)	—
4			स्नेह लता (स0अ0)	—
5			आंगनवाड़ी	02
6			सुमित्रा मिश्रा	9580281198
7	आंगनवाड़ी	02	सीमा सिंह	9598199209
8	सहायिका		उषा सिंह	9621440335
9	आशा बहू	01	माधुरी	8188082251
10			गुड़िया शर्मा	8188082257
11	ए0एन0एम0	01	सुधा सिंह	8115103561
12	लेखपाल	01	रोहित	6306071895
13	पंचायत सचिव	01	अनिल सिंह	8318858920
14	पंचायत सहायक	01	आषीष	8400673267

15	मनरेगा मेट	01	गीता देवी	950696033
16	झोला-छाप चिकित्सक	02	सूरत पाल राम मूर्ति मिश्रा	993620226 995632346
17	सफाईकर्म	01	राजकुमार	969605595

आपदा के समय सुविधाओं व उपलब्ध संसाधनों का महत्वपूर्ण कार्य होता है। यह सुविधाएँ आपदा के प्रभाव को कम करने के लिए सहायक होती हैं। साथ ही यह भी देखना आवश्यक होता है कि इन सुविधाओं से समुदाय के लोग लाभान्वित हो रहे हैं या नहीं या फिर ये सुविधा समुदाय की पहुँच में है कि नहीं। संसाधनों से जुड़े तथ्यों की यह पूरी प्रक्रिया समुदाय की सहभागिता के आधार पर पारदर्शी तरीके से प्रदर्शित होती है, जिनका पूरा विवरण निम्न तरीके से संकलित किया गया है।

वित्तीय संसाधन-

उपरोक्त के अतिरिक्त गांव के पास वित्तीय संसाधन भी उपलब्ध है ग्राम पंचायत के पास वित्तीय वर्ष 2024-25 में उपलब्ध होने वाले सम्भावित वित्तीय संसाधनों के विवरण निम्न प्रकार होंगे

क्रम संख्या	मद	2023-24
1	15वां वित्त आयोग	4,32,860.00
2	स्वयं के राजस्व के स्रोत (ओएसआर)	4,000.00

नोट- सराय जोधराय ग्राम पंचायत में 24 तालाब है, जिसमें मत्स्य पालन / बत्तख पालन करके ग्राम सभा की आय में बढ़ोत्तरी की जा सकती है।

क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत-सराय जोधराय की कार्य योजना का निर्माण

क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना बनाने हेतु सभी अभ्यासों को करने के पश्चात सेक्टरवार जानकारी प्राप्त करने के लिए समुदाय से **फोकस ग्रुप चर्चा** की गई। इस चर्चा के दौरान सभी 5 सेक्टरों के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न बिन्दुओं की ग्राम पंचायत में वर्तमान स्थिति, उससे सम्बन्धित समस्यायें और उन समस्याओं के निराकरण हेतु कार्य योजना के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। उपरोक्त सूचनाओं, तथ्यों एवं ग्रामीणों से चर्चा व विचार-विमर्श के उपरान्त क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत की अवधारणा के तहत **सराय जोधराय में क्लाइमेट स्मार्टग्राम पंचायत विकास योजना** बनाई गयी है। इसमें आपदा, जोखिम, जोखिम के कारणों व समाधान आदि के बारे विस्तार से चर्चा के उपरान्त जानकारियों एकत्र की गई हैं।

सेक्टरवार क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत सराय जोधराय की कार्ययोजना निम्न तालिका के अनुसार है:-

क्र०सं०	कार्य का क्षेत्र	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	परिसम्पत्ति का स्थान	अनुमानित धनराशि	अवधि	योजना का परिव्यय
1	सेक्टर 1- मानव विकास सामाजिक सुरक्षा साफ-सफाई और सुरक्षा	कचरे से पटे हुए कूओं की सफाई सुरक्षा व मरम्मत का कार्य	12 कूओं की मरम्मत	शिव बहादुर रामजी शीतला प्रसाद रूपाली रामकली राम कुमार राम करण यादव सुशीला बिन्द मंगरू कनौजिया हरिशंकर	8400000.00	12माह	15वाँ वित्त आयोग

2	जैविक-अजैविक कूड़ा प्रबन्धन कूड़ा गाड़ी	02 कूड़ेदान का निर्माण 02 कूड़ा गाड़ी	राम दुलार पंचायत भवन के पास मिया बाकी के पास ग्राम पंचायत में	200000.00	03माह	15वाँ वित्त आयोग कुसुम योजना
3	वर्मीकम्पोस्ट और जैविक खाद का पिट निर्माण	03 वर्मीकम्पोस्ट का निर्माण	महात्मा पटेल के घर पर (पटेल बस्ती) भोला नाथ यादव के घर पर (यादव बस्ती) गुलाब चन्द्र प्रजापति के घर पर (प्रजापति बस्ती)	54000.00	3माह	15वाँ वित्त आयोग / मनरेगा / कृ षि विभाग
	बायोगैस निर्माण	05 बायोगैस निर्माण	शशिकान्त प्रजापति (गुप्ता बस्ती) रामकुमार यादव (यादव बस्ती) बृजेश पटेल (पटेल बस्ती) हरिकेश बहादुर (यादव बस्ती) राम कैलाश पटेल (पटेल बस्ती)	250000.00		
4	पक्की नाली निर्माण जल निकासी हेतु	12 नाली निर्माण 2900मीटर	बृजेश शर्मा के घर से तालाब तक 400 मीटर। विश्वनाथ गुप्ता के घर से कल्लू गुप्ता के घर तक 400मीटर। संजय सरोज के घर से इन्टरलॉकिंग तक 100	10150000.00	01माह बरसात के बाद	15वाँ वित्त आयोग

				700 मीटर राममणि के घर से कहराने तालाब तक 500 मीटर					15वाँ वित्त आयोग/ मनरेगा
			गन्दे पानी को गांव से बाहर निकासी हेतु मोटे साइफन लगवाना	1-एससी0 बस्ती तेलिया बीर से तिराहे नाले तक: 900 मीटर। 2-एससी0 बस्ती सराय जोधराय से बड़े तालाब तक: 500 मीटर।।	1400000.00	6 माह			
6	जल निकासी हेतु मोटे साइफन को लगवाना	दिव्यांग शौचालय निर्माण	17 दिव्यांगों के हेतु शौचालय निर्माण	जनता देवी पत्नी सोमई राम हरिशंकर सुत रामलाल पंकज सुत प्रेम यादव शिवानी पुत्री पृथ्वीपाल सानवी पुत्री सुरेन्द्र पाल राजेन्द्र सुत जगदेव पाल संजय पटेल सुत राम सजीवन बबलू सुत राम नरेश अंकित सुत बबलू राम आसरे सुत साधू आरती देवी पत्नी शम्भूनाथ किशन मिश्रा सुत राममूर्ति मिश्रा दुर्गा प्रसाद सुत राम सिंह	510000.00	3 माह			15वाँ वित्त आयोग

7	सार्वजनिक शौचालय जीर्णोद्धार	01 सार्वजनिक शौचालय	राहुल सुत विजय कुमार अजय सुत सरजू प्रसाद राम अवध सुत बाबू लाल देवेन्द्र प्रसाद सुत जगदीश	200000.00	2माह	15वाँ वित्त आयोग
7.1		100 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण का कार्य	पंचायत भवन सराय जोधराय	12,00,000.00	6 माह	15वाँ वित्त आयोग
8	हैण्डपम्प चौकी निर्माण	07 हैण्डपम्प के प्लेटफार्म निर्माण का कार्य	छेदी लाल सुत शिवराम गुप्ता मदन लाल सरोज सुत बट्टी प्रसाद मोनू राय सुत राकेश राय नीरज दलित सुत भोला दलित अशोक पाल सुत गंगादीन पाल जगत बहादुर सुत सोमई राम सराय जोधराय पंचायत भवन	70000.00	1माह	15वाँ वित्त आयोग
9	सेक्टर 2- बुनियादी आधारभूत संरचना	नया निर्माण 02	तेलियावीर विद्यालय के बगल	2000000.00	06 माह	15वाँ वित्त आयोग

10	एवं पर्यावरण				सराय जोधराय पंचायत भवन के बगल	800000.00	02 माह	15वां वित्त आयोग
11		पंचायत भवन का जीर्णोद्धार सोखा गड्ढा	01 भू-गर्भ जल प्रबन्धन हेतु 08 सोखा-गड्ढा		राजस्व गाँव सराय जोधराय में रामकुमार यादव सुत गंगादीन यादव राकेश पटेल सुत शिवान्सू पटेल देवकली पत्नी रामशिरोमणि लालजी सुत पंचम सरोज राकेश शर्मा सुत बसन्त लाल शर्मा अशोक कुमार सुत देवराज शर्मा प्रेमा देवी पत्नी विजय बहादुर राम खेलावन सुत भगवानदीन	200000.00	03 माह	15वां वित्त आयोग
12		तालाब संरक्षण	4 तालाब के संरक्षण कार्य / सफाई चौहद्दी चबूतरा वृक्षारोपण आदि का कार्य		तेलियावीर में 02- विद्यालय के पास कैराना का तालाब कोहरागढ़ तालाब सराय जोधराय में 02- शीतलपाल का तालाब लाला जायसवाल का तालाब	9500000.00	05 माह अप्रैल से अगस्त	15वां वित्त आयोग / मनरेगा / वन विभाग

13	सड़क का आर0सीसी0 इण्टरलॉकिंग	2390 मीटर तक आर सी सी इण्टरलॉकिंग का निर्माण कार्य	विश्वनाथ गुप्ता के घर से रामनाथ गुप्ता के घर तक 150 मीटर राजू सरोज के घर राजेन्द्र सरोज के घर तक 120 मीटर प्रकाश सरोज के घर से मोनू राव के घर तक 100 मीटर लालजी सरोज के घर से पक्की सड़क तक 700 मीटर बगोला बाजार से राजेश के घर तक 300 मीटर राजेश के घर से श्रीराम के घर तक 70 मीटर शिवपूजन के घर से राजकुमार के घर तक 300 मीटर राममूर्ति मिश्रा के घर कृष्ण देव के घर तक 80 मीटर हटिया तेलियाबीर सम्पर्क मार्ग से राम सुख के घर तक 150 मीटर दीपू सिंह के घर दल बहादुर के घर तक 100 मीटर	10755000.00	2 वर्ष	15वां वित्त आयोग / मनरेगा
----	------------------------------	--	---	-------------	--------	---------------------------

				लोधी दलित के घर से रामदुलार के घर तक 150 मीटर हरिचरण पटेल के घर से शंकरजी के मन्दिर तक 400 मीटर राकेश के चक से बाग तक 200 मीटर तिलई दांडूपुर सम्पर्क मार्ग से रमेश यादव के घर तक	2000000.00	06 माह	15वां वित्त आयोग / मनरेगा / वन विभाग
	मेड़बन्दी एवं वृक्षारोपण	2000 छायादार, फलदार वृक्षों का रोपण जाली के साथ पौधों की सुरक्षा का कार्य	चारगाह मियां बाकी कैराने का तालाब कोहरगढ़ा का तालाब शीतलपाल का तालाब लाला जायसवाल का तालाब		6000000.00	03 माह	कृषि विभाग
	सिचाई प्रणाली एवं कीट बीमारी	लाभार्थी कृषकों को टपक सिचाई स्पिंकलर सेट की व्यवस्था और कीट बीमारी आदि पर दवा एवं स्प्रे मशीन की व्यवस्था	सभी 09 पुरवा में				
	सौर ऊर्जा द्वारा प्रकाश की व्यवस्था	9 पुरवे में 33 जगह पर सौर ऊर्जा की	दलित बस्ती भोला के घर के सामने। दलित बस्ती तेलियावीर के	9900000.00	6 माह	15वां वित्त आयोग	

माडल के तौर पर



जीर्ण शीर्ण शौचालय



बड़ा तालाब , जहाँ



क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना के निरूपण की

सहभागिता प्रक्रिया

वातावरण निर्माण—

ग्राम पंचायत सराय जोधराय की आगामी वित्तीय वर्षों के लिए **क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना** के निरूपण हेतु ग्राम पंचायत के समग्र जन की सहभागिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से ग्राम प्रधान श्री शुभम् जायसवाल द्वारा 10 सितम्बर 2024 को पूरे ग्राम सभा में वार्ड मेम्बर आंगनवाड़ी की मदद से घर-घर सूचना दी गई कि दिनांक 11 सितम्बर 2024 को प्रा0 वि0 सराय जोधराय पर खुली बैठक का आयोजन किया गया है।

खुली बैठक—

ग्राम पंचायत सराय जोधराय के लिए क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत योजना निर्माण हेतु सभी हितभागियों के साथ ग्राम सभा की खुली बैठक का आयोजन पूर्व निर्धारित सूचना के अनुसार दिनांक 11.09.2024 को प्रा0 वि0 सराय जोधराय पर किया गया। इसी खुली बैठक में ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य, स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष, सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री, आषा, प्रधानाध्यापक एवं 09 पुरवे से वार्ड मेम्बर और पूर्व से संकलित डाटा लेकर संभ्रान्त व्यक्तियों ने इस ग्राम पंचायत की खुली बैठक में प्रतिभाग किया।

विस्तृत विवरण हेतु संलग्न संख्या-01 देखें

ट्रांजेक्ट वाक (ग्राम भ्रमण)—

ट्रांजेक्ट वाक ग्राम पंचायत सराय जोधराय में बसाहट, उपलब्ध संसाधन, उपलब्ध संविधायें ओर जोखिम आदि को समझने के लिये 09, 10 व 11 सितम्बर 2024 को वार्ड मेम्बर प्रधान, आशा, आंगनवाड़ी एवं ग्रामवासियों के साथ एफ0जी0डी0 करने के बाद हर पुरवे की जल जमाव गन्दगी शौचालय की स्थिति की वास्तविक स्थिति आदि का गहन अवलोकन किया गया।

विस्तृत विवरण हेतु संलग्न संख्या-02 देखें

सामाजिक मानचित्रण-

09 मजरों (दलित बस्ती, पाल बस्ती, मुस्लिम बस्ती, सरोज बस्ती, ठाकुर बस्ती, यादव बस्ती, पटेल बस्ती, ब्राह्मण बस्ती, गुप्ता बस्ती) के भ्रमण के उपरान्त ग्राम पंचायत में प्रा० वि० सराय जोधराय पर ग्राम वासियों की उपस्थिती में सामाजिक लीडरों द्वारा ग्राम पंचायत का संसाधन मानचित्र तैयार किया गया, जिसके आधार पर प्राप्त सूचनायें निम्न तालिका में प्रदर्शित की गयी हैं :-

विवरण	संख्या	गुणात्मक विवरण
ग्राम पंचायत की चौहद्दी एवं क्षेत्रफल	184.0146 हे०	9 पुरवों को मिलाकर बाग-बगीचे, खेती का स्थान मिलाकर
कुल टोलों की संख्या	09	पटेल बस्ती, सिंह बस्ती, सरोज बस्ती, गुप्ता बस्ती, मुस्लिम बस्ती, पाल बस्ती, दलित बस्ती, यादव बस्ती, मिश्रा बस्ती
कुल घरों की संख्या	366	9 पुरवा में
कुल पक्के घरों की संख्या	330	प्रत्येक टोले पर अधिकांश पक्के छत वाले मकान है।
कुल कच्चे घरों की संख्या	36	खपरैल कच्चे घर
आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की संख्या	54	पटेल बस्ती, सिंह बस्ती, सरोज बस्ती, गुप्ता बस्ती, मुस्लिम बस्ती, पाल बस्ती, दलित बस्ती, यादव बस्ती, मिश्रा बस्ती
विकलांगजनों की संख्या	17	9 पुरवा में
महिला मुखिया परिवारों की संख्या	50	9 पुरवा में
कुंआ	38	9 पुरवा में
तालाब	24	9 पुरवे में

जातिगत / श्रेणीगत घर का विवरण

1	पिछड़ी जाति के घरों की संख्या	206
2	सामान्य जाति के घरों की संख्या	62
3	अनु० जाति के घरों की संख्या	98
4	ग्राम पंचायत में कुल घरों की संख्या	366

विस्तृत विवरण हेतु संलग्नक संख्या-03 देखें

वातावरण निर्माण:

ग्राम पंचायत सराय जोधराय में आगामी वित्तीय वर्षों हेतु क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना के निरूपण हेतु ग्राम पंचायत के समग्रजनों की सहभागिता सुनिश्चित कराये जाने की दृष्टि से ग्राम प्रधान श्री शुभम जायसवाल के द्वारा दिनांक 10.09.2024 को पूरे ग्राम सभा के 9 पुरवे (पटेल बस्ती, ठाकुर बस्ती, सरोज बस्ती, गुप्ता बस्ती, मुस्लिम बस्ती, पाल बस्ती, दलित बस्ती, यादव बस्ती, ब्राह्मण बस्ती) में आंगनवाड़ी, आशा, वार्ड मेम्बर के सहयोग से दिनांक 11.09.2024 को ग्रामसभा की खुली बैठक आयोजित करने की सूचना दी गयी। इसके पूर्व संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम सभा के 09 पुरवों में समूह चर्चा FGD भी की गई।

खुली बैठक का आयोजन

ग्राम पंचायत सराय जोधराय के लिए क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्य योजना निरूपण हेतु विभिन्न हितभागियों के साथ ग्राम सभा की खुली बैठक पूर्व निर्धारित सूचना के अनुसार दिनांक 11.09.2024 को प्रा० वि० सराय जोधराय में खुली बैठक का आयोजन किया गया। इसी खुली बैठक में ग्राम प्रधान श्री शुभम जायसवाल वार्ड मेम्बर मेम्बर अशोक सरोज, संदीप जायसवाल, सुमन देवी, लक्ष्मी मिश्रा, राहुल सरोज स्वयं सहायता समूह की महिलायें, आंगनवाड़ी, आशा, प्रधानाध्यापक, सम्भ्रान्त व्यक्ति उपस्थित रहे। सेवा प्रदाता में प्रधान, सेक्रेटरी अनिल सिंह तथा तरुण चेतना एन०जी०ओ० से मो० नसीम अन्सारी, व सोनिया गुप्ता, हुश्रनआरा, कलावती उपस्थित रहे। वसुधा फाउंडेशन से कीर्ति और स्वाती जी उपस्थित रही। बैठक के उद्देश्य को तरुण चेतना एन०जी०ओ० के अध्यक्ष मो० नसीम अन्सारी ने बताया कि जलवायु के परिवर्तन का असर पूरा विश्व झेल रहा है।



असमय बरसात, असमय जाड़ा-गर्मी जैसा इसका बुरा प्रभाव हमारे ग्राम पंचायत एवं ग्रामवासियों पर पड़ा है। सरकार आपदा के प्रभाव को कम करने की दिशा में सतत् प्रयास कर रही है। आज की बैठक इसी उद्देश्य पर कार्य करने हेतु आयोजित की गई है। बैठक इसी आपदा के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य पर कार्य करने /योजना बनाने के लिए आज सराय जोधराय ग्राम सभा में आयोजित की गई है। उत्तर प्रदेश के 39 जनपदों के अतिरिक्त 4 जनपदों की एक-एक पंचायत में क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत की कार्ययोजना तैयार की जानी है। बड़ा हर्ष का विषय है कि प्रयागराज जनपद की एक ग्राम सभा सराय जोधराय को भी चिन्हित किया गया है। आज जलवायु परिवर्तन से हम सभी लोग प्रभावित

हो रहे हैं, उनमें प्रयागराज जिला भी सम्मिलित है। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज जिले के विकाश खण्ड बहरिया ब्लाक के सराय जोधराय ग्राम पंचायत को इस कार्य हेतु चयनित किया गया है। मौसम सम्बन्धी समस्याओं के समाधान हेतु विकास के सभी मुद्दों के साथ जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत योजना के निर्माण की प्रक्रिया पूर्ण करनी है, जिसमें हम सभी की सक्रिय सहभागिता होना जरूरी है।



ग्राम पंचायत समितियों का विवरण-

<p>प्रशासनिक समिति-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. शुभम जायसवाल-अध्यक्ष 2. अशोक कुमार 3. मदन लाल सरोज 4. राजू सरोज 5. सुमन देवी 6. अमर नाथ 7. राहुल कुमार सरोज 	<p>नियोजन एवं विकास समिति-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. शुभम जायसवाल-अध्यक्ष 2. सुमन देवी 3. संदीप कुमार 4. अशोक कुमार 5. राजू सरोज 6. मदन लाल सरोज 7. अमर नाथ यादव 	<p>स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. राजू सरोज-अध्यक्ष 2. कोमल साहू 3. संदीप कुमार 4. अशोक कुमार 5. अमर नाथ 6. राहुल सरोज 7. ज्योति सिंह
---	--	--

<p>पेयजल, स्वच्छता एवं जल प्रबंधन समिति-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. मदन लाल सरोज-अध्यक्ष 2. अशोक कुमार 3. सुमन देवी 4. संदीप कुमार 5. राजू सरोज 6. लक्ष्मी मिश्रा 7. ज्योति सिंह 	<p>निर्माण कार्य समिति-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. संदीप कुमार-अध्यक्ष 2. राहुल कुमार 3. सुमन देवी 4. राजू सरोज 5. मदन लाल सरोज 6. अशोक कुमार 7. अमर नाथ 	<p>शिक्षा समिति-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. शुभम जायसवाल -अध्यक्ष 2. मदन लाल सरोज 3. राजू सरोज 4. राहुल कुमार 5. ज्योति सिंह 6. लक्ष्मी मिश्रा 7. सुशील सिंह 8. जगज बहादुर 9. आकृति गोयल 10. मोहन लाल 11. हरीराम
---	---	---

ग्राम पंचायत सदस्यों का विवरण-

वार्ड संख्या	पंचायत सदस्य का नाम
1	अशोक सरोज सुत बनवारी लाल
2	मदन लाल सरोज सुत बट्टी प्रसाद
3	संदीप जायसवाल सुत स्वामी नाथ
4	राजू सरोज सुत स्व० छोटेलाल सरोज
5	सुमन देवी पत्नी लालजी सरोज
6	लक्ष्मी मिश्रा पत्नी राममूर्ति मिश्र
7	सुशील सिंह सुत जितेन्द्र सिंह
8	राहुल सरोज सुत शिव मूरत सरोज
9	कोमल साहू सुत सूर्यमणि
10	अमरनाथ यादव सुत राम सजीवन
11	ज्योति सिंह

ट्रान्जेक्ट वाक / ग्राम भ्रमण-

समग्र ग्राम पंचायत के जलवायु गत आपदा जोखिम को समझने की दृष्टि से खुली बैठक में उपस्थित ग्राम प्रधान , वार्ड सदस्य व अन्य समुदाय के सदस्यों के साथ सराय जोधराय ग्राम पंचायत की पटेल बस्ती, सिंह बस्ती, सरोज बस्ती, गुप्ता बस्ती, मुस्लिम बस्ती, पाल बस्ती, दलित बस्ती, यादव बस्ती, मिश्रा बस्ती से होते हुए ट्रान्जेक्ट वाक किया गया।

ट्रान्जेक्ट वाक के दौरान अवलोकन की गई स्थितियां-

भौतिक संसाधन	गांव की शुरुवात तिलई मोड़ से पश्चिम की ओर 100 मीटर चलने पर अमृत वाटिका 800 मीटर चलने पर छोटी नहर जो शारदा सहायक नहर से मिली है उसके 500 मीटर आगे चलने पर जर्जर पंचायत भवन जलजीवन मिशन के तहत बन रही पानी की टंकी अधूरी दषा में दिखा। और पंचायत भवन से ही सटा सरकारी शौचालय जीर्ण-शीर्ण अवस्था में दिखा साथ ही इण्डिया मार्का हैण्डपम्प भी ध्वस्त पड़ा मिला है।
हरित क्षेत्र	अमृत वाटिका से दक्षिण की तरफ जाने पर प्राथमिक विद्यालय पड़ता है। उसके पीछे करीब 1 बीघे का गन्दा तालाब दिखा। आस-पास पेड़ पौधे व हरा-भरा क्षेत्र दिखाई दिया। उसके आगे मिश्रा बस्ती और पश्चिम की तरफ पटेल बस्ती बसी है। वही बेनी माधव जी का आम तथा महुआ का करीब 100 पेड़ का बाग भी दिखाई दिया।
ताल तलैया	सराय जोधराय से दलित बस्ती के दक्षिण की तरफ छोटा तालाब दिखा। जहां 03 कच्चे मकान दिखे। उसके पीछे ठाकुर बस्ती के पश्चिम दिशा के रास्ते में 01 हरा-भरा तालाब दिखा। उसकी उत्तर की दिशा में कमला यादव के घर के सामने 04 बिस्वे का गन्दा सा तालाब दिखा। जिसके अगल-बगल यादवों के 16 परिवार निवास करते हैं।
बड़ी नाली	सराय जोधराय दलित बस्ती से रोड तक पटी/भटी नाली दिखी।
बसाहट	पंचायत भवन से उत्तर की तरफ 04 घर यादव के मिले जहां बस्ती के बाद सीमा समाप्त होती है यहां बसाहट दिखा।

सामाजिक मानचित्रण-

सभी मजदूरों के FGD और Transect Walk के उपरान्त प्राथमिक विद्यालय सराय जोधराय, ग्राम पंचायत सराय जोधराय पर ग्रामवासियों की उपस्थिति में कुछ सामुदायिक लीडर द्वारा संसाधन मानचित्रण तैयार किया गया, जिसके आधार पर प्राप्त सूचनायें निम्न तालिका में प्रदर्शित की गयी हैं :-

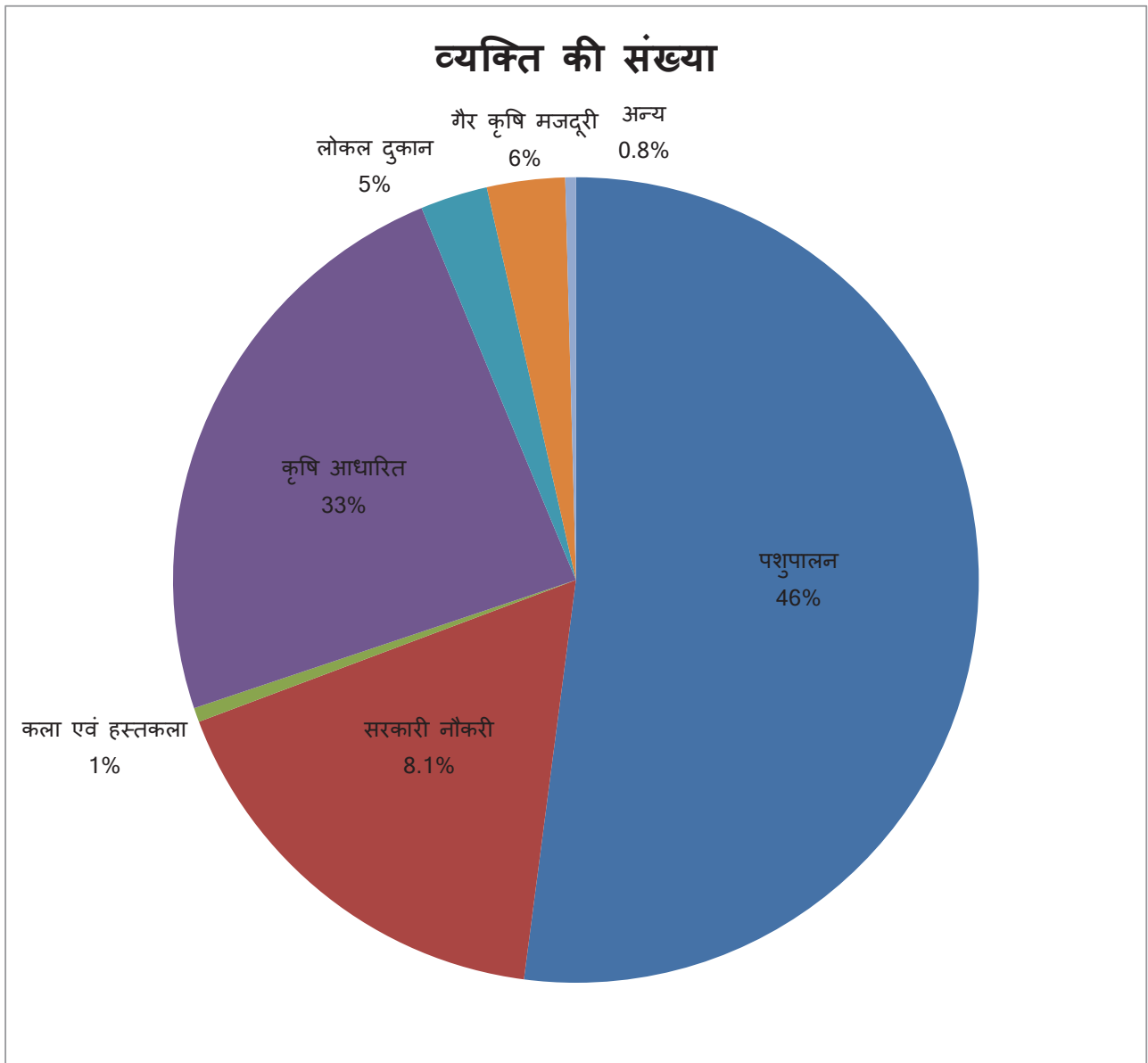
विवरण	संख्या	गुणात्मक विवरण
ग्राम पंचायत की चौहद्दी एवं क्षेत्रफल	184.0146 हे0	9 पुरवों को मिलाकर बाग-बगीचे, खेती का स्थान मिलाकर
कुल टोलों की संख्या	09	पटेल बस्ती, सिंह बस्ती, सरोज बस्ती, गुप्ता बस्ती, मुस्लिम बस्ती, पाल बस्ती, दलित बस्ती, यादव बस्ती, मिश्रा बस्ती
कुल घरों की संख्या	366	9 पुरवा में
कुल पक्के घरों की संख्या	330	प्रत्येक टोले पर अधिकांश पक्के छत वाले मकान है।
कुल कच्चे घरों की संख्या	36	खपरैल कच्चे घर
आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की संख्या	54	पटेल बस्ती, सिंह बस्ती, सरोज बस्ती, गुप्ता बस्ती, मुस्लिम बस्ती, पाल बस्ती, दलित बस्ती, यादव बस्ती, ब्राह्मण बस्ती
विकलांगजनों की संख्या	17	9 पुरवा में
महिला मुखिया परिवारों की संख्या	50	9 पुरवा में
कूआ	38	9 पुरवा में
तालाब	24	9 पुरवे में

जातिगत / श्रेणीगत विवरण—

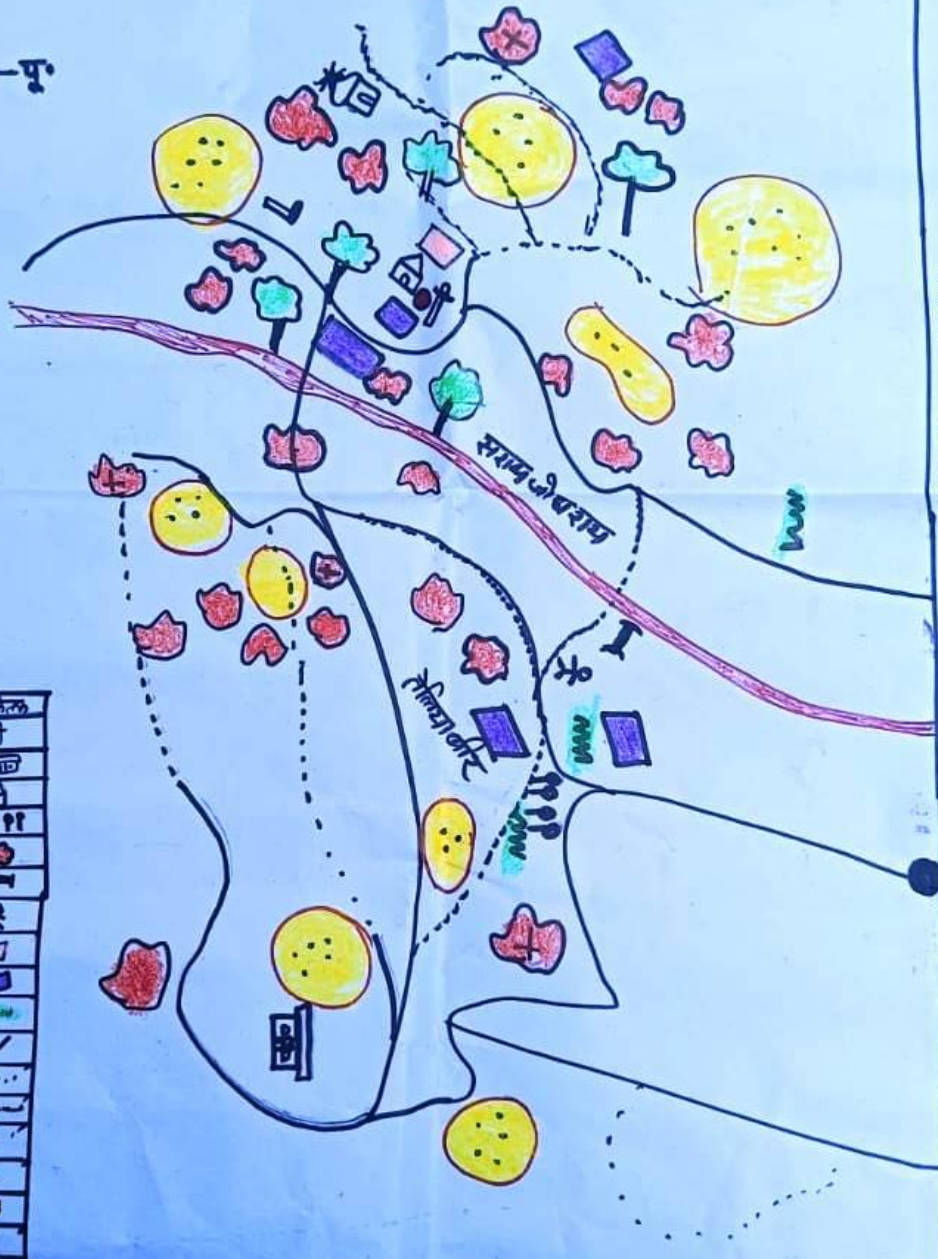
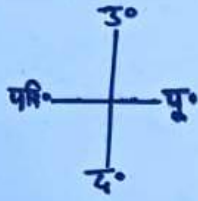
सामान्य जाति के घर की संख्या	206
पिछड़ी जाति के घरों की संख्या	62
अनुसूचित जाति के घरों की संख्या	98
ग्राम पंचायत में कुल घरों की संख्या	366

ग्राम पंचायत—सराय जोधराय जो कि करनईपुर दांदूपुर मार्ग के पश्चिम की तरफ स्थित है। जो जिला मुख्यालय प्रयागराज से 50 किमी दूर है। जहां एक मात्र प्राथमिक विद्यालय, एक पंचायत भवन, एक अमृत वाटिका, चारागाह, 24 तालाब, 38 कूपें और एक ओपन जिम है। यह गांव प्रयागराज जिले के अन्तिम उत्तरी छोर पर बसा हुआ है, जो विकास की दृष्टि से काफी पिछड़ा व सुविधा विहीन है। यहां के ग्रामवासियों को अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, आजीविका, यातायात आदि मूलभूत जरूरत के लिये ग्रामवासियों को 21वीं सदी में भी संघर्ष करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत के रास्ता सुविधा जनक नहीं है। प्राथमिक विद्यालय में 83 बच्चें हैं लेकिन गांव के छोर अर्थात एक किनारे पर बना होने के कारण बच्चों की उपस्थित कम रहती है। आजीविका के लिये 60 प्रतिशत ग्रामवासी कृषि के साथ-साथ मजदूरी का भी कार्य करते हैं। ग्राम पंचायत का 03 परिवार ऐसा है जो विकास के अन्तिम पायदान पर खड़े केवल मजदूरी पर ही आश्रित रहता है। ये परिवार है दलित बस्ती के राम अवध सुत बाबूलाल, मियादीन सुत रामलाल एवं साधना देवी पत्नी राजकुमार।

आजीविका के संसाधन



मानचित्र सरायजोधराय



राष्ट्रीय मार्ग - कुरनरि मार्ग

विलासि मोड

क्र	स्थान का नाम	चिह्न
1	पानी की देवी	†
2	मा० विद्यालय	📖
3	देवालय	🏠
4	अड्डा/पुलिस	👮
5	सड़क	🛣️
6	नाली	🚰
7	खेती का निम्न	👤
8	सुरक्षा भवन	🏢
9	दुकान	🏪
10	चारा गड	🌿
11	चमड़ा पकवा	👤
12	कच्चा भागा	⋯
13	छाया	☀️
14	फसल	🌾
15	काग	🌳
16	पुष्प	🌸
17	सुरक्षा केन्द्र	🛡️
	सूचना	•

आपदाओं का ऐतिहासिक समय रेखा चक्र व घटनाक्रम

ग्राम पंचायत सराय जोधराय का ऐतिहासिक समय रेखा, आपदाओं एवं उसके प्रभावों को जानने समझने के बाद समुदाय के साथ यह भी जानने का प्रयास किया गया कि आपदायें इस ग्राम पंचायत को कब-कब प्रभावित की हैं। इसी क्रम में इन आपदाओं का ऐतिहासिक समयरेखा जानने का प्रयास किया गया। जिसमें समुदाय ने माना कि जलजमाव एक ऐसी आपदा रूपी समस्या है, जो लगातार स्थानीय लोगों व उनके जनजीवन को प्रभावित कर रही है।

हाल ही के वर्षों में सूखा, ओलावृष्टि, लू, शीतलहर का प्रकोप ग्राम पंचायत को झेलना पड़ा है, साथ ही असमय वर्षा की मार और हाल के वर्षों में सूखा, शीतलहर व लू का प्रकोप भी ग्राम पंचायत के लोगों को झेलना पड़ रहा है। इसी के साथ विगत 3 वर्षों से कोरोना नामक बीमारी नई आपदा के रूप में उभर के आयी। लॉकडाउन में सब कुछ बन्द हो जाने के कारण बड़े पैमाने पर शहरों से गांव की तरफ लोगों का पलायन हुआ और ग्रामवासियों की लाइफलाइन खेती आधारित आजीविका भी प्रभावित हुई। स्थानीय लोगों से प्राप्त सूचनाओं को निम्नवत् दर्ज किया गया-

क्र सं०	वर्ष	आपदा / खतरा	घटनाओं का कारण	मृतकों की संख्या	प्रभावित लोगों की सं०	आर्थिक क्षति	न्यूनीकरण हेतु किया गया कार्य
1	1980	बाढ़	अधिक वर्षा	-	सम्पूर्ण ग्राम	50 हे०	कोई कार्य नहीं
2	2020 से 2021	कोरोना महामारी	महानगरों से लौटे लोग के द्वारा वायरस का फैलना	2	45	रोजगार बाधित एवं आर्थिक क्षति	टीकाकरण व राशन वितरण, कराया गया
3	2021	ओलावृष्टि	अधिक ओलावृष्टि	-	पूरा गांव	75 हे०	कोई कार्य नहीं
4	2021	सूखा	वर्षा का न होना और पर्यावरण प्रदूषण	-	पूरा गांव	20 हे०	कोई कार्य नहीं
5	2023	सूखा	वर्षा का न होना और पर्यावरण प्रदूषण	-	पूरा गांव	27 हे०	कोई कार्य नहीं

आजीविका के साधनों पर आपदाओं का प्रभाव

क्र०सं०	आजीविका के प्रकार	परिवार की संख्या	आपदा	आपदा का प्रभाव			क्या प्रभाव पड़ता है?
				अधिक	मध्यम	कम	
1	कृषि	121	जल जमाव / बाढ़				1. 122 हे० की फसल नष्ट हो गई थी। 2. एक टोले से दूसरे टोले तक आवागमन बाधित 3. धान की फसल पूरी तरह प्रभावित
			सूखा				1. सिंचाई में खर्च अधिक लगा। 2. फसल के उत्पादन में कमी
			शीतलहर				1. फसलें झुलस जाती है। 2. आलू एवं मटर में पाला की समस्या।

2	मजदूरी	385	जल जमाव / बाढ़				1. आवागमन बाधित होना। रोजगार बाधित 2. मनरेगा का कार्य न होने से स्थानीय स्तर पर मजदूरी न मिल पाना।
			सूखा				1. कृषिगत मजदूरी का कार्य नहीं मिलता है। 2. आर्थिक संकट उत्पन्न हो जाता है।

							3. खान-पान पर प्रभाव पड़ता है।
			शीतलहर				1. स्वास्थ्य खराब रहता है। 2. खर्चों में वृद्धि हो जाती है।
3	पशुपालन / मुर्गी पालन	165	जल जमाव / बाढ़				1. चारे की गुणवत्ता खराब हो जाती है। 2. फसल डूब जाने से सूखा चारा नहीं मिल पाता है। 3. चारागाह जल जमाव से खराब हो जाते हैं।
			सूखा				1. पशुओं में दुग्ध उत्पादन कम हो जाता है। 2. हरा चारा नहीं मिल पाता। 3. चूजे मर जाते हैं।
			शीतलहर				1. चारे की समस्या हो जाती है। 2. बकरियों में पोकने की बीमारी होती है। 3. चूजों की मृत्यु अधिक होती है।
4.	स्वयं का व्यवसाय	23	बाढ़ / जल जमाव				1. सामान आदि के लाने में असुविधा। 2. सामान महंगा हो जाता है। 3. कच्चा माल जल्दी खराब हो जाता है।

							4. 04 कुम्हारों का धन्धा पूरी तरह चौपट।
			सूखा				1. धन्धा मन्दा हो जाना। 2. आय से अधिक व्यय हो जाता है। 3. व्यवसाय का मन्दा पड़ जाना।
			शीतलहर				

ग्राम सभा सराय जोधराय कैमरे की नजर में



पंचायत भवन में ट्रान्जेक्ट वाक



टान्जेक्ट वॉक तेलियाबीर



यफजीडी0 / सामुदायिक बैठक



खुली बैठक

सराय जोधराय की समस्या एक नजर में







(सराय जोधराय ग्राम पंचायत का भ्रमण व अवलोकन)



(सराय जोधराय ग्राम पंचायत में जलजमाव की स्थिति)

अनुलग्नक IV: लक्ष्य, लागत, उत्सर्जन से बचाव और अनुक्रमण क्षमता का अनुमान

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियाँ	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
हरित स्थानों और जैवविविधता को बढ़ाना				
1	वृक्षारोपण गतिविधियाँ	<p>चरण 1: वर्तमान में ग्राम पंचायत में हो रही गतिविधियों के सामान (प्रधान के साथ परामर्श के दौरान जानना अनिवार्य है)</p> <p>चरण 2: भूमि की उपलब्धता के आधार पर वृक्षारोपण लक्ष्य को 500-1000 तक बढ़ाना।</p> <p>चरण 3: भूमि की उपलब्धता के आधार पर लक्ष्य को 500-1000 तक और बढ़ाना।</p>	<p>वृक्षारोपण (तैयारी, पौधारोपण, श्रम आदि)⁹¹ = ₹70 प्रति पेड़ (पौधे डीओईएफसीसी, उत्तर प्रदेश सरकार से निःशुल्क उपलब्ध हैं)</p> <p>ट्री गार्ड (धातु)⁹² = ₹1,200 प्रति इकाई</p> <p>वृक्षारोपण का रखरखाव: ₹1.5 लाख/हेक्टेयर</p>	<p>सागौन की प्रजातियों के आधार पर अनुक्रमण की क्षमता का अनुमान - प्रति पेड़ 5.6 से 10 टन कार्बन डाइऑक्साइड (tCO₂e)</p>
2	आरोग्य वन	<ul style="list-style-type: none"> 300-400 हेक्टेयर से कम क्षेत्र वाले ग्राम पंचायत के लिए, 0.1 हेक्टेयर क्षेत्र के साथ एक आरोग्य वन का सुझाव दिया जा सकता है। लगभग 1000 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली ग्राम पंचायत के लिए, भूमि की उपलब्धता के आधार पर 0.2-0.5 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले एक आरोग्य वन का सुझाव दिया जा सकता है। 		<p>कृषि वानिकी के लिए वृक्षारोपण घनत्व 100 पेड़/हेक्टेयर माना जाता है</p>
3	कृषि वानिकी	<p>(यह व्यक्तिपरक हो सकता है और कृषि-वानिकी गतिविधियाँ चरण 1 से शुरू की जा सकती हैं)</p> <p>चरण 2: कुल कृषि भूमि का 40% ; साथ ही + प्रति हेक्टेयर 100 पेड़ लगाया जाना</p> <p>चरण 3: शेष कृषि भूमि ; साथ ही + प्रति हेक्टेयर 100 पेड़ लगाया जाना</p>	<p>कृषि वानिकी की लागत⁹³ = ₹40,000/हेक्टेयर⁹⁴</p>	

91 वृक्षारोपण दिशानिर्देशों और ग्राम पंचायत से प्राप्त सुझावों के अनुसार लागत

92 लागत बाज़ार भाव के अनुसार

93 कृषि वानिकी दिशानिर्देशों पर उप-मिशन, सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन के अनुसार लागत

94 <https://link.springer.com/article/10.1007/s42535-022-00348-9>

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
----------	----------------------	---	--	------------------------------------

सतत कृषि

1	सूक्ष्म सिंचाई-ड्रिप एवं स्प्रिंकलर (छिड़काव) सिंचाई	<p>चरण 1: कुल कृषि भूमि का 30% सम्मिलित किया जाना</p> <p>चरण 2: कुल कृषि भूमि का 70% सम्मिलित किया जाना</p> <p>चरण 3: कुल कृषि भूमि का 100% सम्मिलित किया जाना</p>	₹1 लाख प्रति हेक्टेयर	
2	मेड़बंधी का निर्माण	<p>चरण 1: सम्मिलित की जाने वाली कुल कृषि भूमि का 50%</p> <p>चरण 2: सम्मिलित की जाने वाली कुल कृषि भूमि का 100%</p> <p>चरण 3: मेड़ों का रखरखाव</p> <ul style="list-style-type: none"> - मेड़ों का निर्माण कृषि क्षेत्रों की परिधि पर किया जाता है - ग्राम पंचायत में किसानों के पास विभिन्न आकारों की भूमि होती है। अनुमान : सभी खेत वर्गाकार होते हैं। 	1 मी. मेड़बंधी के लिए ⁹⁵ = ₹150	
3	कृषि तालाबों का निर्माण	<p>चरण 1: 5-10 तालाब</p> <p>चरण 2: 15-20 तालाब</p> <p>चरण 3: यदि आवश्यक हो तो अधिक + तालाबों का रखरखाव</p> <p>1 कृषि तालाब की क्षमता = 300 m³</p> <p>ग्राम पंचायत में बड़े खेतों की संख्या + तालाबों की आवश्यकता पर निर्भर करता है (प्रधान से की गई बातचीत के आधार पर)</p>	1 कृषि तालाब का निर्माण ⁹⁶ = ₹90,000	

95 एचआरवीसीए में ग्राम पंचायत से प्राप्त इनपुट के अनुसार लागत

96 एचआरवीसीए में ग्राम पंचायत से प्राप्त सुझावों के अनुसार लागत

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
4	प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाना	<p>चरण 1: कुल कृषि भूमि का 15% सम्मिलित किया जाना</p> <p>चरण 2: कुल कृषि भूमि का 40% सम्मिलित किया जाना</p> <p>चरण 3: कुल कृषि भूमि का 100% सम्मिलित किया जाना</p>	<p>a. प्रशिक्षण और प्रदर्शन (3 सत्र): ₹60,000</p> <p>b. प्रमाणीकरण (विशेषज्ञ परामर्श के आधार पर): ₹33,000</p> <p>c. फसल प्रणाली का परिचय- जैविक बीज खरीद; नाइट्रोजन संचयन संयंत्र लगाना--> प्रति एकड़ लागत = ₹2,500</p> <p>d. एकीकृत खाद प्रबंधन- तरल जैव उर्वरक की खरीद और उसका उपयोग; तरल जैव कीटनाशकों की खरीद और उसका उपयोग; प्राकृतिक कीट नियंत्रण तंत्र की स्थापना; फॉस्फेट युक्त जैविक खाद---> प्रति एकड़ लागत = ₹2,500</p> <p>e. गणना (प्रति एकड़ परिवर्तन की लागत) = a + b + c + d = ₹1,00,000</p> <p>कुल लागत⁹⁷: क्षेत्र (हेक्टेयर) * e-> 2.471 * 1,00,000 = ₹2,47,100</p>	

97 यूपी राज्य जैविक प्रमाणीकरण एजेंसी (UPSOCA_Tariff_20March.pdf (apeda.gov.in)) और राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (NMSA) दिशानिर्देश

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
----------	----------------------	---	--	------------------------------------

जल निकायों का प्रबंधन और कायाकल्प

1	वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) संरचनाएं	<p>चरण 1: सभी सरकारी/पीआरआई भवनों में</p> <p>चरण 2: सभी पीआरआई भवनों + पुनर्भरण गड्डों में वर्षा जल संचयन संरचनाओं (आरडब्ल्यूएच) की स्थापना (एचआरवीसीए में सुझाई गई)</p> <p>चरण 3: 1000 वर्ग फुट के आवासीय भवनों में आरडब्ल्यूएच संरचनाओं की स्थापना + सभी नए भवनों में आरडब्ल्यूएच प्रणाली को शामिल करना</p>	<p>10 m³ क्षमता वाली 1 वर्षा जल संचयन संरचना की लागत⁹⁸ = ₹35,000</p> <p>1 पुनर्भरण गड्डे की लागत = ₹35,000⁹⁹</p>	
2	जल निकायों का रखरखाव (यदि ये वृक्षारोपण समग्र हरित स्थान को बढ़ने के प्रयासों का हिस्सा हैं, जैसा कि ऊपर बताया गया है तो लागत की दोगुनी गणना नहीं की जाएगी)	<p>चरण 1: जल निकायों की सफाई, गाद निकालना और बाड़ लगाना + जल निकायों की परिधि के आसपास वृक्षारोपण (1000) (ट्री गार्ड के साथ)</p> <p>चरण 2: जल निकायों के आसपास अतिरिक्त 100 वृक्षारोपण (वृक्ष रक्षकों के साथ) + जल निकायों का निरंतर रखरखाव</p> <p>चरण 3: जल निकायों का निरंतर रखरखाव</p>	<p>अनुमानित लागत¹⁰⁰:</p> <p>1. 1 तालाब का जीर्णोद्धार (सफाई, गाद निकालना, जलग्रहण क्षेत्र में वृद्धि, आदि) = ₹7 लाख</p> <p>2. 1 रिटेंशन तालाब (300 m³ क्षमता) का निर्माण = ₹7 लाख</p> <p>3. ट्री गार्ड के साथ वृक्षारोपण = ₹1,200 प्रति यूनिट</p> <p>4. रखरखाव की लागत:</p> <p>a. 1 तालाब/जल निकाय = ₹3,75,000</p> <p>b. 1 प्रतिधारण तालाब = ₹50,000</p> <p>c. ट्री गार्ड वाला पेड़ = ₹20 प्रति यूनिट</p>	

98 छत पर वर्षा जल संचयन दिशानिर्देश, भारतीय मानक (IS 15797:2008)

99 एचआरवीसीए में जीपी से प्राप्त इनपुट के अनुसार लागत

100 एचआरवीसीए में जीपी से प्राप्त इनपुट के अनुसार लागत

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
3	जल निकासी और सीवेज बुनियादी ढांचे को बढ़ाना	<p>चरण 1: मौजूदा नालों की सफाई और गाद निकालना + नाली निकासी के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना (नए नालों का निर्माण)</p> <p>चरण 2 और 3: चरण 1 में किए गए कार्य जारी रखना</p>	अधिकतर एचआरवीसीए में प्रदान की गई लागतों का संदर्भ लें	

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
----------	----------------------	---	--	------------------------------------

सतत और उन्नत गतिशीलता

1	मौजूदा सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाना	चरण 1: सड़क मरम्मत/रख-रखाव कार्य + सड़क आरसीसी/इंटरलॉकिंग कार्य चरण 2 और 3: सड़कों का निरंतर रखरखाव	सड़क रख-रखाव /मरम्मत की प्रति किमी लागत ¹⁰¹ : ₹ 50,00,000 प्रति किलोमीटर	
2	माध्यम आकर के सार्वजनिक परिवहन (आईपीटी) को बढ़ाना	ग्राम पंचायत की आवश्यकतानुसार सुझावों के अनुसार ई-ऑटोरिक्शा	1 ई-ऑटोरिक्शा की कीमत: ~₹3,00,000 उपलब्ध सब्सिडी: प्रति वाहन 12,000 रुपये तक	
3	ई-ट्रैक्टर और ई-माल वाहन किराए पर लेने की सुविधा	चरण 1: डीजल ट्रैक्टरों और माल परिवहन वाहनों के इलेक्ट्रिक विकल्पों को बढ़ावा देना + किसानों को ई-वाहनों के दीर्घकालिक लाभों के बारे में जागरूक करना चरण 2 और 3: निरंतर जागरूकता	1 ई-ट्रैक्टर की कीमत = ₹6,00,000 1 कमर्शियल ई-वाहन की कीमत = ₹5 लाख से ₹10 लाख	

101 प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) दर/किमी के अनुसार लागत और एचआरवीसीए में जीपी से प्राप्त इनपुट

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
----------	----------------------	---	--	------------------------------------

सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

1	अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली स्थापित करना	<p>चरण 1:</p> <p>a. ग्राम पंचायत की घर-घर कचरा संग्रहण प्रणाली के अंतर्गत 100% घरों को शामिल करना</p> <p>b. मौजूदा कचरे का 100% एकत्र करने के लिए इलेक्ट्रिक कचरा वैन की व्यवस्था</p> <p>c. कूड़ादानों की स्थापना</p> <p>d. अन्य हितधारकों (एसएचजी, स्थानीय स्क्रेप डीलर, स्थानीय व्यवसाय और एमएसएमई) के साथ साझेदारी बनाना</p>	<p>कुल उत्पन्न कचरा = प्राथमिक डेटा, यदि उपलब्ध नहीं है, तो ग्राम पंचायत में उत्पन्न प्रति व्यक्ति औसत कचरा लगभग 80 ग्राम प्रति दिन लें;</p> <p>बायोडिग्रेडेबल/जैविक अपशिष्ट- 58%</p> <p>गैर-बायोडिग्रेडेबल/अकार्बनिक अपशिष्ट - 42%</p> <p>आवश्यक ई-कचरा वैन की संख्या¹⁰² =</p> <p>कुल उत्पन्न कचरा/प्रत्येक वैन की क्षमता (310 किग्रा)</p> <p>कूड़ेदानों की संख्या = एचआरवीसीए से या उचित स्थानों की पहचान करके अनुमान लगाया जा सकता है</p> <p>स्थान (पीआरआई भवन, सार्वजनिक भवन, पार्क, आदि)</p>	
		<p>चरण 2:</p> <p>a. अतिरिक्त कूड़ादानों की स्थापना</p> <p>b. अतिरिक्त इलेक्ट्रिक कचरा वैन की व्यवस्था</p> <p>c. मौजूदा सुविधाओं/बुनियादी ढांचे का रखरखाव</p> <p>d. साझेदारी को बढ़ाना</p>	<p>अतिरिक्त कूड़ादान = एचआरवीसीए से या उचित स्थानों (पीआरआई भवन, सार्वजनिक भवन, पार्क, आदि) की पहचान करके अनुमानित करना</p>	

102 लागत बाज़ार भाव के अनुसार

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
		चरण 3: a. रखरखाव कार्य b. साझेदारी को बढ़ाना	लागत ¹⁰³ : 1. 1 इलेक्ट्रिक कचरा वैन = ₹95,000 से 1,00,000 2. 1 कूड़ादान/कंटेनर ¹⁰⁴ = ₹15,000	
2	बेहतर स्वच्छता प्रबंधन	चरण 1: a. घरेलू शौचालय कवरेज को बढ़ाना b. दिव्यांग सदस्यों के लिए शौचालय का निर्माण चरण 2 और 3: शौचालय कवरेज बढ़ाना और मौजूदा बुनियादी ढांचे का रखरखाव	लागत ट्विन पिट वाले शौचालय: ₹12,000 दिव्यांग सदस्यों के लिए शौचालय: ₹8,00,000	
3	जैविक अपशिष्ट का प्रबंधन	चरण 1: a. सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से कम्पोस्ट और वर्मी-कम्पोस्ट गड्डों की स्थापना b. पंचायत, समुदाय के सदस्यों और किसान समूहों के बीच साझेदारी मॉडल: 1. कम्पोस्ट का उत्पादन एवं विक्रय 2. कृषि अपशिष्ट की बिक्री	कुल उत्पन्न बायोडिग्रेडेबल/ जैविक कचरा = प्राथमिक डेटा घरों, वाणिज्यिक दुकानों, सरकारी/पीआरआई भवनों, सार्वजनिक भवनों और खुले स्थानों आदि से जैविक कचरा = xxx किलोग्राम प्रति दिन (प्राथमिक डेटा के अनुसार) संभावित खाद की मात्रा (किलो प्रति दिन) जो उत्पन्न ¹⁰⁵ की जा सकती है = xxx किग्रा/दिन जैविक अपशिष्ट / 2 प्रति वर्ष __ किलोग्राम कृषि अपशिष्ट की आवधिक खाद बनाना (प्राथमिक डेटा के अनुसार)	

103 लागत बाज़ार भाव के अनुसार

104 एसबीएम गाइडलाइन्स और एचआरवीसीए में इनपुट के अनुसार लागत

105 <https://www.biocycle.net/connection-co2-math-for-compost-benefits/#:~:text=In%20the%20process%20of%20making%20compost%20>

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
		चरण 2 और 3: a. रखरखाव और कम्पोस्ट गड्डों की क्षमता बढ़ाना b. साझेदारी को बढ़ाना	लागत ¹⁰⁶ : 1. कम्पोस्ट गड्डों की लागत संदर्भ: 30 वर्मीकम्पोस्टिंग और 15 नाडेप कम्पोस्ट गड्डे = ₹4,50,000 2. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन यार्ड (जैविक और अजैविक दोनों प्रकार के कचरे के लिए) लागत संदर्भ: ₹35,00,000	
4	एकल-उपयोग-प्लास्टिक पर प्रतिबंध	चरण 1: a. सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध b. जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण कार्यक्रम c. रेस अभियान और लाइफ़ मिशन का लाभ उठाना d. पंचायत, महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों के बीच साझेदारी मॉडल	विनिर्माण के क्षेत्र में 100 महिलाओं की भागीदारी	

106 एचआरवीसीए में जीपी से प्राप्त इनपुट के अनुसार लागत

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
		<p>चरण 2:</p> <p>a. निरंतर जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम</p> <p>b. पंचायत और आस-पास के गांवों में महिलाओं, एसएचजी, एमएसएमई और व्यक्तिगत उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाना</p>	अतिरिक्त 200 महिलाएं	
		<p>चरण 3:</p> <p>a. निरंतर जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम</p> <p>b. पंचायत और आसपास के गांवों में महिलाओं, एसएचजी, एमएसएमई और व्यक्तिगत उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाना</p>	अतिरिक्त 300 महिलाएँ	

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
----------	----------------------	---	--	------------------------------------

स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुँच

1	सौर छतें	<p>चरण 1: सरकारी/पीआरआई भवन (पंचायत भवन, स्कूल, आंगनवाड़ी, पीएचसी, सीएचसी, सीएससी आदि)</p> <p>अनुमान- छत के 70% क्षेत्र की सोलर रूफटॉप लगाने के लिए उपलब्धता</p>	<p>वार्षिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन (किलोवाट में) = स्थापित क्षमता (किलोवाट) * 310 (धूप वाले दिन) * 24 (घंटे) * 0.18 (सीयूएफ) (प्रत्येक पीआरआई भवन के लिए इसकी गणना करें और कुल जोड़ें)</p> <p>स्थापित क्षमता- उपरोक्त वेबसाइट से</p> <p>कुल स्थापित क्षमता=पंचायत भवन+स्कूल 1+स्कूल 2....+कोई अन्य पीआरआई भवन</p> <p>प्रति किलोवाट लागत = ₹50,000¹⁰⁷</p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या = उत्पादित बिजली/365</p>	<p>उत्पन्न वार्षिक बिजली (किलोवाट)* 0.82/ 1000 = ___ टन CO₂</p>
---	----------	---	--	--

107 एमएनआरई और मौजूदा बाज़ार दरों के अनुसार लागत

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
		<p>चरण 2 और 3: परिवार अनुमान- छत के 70% क्षेत्र की सोलर रूफटॉप लगाने के लिए उपलब्धता मानी गई स्थापित क्षमता - 3 kWp</p> <p>चरण 2: स्थापित करने के लिए कुल पक्के घरों का 40%</p> <p>चरण 3: स्थापित करने के लिए कुल पक्के घरों का 100%</p>	<p>प्रति परिवार औसत स्थापित क्षमता = 3 kWp</p> <p>परिवार स्तर पर स्थापित कुल क्षमता = परिवारों की संख्या * 3 kWp</p> <p>वार्षिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन (किलोवाट में)= पारिवारिक स्तर पर स्थापित कुल क्षमता (किलोवाट) *310 (धूप वाले दिन)*24 (घंटे)*0.18 (सीयूएफ)</p> <p>प्रति किलोवाट लागत = ₹50,000¹⁰⁸</p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या= वार्षिक उत्पादित बिजली/365</p>	
2	कृषि-फोटोवोल्टिक	<p>चरण 2: उपयुक्त कृषि क्षेत्र का 25%</p> <p>चरण 3: उपयुक्त कृषि क्षेत्र का 50% उपयुक्त कृषि क्षेत्र – दलहनों और सब्जियों के अंतर्गत क्षेत्र (मूल्य 10 हेक्टेयर से कम रखें)</p>	<p>प्रति हेक्टेयर 250 किलोवाट स्थापित</p> <p>कुल स्थापित क्षमता = क्षेत्रफल (हेक्टेयर) * 250 kWp</p> <p>वार्षिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन (किलोवाट में)=कुल स्थापित क्षमता (किलोवाट) *310 (धूप वाले दिन)*24 (घंटे)*0.18 (सीयूएफ)</p> <p>प्रति किलोवाट लागत¹⁰⁹ = ₹1 लाख</p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या= वार्षिक उत्पादित बिजली/365</p>	

108 एमएनआरई और मौजूदा बाज़ार दरों के अनुसार लागत

109 स्थापना/लगाने की लागत बाज़ार दर के अनुसार

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
3	सौर पंप	<p>चरण 1: 20% डीजल पम्पों का बदला जाना</p> <p>चरण 2: 50% डीजल पम्पों का बदला जाना</p> <p>चरण 3: 100% डीजल पम्पों का बदला जाना</p>	<p>स्थापित क्षमता = 5.5 किलोवाट प्रति पंप</p> <p>कुल स्थापित क्षमता = बदले गए पंपों की संख्या * 5.5 किलोवाट</p> <p>वार्षिक स्वच्छ बिजली उत्पादन = कुल स्थापित क्षमता (किलोवाट) * 310 (दिन) * 24 (घंटे) * 0.18 (सीयूएफ)</p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या = वार्षिक उत्पादित बिजली / 365</p> <p>प्रति पंप लागत¹¹⁰ = ₹3 से 5 लाख</p>	<p>डीजल की खपत को कम करना = 390 लीटर/ प्रति/वर्ष</p> <p>प्रति वर्ष कम कुल डीजल खपत = बदले गए पंपों की संख्या * 390</p> <p>उत्सर्जन से बचाव = प्रति पंप प्रति वर्ष 1.05 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (tCO₂e)</p>
4	रसोई में स्वच्छ ईंधन का उपयोग	<p>चरण 1: 25% घरों में बायोगैस स्थापित + शीर्ष आय वर्ग में 25% घरों में सौर इंडक्शन कुकस्टोव + 50% परिवार जो वर्तमान में बायोमास का उपयोग करते हैं उनके पास उन्नत चूल्हों की उपलब्धता</p> <p>चरण 2: 50% घरों में बायोगैस स्थापित + 50 शीर्ष आय वर्ग के % घरों में सौर इंडक्शन चूल्हे + वर्तमान में बायोमास का उपयोग करने वाले 100% घरों में उन्नत चूल्हों की उपलब्धता</p> <p>चरण 3: 100% घरों में बायोगैस स्थापित + शीर्ष आय समूहों में 100% घरों में सौर इंडक्शन और खाना पकाने का चूल्हे की उपलब्धता</p>	<p>1 बायोगैस प्लांट की लागत = ₹50,000</p> <p>2 से 3 m³ बायोगैस संयंत्र की लागत, बिना बैटरी वाले डबल बर्नर वाले सोलर कुकस्टोव की लागत = ₹45,000</p> <p>1 उन्नत चूल्हे की लागत = ₹3,000¹¹¹</p>	

110 लागत बाज़ार दरों और पीएमकेएसवाई दिशानिर्देशों के अनुसार

111 बाज़ार दर के अनुसार लागत

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/ फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
5	ऊर्जा दक्षता (ईई)	<p>चरण 1: सभी सरकारी/पीआरआई भवनों को सभी फिक्स्चर और पंखों को ऊर्जा कुशल फिक्स्चर और पंखों से बदलना + सभी परिवारों के 1 तापदीप्त/सीएफएल बल्ब को एलईडी बल्ब से या 1 फ्लोरोसेंट ट्यूब लाइट को एलईडी ट्यूब लाइट से बदलना</p> <p>चरण 2: सभी तापदीप्त/सीएफएल बल्बों को एलईडी बल्ब से और सभी फ्लोरोसेंट ट्यूब लाइटों को एलईडी ट्यूब लाइट से बदला जाना + सभी परिवारों में 1 पारंपरिक पंखे को ईई पंखे से बदला जाना</p> <p>चरण 3: सभी परिवारों में सभी पंखों को ईई पंखों से बदला जाएगा</p>	<p>1 एलईडी बल्ब की लागत = ₹70</p> <p>1 एलईडी ट्यूबलाइट की लागत = ₹220</p> <p>1 ईई पंखे की लागत = ₹1,110¹¹²</p>	
6	सौर स्ट्रीटलाइट्स	प्रधान से प्राप्त जानकारी के आधार पर हाई-मास्ट सोलर स्ट्रीट लाइट - प्रत्येक सरकारी / पीआरआई भवन, तालाब/झील, हरित स्थान/पार्क/खेल का मैदान/उद्यान/आरोग्य वन के लिए 1 (या आवश्यकता के अनुसार अधिक)।	<p>1 हाई-मास्ट की लागत = ₹50,000</p> <p>1 सौर एलईडी स्ट्रीट लाइट की लागत = ₹10,000¹¹³</p>	

आजीविका और हृदित उद्यमशीलता को बढ़ाना

1	सौर ऊर्जा चालित कोल्ड स्टोरेज का निर्माण एवं किराये पर देना	कोल्ड स्टोरेज की स्थापना	<p>क्षमता: 1 इकाई = 5 - 10 मीट्रिक टन सब्जियों और फलों/और/या दूध और दूध उत्पादों के उत्पादन पर आधारित लागत¹¹⁴</p> <p>₹8 - ₹15 लाख प्रति यूनिट</p>	
---	---	--------------------------	---	--

112 विद्युत मंत्रालय द्वारा उजाला योजना दिशानिर्देशों के अनुसार लागत (<https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specialdocs/documents/2022/jun/doc202261464801.pdf>)

113 बाज़ार दर के अनुसार लागत

114 बाज़ार दर के अनुसार लागत

अनुलग्नक V: प्रासंगिक एसडीजी और लक्ष्य

एसडीजी 2: जीरो हंगर



लक्ष्य 2.3: भूमि, अन्य उत्पादक संसाधनों और इनपुट, ज्ञान, वित्तीय सेवाओं, मूल्यवर्धन और गैर-कृषि रोजगार के लिए बाज़ार और अवसर तक सुरक्षित और समान अभिगम सहित, छोटे पैमाने के खाद्य उत्पादकों, विशेष रूप से महिलाओं, स्वदेशी लोगों, पारिवारिक किसानों, चरवाहों और मछुआरों की कृषि उत्पादकता और आय को दोगुना करना।

लक्ष्य 2.4: वर्ष 2030 तक, सतत खाद्य उत्पादन प्रणाली सुनिश्चित करना तथा लचीली कृषि पद्धतियों को लागू करना जो उत्पादकता और उत्पादन को बढ़ाती हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में मदद करती हैं, जो जलवायु परिवर्तन, चरम मौसम, सूखा, बाढ़ और अन्य आपदाओं के अनुकूलन की क्षमता को सुदृढ़ करती हैं एवं जो भूमि और मिट्टी की गुणवत्ता में उत्तरोत्तर सुधार करती हैं।

लक्ष्य 2.a; अनुच्छेद 10.3.e.: सतत सिंचाई कार्यक्रमों का विकास

एसडीजी 3: अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली



लक्ष्य 3.3: एड्स, तपेदिक, मलेरिया और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों की महामारी को समाप्त करना तथा हेपेटाइटिस, जल-जनित रोगों और अन्य संचारी रोगों से मुकाबला करना।

लक्ष्य 3.9: खतरनाक रसायनों और वायु, जल और मिट्टी के प्रदूषण और संदूषण से होने वाली मौतों और बीमारियों की संख्या में काफी कमी लाना।

एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता



लक्ष्य 6.1: पीने के पानी तक सार्वभौमिक और न्यायसंगत पहुंच प्राप्त करना।

लक्ष्य 6.3: वर्ष 2030 तक, प्रदूषण को कम करके, डंपिंग को समाप्त करके और खतरनाक रसायनों और सामग्रियों की रिहाई को कम करके, अनुपचारित अपशिष्ट जल के अनुपात को आधा करके और वैश्विक स्तर पर रीसाइक्लिंग और सुरक्षित पुनः इस्तेमाल को बढ़ाकर पानी की गुणवत्ता में सुधार करना।

लक्ष्य 6.4: सभी क्षेत्रों में जल-इस्तेमाल दक्षता में पर्याप्त वृद्धि करना और स्थायी निकासी सुनिश्चित करना

लक्ष्य 6.5: सभी स्तरों पर एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन लागू करना

लक्ष्य 6.8: स्थानीय समुदायों की भागीदारी को समर्थन और सुदृढ़ करना

लक्ष्य 6.a : अपशिष्ट जल उपचार, पुनर्चक्रण और पुनः इस्तेमाल प्रौद्योगिकियों सहित जल और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों और कार्यक्रमों में विकासशील देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और क्षमता निर्माण सहायता का विस्तार करना।

एसडीजी 7: किफ़ायती एवं स्वच्छ ऊर्जा



लक्ष्य 7.1: किफ़ायती, विश्वसनीय और आधुनिक ऊर्जा सेवाओं तक सार्वभौमिक अभिगम सुनिश्चित करना।

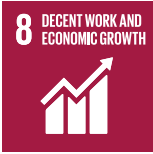
लक्ष्य 7.2: ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना

लक्ष्य 7.3: ऊर्जा दक्षता में सुधार की वैश्विक दर को दोगुना करना

लक्ष्य 7.a : नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और उन्नत और स्वच्छ जीवाश्म-ईंधन प्रौद्योगिकी सहित स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान और प्रौद्योगिकी तक अभिगम की सुविधा के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना, और ऊर्जा अवसंरचना और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी में निवेश को बढ़ावा देना।

लक्ष्य 7.b: विकासशील देशों में उनके समर्थन कार्यक्रमों के अनुसार सभी के लिए आधुनिक और सतत ऊर्जा सेवाओं की आपूर्ति के लिए अवसंरचना का विस्तार और प्रौद्योगिकी का उन्नयन।

एसडीजी 8: अच्छा कार्य और आर्थिक विकास



लक्ष्य 8.3: विकास-उन्मुख नीतियों को बढ़ावा देना जो उत्पादक गतिविधियों, सही रोजगार सृजन, उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देती हैं, और वित्तीय सेवाओं तक अभिगम सहित सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों की औपचारिकता और विकास को प्रोत्साहित करती हैं।

एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और अवसंरचना



लक्ष्य 9.1: गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय, टिकाऊ और लचीला बुनियादी ढाँचा विकसित करना

एसडीजी 11: संधारणीय शहर और समुदाय



लक्ष्य 11.2: सभी के लिए सुरक्षित, किफ़ायती, सुलभ और सतत परिवहन प्रणाली

लक्ष्य 11.4: विश्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा और सुरक्षा के प्रयासों को सुदृढ़ करना

लक्ष्य 11.7: वर्ष 2030 तक, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों, वृद्ध व्यक्तियों और विकलांग व्यक्तियों के लिए सुरक्षित, समावेशी और सुलभ, हरे और सार्वजनिक स्थानों तक सार्वभौमिक अभिगम प्रदान करना।

एसडीजी 12: सतत खपत और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करना



लक्ष्य 12.2: प्राकृतिक संसाधनों का सतत प्रबंधन और कुशल इस्तेमाल प्राप्त करना

लक्ष्य 12.4: वर्ष 2020 तक, सहमत अंतरराष्ट्रीय ढांचे के अनुसार रसायनों और उनके पूरे जीवन चक्र में सभी अपशिष्टों का पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ प्रबंधन प्राप्त करना, और मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उनके प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए हवा, पानी और मिट्टी में उनकी रिहाई को काफी कम करना।

लक्ष्य 12.5: वर्ष 2030 तक रोकथाम, कमी, पुनर्चक्रण और पुनः इस्तेमाल के माध्यम से अपशिष्ट उत्पादन को काफी हद तक कम करना।

लक्ष्य 12.5: वर्ष 2030 तक रोकथाम, कमी, पुनर्चक्रण और पुनः इस्तेमाल के माध्यम से अपशिष्ट उत्पादन को काफी हद तक कम करना।

लक्ष्य 12.8: वर्ष 2030 तक, सुनिश्चित करें कि हर जगह लोगों के पास सतत विकास और प्रकृति के साथ सद्भाव में जीवन शैली के लिए प्रासंगिक जानकारी और जागरूकता हो।

एसडीजी 13: जलवायु संबंधी कार्यवाही



लक्ष्य 13.1: सभी देशों में जलवायु संबंधी खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति लचीलापन और अनुकूली क्षमता को सुदृढ़ करना।

लक्ष्य 13.2: जलवायु परिवर्तन उपायों को राष्ट्रीय नीतियों, रणनीतियों और योजना में एकीकृत करना।

लक्ष्य 13.3: जलवायु परिवर्तन शमन, अनुकूलन, प्रभाव में कमी और प्रारंभिक चेतावनी पर शिक्षा, जागरूकता बढ़ाने और मानव और संस्थागत क्षमता में सुधार करना।

एसडीजी 15: भूमि पर जीवन



लक्ष्य 15.1: अंतरराष्ट्रीय समझौतों के अंतर्गत दायित्वों के अनुरूप स्थलीय और अंतर्देशीय मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र और उनकी सेवाओं, विशेष रूप से जंगलों, आर्द्रभूमि, पहाड़ों और शुष्क भूमि के संरक्षण, बहाली और सतत इस्तेमाल को सुनिश्चित करना।

लक्ष्य 15.2: वर्ष 2020 तक सभी प्रकार के वनों के स्थायी प्रबंधन के कार्यान्वयन को बढ़ावा देना, वनों की कटाई को रोकना, नष्ट हुए वनों को पुनर्स्थापित करना और विश्व स्तर पर वनीकरण और पुनर्वनीकरण में पर्याप्त वृद्धि करना।

लक्ष्य 15.3: वर्ष 2030 तक, मरुस्थलीकरण से निपटना, मरुस्थलीकरण, सूखे और बाढ़ से प्रभावित भूमि सहित खराब भूमि और मिट्टी को बहाल करना, और भूमि क्षरण-तटस्थ दुनिया को प्राप्त करने का प्रयास करना। लक्ष्य 15.5: प्राकृतिक आवासों के क्षरण को कम करने, जैव विविधता के नुकसान को रोकने के लिए तत्काल और महत्वपूर्ण कार्यवाही करना।

लक्ष्य 15.9: वर्ष 2020 तक, पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता मूल्यों को राष्ट्रीय और स्थानीय योजना, विकास प्रक्रियाओं, गरीबी उन्मूलन रणनीतियों में एकीकृत करना।

अनुलग्नक VI: वृक्षारोपण गतिविधियों के लिए उपयुक्त प्रजातियाँ

पौधों का नाम	प्रजाति (फैमिली)	स्थानीय नाम	उपयोग/औषधीय गुण
इमारती लकड़ी के पेड़			
अकेसिया निलोटिका	फैबेसी	बबूल	गाड़ियों के फ्रेम और पहियों, उपकरणों और औजारों जैसे उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है।
फ़िक्स रिलिजियोसा	मोरेसी	पीपल	इसमें औषधीय गुण और इसका धार्मिक महत्व है।
आज़ादिराक्टा इंडिका ए. जस	मेलियासी	नीम	नीम के पेड़ के सभी भाग - पत्ते, फूल, बीज, फल, जड़ और छाल का उपयोग पारंपरिक रूप से उपचार के लिए किया जाता रहा है। इसकी लकड़ी फर्नीचर के लिए आदर्श है, क्योंकि यह मजबूत और दीमक प्रतिरोधी दोनों है।
डालबर्गिया सिस्सो	फैबेसी	शीशम	इसके कई उपयोग हैं, हवाई और समुद्री जहाज में, कोयले के रूप में भोजन को गर्म करने और पकाने के लिए, संगीत वाद्ययंत्र बनाने आदि
मधुका लॉगिफोलिया	सैपोटेसी	महुआ	यह विभिन्न उपयोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण इमारती लकड़ी प्रदान करता है।
शोरिया रोबस्टा	डिट्टरोकार्पेसी	साल	इसका उपयोग रेलवे स्लीपर, जहाज और पुलों के निर्माण के लिए किया जाता है।
सिनामोमम तमाला	लौरैसी	भारतीय तेज पत्ता	यह विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं को ठीक करने में मदद करता है और खाना पकाने में इसका उपयोग किया जाता है।
फल और जंगली खाद्य पौधे			
मैंगीफेरा इंडिका	एनाकार्डिएसी	आम (मैंगो)	इसके सभी भागों का उपयोग पारंपरिक उपचार में किया जाता है
आर्टोकार्पस हेटरोफिलस	मोरेसी	कटहल , (जैकफ्रूट)	इसकी लकड़ी का उपयोग फर्नीचर बनाने के लिए किया जाता है। पौधे के कई हिस्से, जिनमें छाल, जड़ें, पत्तियां और फल शामिल हैं, पारंपरिक और लोक चिकित्सा में अपने औषधीय गुणों के लिए जाने जाते हैं।
सिडियम गुजावा	मायर्टेसी	अमरूद (गुआवा)	यह विभिन्न गैस सम्बन्धी रोगों के लिए एक सामान्य और लोकप्रिय पारंपरिक उपचार है।

पौधों का नाम	प्रजाति (फैमिली)	स्थानीय नाम	उपयोग/औषधीय गुण
एगारिकस कैम्पेस्ट्रीस एल	एगारिकेसी	धरती का फूल	एक प्रकार का मशरूम।
अंकोलसाल्विफोलियम (एलएफ) वांग	अलंगियासी	ढेरा (एको)	इसके पके फल खाए जाते हैं।
अमोर्फोफैलस पेओनीफोलियसडेनस्ट	अरेसी	हाथीपाँव, जिमी कंद	इसे सब्जी के रूप में खाया जाता है।
क्रोटोलारियाजंशिया एल.	फैबेसी	सनई	हल्की उबली हुई कलियाँ सब्जी के रूप में खाई जाती हैं।
मणिलकारा हेक्सेंड्रा (रोक्सब) डब	सैपोएटेसी	खिरनी	इससे प्राप्त फलों से अचार और सॉस बनाया जाता है।
यूजेनिया जाम्बोलाना	मायर्टेसी	जामुन	इसकी जड़, पत्तियाँ, फल और छाल में असंख्य औषधीय गुण होते हैं।
एगल मार्मेलोस	रूटेसी	बेल	कच्चे फल, जड़, पत्ती और शाखा का उपयोग औषधि बनाने के लिए किया जाता है।
मोरस रूबरा	मोरेसी	शहतूत	शहतूत को कच्चा खाया जा सकता है और इसका उपयोग जैम, प्रिजर्व, पाई बनाने के लिए भी किया जाता है। इनमें औषधीय गुण भी होते हैं।

औषधीय गुणों वाले पेड़

विथानियासोमिफेरा	सोलानेसी	अश्वगंधा	यह विभिन्न प्रकार के रोगों में उपयोगी है।
बकोपा मोनिएरी	प्लांटैगिनेसी	ब्राह्मी	इसका उपयोग विभिन्न सांस रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है।
एंद्रोग्राफीस पैनिकुलता	एकैथेसी	कालमेघ	यह प्रतिरक्षा को बढ़ाने में मदद करता है और इसका उपयोग सामान्य सर्दी, साइनसाइटिस और एलर्जी के लक्षणों को ठीक करने के लिए किया जाता है।
राउवोल्फिया सर्पेन्टिना	एपोसिनेसी	सर्पगंधा	इसका उपयोग कई अलग-अलग बीमारियों के उपचार के लिए किया जाता है।

पौधों का नाम	प्रजाति (फैमिली)	स्थानीय नाम	उपयोग/औषधीय गुण
औषधीय गुणों वाले लुप्तप्राय पेड़			
एकोरस कैलमस एल.	अरेसी	बाख, बाल, घोर्बच	ब्रोंकाइटिस, खांसी और सर्दी के इलाज के लिए एक उपयोगी जातीय औषधीय पौधा।
ऐस्पैरैगस ऐडसेंडेसरोक्सबी	लिलिएसी	शतावरी	हार्मोन असंतुलन से संबंधित स्थितियों के उपचार में मदद करता है।
सेलास्ट्रस पैनिकुलैटस वाइल्ड ।	सेलास्ट्रेसी	उमजैन , मुजहानी , मलकांगनी, ककुंदन	विभिन्न प्रकार की बीमारियों के उपचार में उपयोगी है।
अन्य पेड़			
पोपुलस सिलियाटा	सैलिकैसी	सेमल, कपोक	इसकी पत्तियों का उपयोग पशुओं के चारे और हर्बल चाय के लिए किया जाता है।
यूकेलिप्टस ग्लोब्युलस	मायर्टेसी	तैलपत्र	खांसी और सामान्य सर्दी के उपचार के लिए दवाओं में उपयोग किया जाता है और आवश्यक तेल बनाने के लिए भी उपयोग किया जाता है।

Notes

Notes

